राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 कनाडा के खिलाफ कोहली की फॉर्म पर रहेंगी ...

अजित गुट ने ठुकराया मोदी सरकार में स्वतंत्र प्रभार, विधायकों के संपर्क ... 12

वर्ष : 15 | अंक : 64 | नई दिल्ली, शनिवार, 15 जून, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 31°C

न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां 30%
नहीं 50%
कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 59,340

चांदी 55,350

सेंसेक्स 63,327

निफ्टी 18,816

संक्षिप्त खबरें

ट्रैक्टर ट्रॉली पलटी, पांच की मौत पच्चीस घायल

दतिया। मध्यप्रदेश के दतिया जिले के दुरसड़ा थाना क्षेत्र में आज तड़के श्रद्धालुओं से भरी एक ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिरकर पलट गयी, जिससे उसमें सवार पांच लोगों की मौत हो गयी और पच्चीस श्रद्धालु घायल हो गए। घायलों को दतिया जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार जिले के दिसवार गांव से रतनगढ़ माता मंदिर जवारे चढ़ाने जा रही श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली दुरसड़ा थाना क्षेत्र के जोरा मैथाना पाली गांव के पास अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिरकर पलट गयी। दुर्घटना में एक ही परिवार के तीन लोगों सहित पांच की मौत हो गयी और पच्चीस श्रद्धालु घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों में सोनम 11, क्रांति 17, सीमा 30, कामनी 19 और विनीता 30 शामिल हैं। बताया गया है कि दिसवार गांव के सरपंच बापू दांगी के घर देवी अनुष्ठान था। इस अनुष्ठान में जवारे बोए गए थे। इन जवारों को रतनगढ़ माता मंदिर पर अर्पित करना था।

झारखंड में सड़क दुर्घटना में पांच की मौत 6 घायल

रांची। झारखंड में गढ़वा-श्री बंशीधरनगर मुख्य सड़क पर भीषण सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने आज यहां बताया कि गढ़वा-श्री बंशीधरनगर मुख्य सड़क पर पाल्हे गांव के शिव मंदिर के पास गुरुवार मध्य रात्रि के बाद एक बजे रात में एक टेंपो को विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी, जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई जभकि छह लोग घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सभी लोगों का गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों में उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के दुद्धी थाना क्षेत्र के महुली गांव के केशनाथ के 45 वर्षीय पुत्र बिमलेश कुमार कनोजिया, गढ़वा के रमना थाना क्षेत्र के सीरियाटेंगर गांव के सुरेश भुइयां के 28 वर्षीय पुत्र अरुण भुइयां, रमाशंकर भुइयां के 25 वर्षीय पुत्र विकेश भुइयां, विनोद राम के 20 वर्षीय पुत्र अरविंद भुइयां और रामवृक्ष भुइयां के 50 वर्षीय पुत्र राजकुमार भुइयां शामिल हैं। घायलों में गढ़वा जिले के रमना थाना क्षेत्र के सीरियाटेंगर गांव के राम प्रसाद राम के पुत्र मिथिलेश भुइयां, महावीर भुइयां के पुत्र उमेश भुइयां, रामप्रसाद भुइयां के पुत्र राकेश भुइयां, रहमुदिन अंसारी के पुत्र मेराज अंसारी, रामचंद्र भुइयां के पुत्र संजय भुइयां व दुद्धी थाना क्षेत्र महुली गांव निवासी रामचंद्र भुइयां के पुत्र मिथलेश भुइयां शामिल हैं।।

पीआईबी की फैक्ट चेक इकाई ने 12 यूट्यूब चैनल पर 134 वीडियो में फर्जी खबरों का भंडाफोड़ किया

नई दिल्ली। सरकार ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उसने 12 यूट्यूब चैनलों पर 134 वीडियो के माध्यम से प्रसारित फर्जी खबरों का भंडाफोड़ किया है। इन चैनलों के कुल सब्सक्राइबर लाखों की संख्या में हैं। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) की फैक्ट चैक इकाई ने कहा कि संबंधित यूट्यूब चैनलों पर भ्रामक दावे करने वाले वीडियो प्रसारित किए गए, जैसे कि बेटी की शादी के खर्च के लिए 51,000 रुपये का भुगतान, राशन कार्ड धारकों को 2.5 लाख रुपये का लाभ और कोविड-19 टीके के बारे में फर्जी खबरें। वीडियो यूट्यूब चैनल नितिन ज्ञान 4यू, केएल ऑनलाइन स्टडी, सरकारी खबर21, मीडिया तक, न्यूज वेव 429 और ऑनलाइन जॉब आरके आदि द्वारा पोस्ट किए गए थे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रीपरिषद की बैठक

बिहार में बेरोजगारी भत्ता नियमावली को मिली मंजूरी

मनरेगा में जाब नही तो 100 दिन तक सरकार देगी बेरोजगारी भत्ता, 25 एजेंडों पर लगी मुहर

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को राज्य मंत्री परिषद की बैठक हुई बैठक में करीब 25 एजेंडों पर मुहर लगी। बैठक में बिहार बेरोजगारी भत्ता नियमावली 2024 को मंजूरी दी गई। मनरेगा में मांगने पर काम नहीं तो मिलेगा बेरोजगारी भत्ता मंत्रिमंडल ने मनरेगा योजना के तहत काम मांगने पर काम न मिलने की अवस्था में बेरोजगार श्रमिक को भरण पोषण के लिए बेरोजगारी भत्ता देने का प्रस्ताव स्वीकृत किया है। इसके लिए बिहार बेरोजगारी भत्ता नियमावली 2024 स्वीकृत की गई है।

मनरेगा के तहत काम मांगने पर 15 से 30 दिनों के अंदर काम देना होगा। काम नहीं मिलने पर संबंधित व्यक्ति को सरकार अगले सौ दिनों के लिए महंगाई भत्ता देगी। भत्ता के रूप में श्रमिक को पहले महीने में निर्धारित मजदूरी का एक चौथाई और इसके अगले महीने से मजदूरी का आधा हिस्सा दिया जाएगा।

राज्य कर्मियों के मकान किराया भत्ता बढ़ा: राज्य सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के मकान किराया भत्ता में वृद्धि कर दी है। मकान किराया भत्ता को चार श्रेणी में बांटा गया है। पटना में रहने वाले कर्मचारियों को पहले मकान भत्ता के रूप में मूल वेतन का 16 प्रतिशत मिलता था। इन्हें अब 20 प्रतिशत भत्ता मिलेगा। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कैबिनेट के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने बताया कि मकान किराया भत्ता का चार श्रेणी में बांटा गया है। पटना के कर्मचारियों को वाई श्रेणी में रखते हुए वेतन का 20 प्रतिशत मकान भत्ता के रूप में दिया जाएगा। इन्हें पहले 16 प्रतिशत भत्ता मिलता था। जेड श्रेणी के शहरों को आठ प्रतिशत के स्थान पर 10 प्रतिश्त भत्ता देय होगा। अवगीर्कृत शहरों में भत्ता दर अब छह प्रतिशत की बजाय साढ़े सात प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों में चार के स्थान पर पांच प्रतिशत होगी।

जेड श्रेणी में प्रदेश के 32 शहर शामिल किए गए हैं। जिसमें अररिया, आरा, औरंगाबाद, बगहा, बेगूसराय, बेतिया, भागलपुर, बिहार शरीफ, बक्सर, छपरा, दरभंगा, डिहरी, गया, गोपालगंज, हाजीपुर, जमालपुर, जमुई, जहानाबाद, कटिहार, किशनगंज, लखीसराय, मधुबनी, मोकामा, मोतिहारी, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, नवादा, पूर्णिया, सहरसा, समस्तीपुर, सासाराम, सीतामढ़ी, सिवान और सुपौल।अक्षर आंचल योजना संचालन के लिए 7.74 करोड़ स्वीकृत : महादलित, दलित और अल्पसंख्यक अति पिछड़ा वर्ग अक्षर आंचल योजना के लिए सरकार ने 7.74 करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान स्वीकृत किया है। इस राशि से 20 हजार टोला सेवक और 10 हजार तालीमी मरकज के शिक्षा सेवकों का वेतन भुगतान किया जाएगा। प्रदेश में 20 हजार टोला सेवक और 10 हजार तालीमी मरकज के शिक्षा सेवक हैं।

अब आम लोगों को ऑनलाइन मिलेंगे राजस्व दस्तावेज : मंत्रिमंडल ने आम लोगों की सहूलियत के लिए राजस्व दस्तावेज ऑनलाइन देने का प्रस्ताव स्वीकृत किया है। डॉ. एस. सिद्धार्थ ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा राजस्व दस्तावेज यथा राजस्व प्रशासन से जुड़े सभी पुराने न्यायिक आदेश, नक्शा, भू-अभिलेख न अन्य दस्तावेजों को स्कैन कर डिजिटल पटल पर संरक्षित किए जा रहे हैं। आवेदन करने पर संबंधित नागरिकों को पुराने परंपरागत तरीके के साथ-साथ नये तरीके यानी ऑनलाइन भी यह दस्तावेज उपलब्ध कराए जाएंगे। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि किसी भी प्रतिलिपि के लिए स्टांप शुल्क अभिलेखों के पृष्ठों के आधार पर निर्धारित होगा। यह यह राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा कार्यकारी आदेश के तहत तय होगा। इसका भुगतान भी विभाग द्वारा विकसित आनलाइन किया जा सकेगा। डॉ. सिद्धार्थ के अनुसार डाटा सेंटर द्वारा निर्धारित शुल्क के साथ पंजीकृत आवेदन प्राप्त होने पर उसे संबंधित अधिकारी के पास भेजा जाएगा। वहां से अधिकारी डिजिटल हस्ताक्षर अंकित प्रति प्राप्त कर आवेदक को दो दिनों में उपलब्ध कराएंगे। साथ ही कंप्यूटर पर संधारित प्रेषण पंजी में आवेदन संख्या, आवेदक का नाम व प्रेषण की तिथि अंकित कर दी जाएगी। नीतीश कैबिनेट ने 15 साल से पुराने सभी सरकारी वाहनों की स्क्रेपिंग की योजना को मंजूरी दी है। अब बिहार सरकार के सभी विभाग, बोर्ड, निगम तथा अन्य कार्यालयों के स्वामित्व वाले 15 वर्ष पुराने वाहनों का फिर अगला निबंधन नहीं किया जा सकेगा। बिहार आकस्मिकता निधि के अस्थाई काय जो 350 करोड रुपये है वह वित्तीय वर्ष 2024-25 में 30 मार्च, 2025 तक के लिए अस्थाई रूप से बढ़कर 10000 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

कैबिनेट के अन्य अहम फैसले

- बिहार न्यायिक सेवा के पदाधिकारी को बकाया भत्तों के भुगतान के लिए बिहार राज्य आकस्मिकता निधि से एक अरब 21 करोड़ 33 लाख 49000 के अग्रिम स्वीकृति अगल लेखा
- वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्थापना औरप्रतिबद्ध व्यय के अंतर्गत महादलित, दलित और अल्पसंख्यक अति पिछड़ा वर्ग अक्षर आंचल योजना कार्यक्रम के संचालन के लिए 7 अब 74 करोड़ 24 लाख 89 हजार 895 रुपए अनुदान की राशि की स्वीकृति
- वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य सरकार द्वारा 54298 करोड़ से अधिक ऋण उगाही की स्वीकृति

पीएम ने प्रौद्योगिकी में एकाधिकार खत्म करने का किया आह्वान

जी-7: बेहतर भविष्य के लिए रचनात्मक तकनीक जरूरी : मोदी

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। जी7 शिखर सम्मेलन के दूसरे आउचरीच सत्र को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम मेधा) में राष्ट्रीय रणनीति तैयार करने वाले पहले कुछ देशों में से एक है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में भारत का दृष्टिकोण चार सिद्धांतों उपलब्धता, पहुंच, सामर्थ्य और स्वीकार्यता पर आधारित है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि हमें मिलकर आने वाले समय को 'हरित युग' बनाने का प्रयास करना चाहिए। 2047 तक विकसित भारत का निर्माण हमारा संकल्प है। हमारी प्रतिबद्धता है कि समाज का कोई भी वर्ग पीछे न छूटे।

ग्लोबल साउथ के देश वैश्विक अनिश्चितताओं और तनाव का खामियाजा भुगत रहे हैं। ग्लोबल साउथ के देशों की प्राथमिकताओं और चिंताओं को विश्व मंच पर रखना भारत की जिम्मेदारी है। हमें गर्व है कि भारत की अध्यक्षता में जी-20 ने अफ्रीकी संघ को समूह का स्थायी सदस्य बनाया। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि कई लोग यूरोपीय संसद के चुनावों में व्यस्त थे। भारत में भी कुछ महीने पहले चुनाव का समय था। मेरा सौभाग्य है कि भारत के लोगों ने मुझे लगातार तीसरी बार उनकी सेवा करने का अवसर दिया। भारत के लोगों ने इस ऐतिहासिक जीत के रूप में जो आशीर्वाद दिया है, वह लोकतंत्र की जीत है। यह पूरे लोकतांत्रिक विश्व की जीत है।

विदेशी नेताओं से की मुलाकात: संबोधन से पहले पीएम मोदी ने वैश्विक नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के अलावा कई नेताओं से मुलाकात की। पीएम मोदी ने पोप फ्रांसिस से भी मुलाकात की और गले लगकर उनका अभिवादन किया।

एक दिन पहले इटली पहुंचे पीएम मोदी : बता दें, प्रधानमंत्री मोदी एक दिन पहले तीसरे कार्यकाल की शपथ लेने के बाद पहले विदेश दौरे पर इटली पहुंचे। भारतीय राजदूत वाणी राव ने उनका स्वागत किया। इटली पहुंचने के बाद पीएम मोदी ने कहा- वैश्विक नेताओं के साथ उत्पादक चर्चाओं में शामिल होने के लिए उत्सुक हूं। हमारा लक्ष्य साथ मिलकर वैश्विक चुनौतियों का समाधान करना और उज्ज्वल भविष्य के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है।

सम्मेलन में सदस्य देशों के साथ-साथ मेहमान देश भी शामिल: सम्मेलन में मेजबान इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के अलावा, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो, जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जापानी प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल के अलावा 10 मेहमान देश शामिल हैं।

इटली में प्रधानमंत्री मोदी ने की फ्रांस के राष्ट्रपति से मुलाकात: जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने इटली पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बैठक से इतर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने कई क्षेत्रों में जारी अपनी भागीदारी को मजबूत करने पर चर्चा की।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि दोनों नेताओं ने इटली के अपुलिया में 50वें जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर मुलाकात की। दोनों नेताओं ने रक्षा, परमाणु, अंतरिक्ष, शिक्षा, जलवायु कार्रवाई, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों, कनेक्टिविटी, संस्कृति सहित साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

न्यायालय ने नीट में 'गड़बड़ी' की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर केंद्र व एनटीए से मांगा जवाब

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने नीट-यूजी, 2024 में कथित अनियमितताओं की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच के अनुरोध वाली याचिका पर शुक्रवार को केंद्र एवं राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) से जवाब मांगा।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की अवकाशकालीन पीठ ने सीबीआई और बिहार सरकार से भी दो सप्ताह के भीतर जवाब मांगा। पीठ हितेन सिंह कश्यप द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

पीठ ने कहा कि अन्य लंबित याचिकाओं के साथ जनहित याचिका पर आठ जुलाई को सुनवाई की जाएगी, जब सर्वोच्च अदालत गर्मी की छुट्टियों के बाद बैठेगी। केंद्र और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने एक दिन पहले उच्चतम न्यायालय को बताया था कि उसने एमबीबीएस और ऐसे अन्य पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए परीक्षा देने वाले 1,563 उम्मीदवारों को दिए गए कृपांक (ग्रेस मार्क्स) रद्द कर दिए हैं। केंद्र ने कहा था कि उनके पास या तो दोबारा परीक्षा देने या कृपांक को छोड़ने का विकल्प होगा। यह परीक्षा पांच मई को 4,750 केंद्रों पर हुई थी और इसमें लगभग 24 लाख उम्मीदवार शामिल हुए थे। परिणाम 14 जून को घोषित किए जाने की उम्मीद थी, लेकिन उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पहले पूरा हो जाने के कारण 4 जून को नतीजे घोषित कर दिए गए। बिहार जैसे राज्यों में प्रश्नपत्र लीक होने और प्रतिष्ठित परीक्षा में कई अन्य अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। आरोपों के कारण कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए और सात उच्च न्यायालयों एवं सर्वोच्च न्यायालय में मामले दायर किए गए। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातकह्न (नीट-यूजी) देश भर के सरकारी और निजी संस्थानों में मेडिकल शिक्षा से जुड़े संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एनटीए द्वारा आयोजित की जाती है।

नीट में धांधली को लेकर लीपापोती कर बच नहीं सकती सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट को लेकर सरकार को घेरते हुए आज कहा कि सच पर पर्दा डालने के लिए पूरे प्रकरण में लीपापोती की जा रही है लेकिन सवाल 24 लाख बच्चों के भविष्य का है इसलिए उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश की देखरेख में मामले की जांच होनी चाहिए।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जो नियम मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा के लिए वर्जित किये गए हैं सरकार उन्हीं नियमों का सहारा लेकर ग्रेस मार्क्स देने की बात कर पूरे मामले में लीपापोती करने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने तंज करते हुए कहा ह्लनाम है नीट लेकिन रिजल्ट देख कर ये प्रक्रिया कहीं से भी 'साफ, स्वच्छ या स्वस्थ' नहीं लगती। इस परीक्षा के माध्यम से देश के 24 लाख बच्चों के भविष्य पर पानी फेर दिया गया है। पिछले 8 साल में 7 ऐसे छात्र थे जो पूरे अंक लाए लेकिन इस साल 67 छात्र पूरे अंक लेकर आए। इस पर शिक्षा मंत्री का कोई जवाब नहीं है। जब बिहार में पुलिस ने पेपर लीक के मामले में कुछ लोगों को पकड़ा और गुजरात के गोधरा में भी ऐसा मामला निकला, तब ये घोटाला सामने आया।

प्रवक्ता ने कहा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी-एनटीए ने कोर्ट में लीपापोती की पूरी कोशिश करते कहा कि हमने टाइम लॉस की वजह से 1563 बच्चों को ग्रेस मार्क्स दिये और उच्चतम न्यायालय के एक फैसले को कोट किया। शीर्ष न्यायालय के फैसले को कोट करते हुए एनटीए ने कहा कि अगर बच्चों को टाइम लॉस होता है तो कैलकुलेट करके उन्हें ग्रेस मार्क दिया जाता है जबकि उसी फैसले में स्पष्ट लिखा है कि इंजीनियरिंग और मेडिकल इस कैटेगरी में नहीं आते। उन्हें टाइम लॉस पर ग्रेस मार्क नहीं दे सकते। अब सोचिए कि यह सरकार किस स्तर पर गिरकर लीपापोती कर सकती है। उन्होंने कहा 580 से ज्यादा अंक पाने वाले छात्रों के परीक्षा केंद्रों के नाम जारी किए जाएं और 12वीं के बोर्ड के मार्क्स का मिलान नीट के टॉपर्स के साथ किया जाए। जिन एग्जाम सेंटर पर औसत से ज्यादा हाई मार्क्स वाले परीक्षार्थी हैं, उनकी वीडियो रिकॉर्डिंग भी जारी की जाए। उन तमाम बच्चों की सूची जारी हो जिन्होंने विंडो का लाभ उठाते हुए अपने एग्जाम सेंटर्स बदले। दुर्भाग्य यह भी है कि आज रेल मंत्री हो, शिक्षा मंत्री हो, गृह मंत्री हो या प्रधानमंत्री, कोई जवाबदेही नहीं लेना चाहता है। यूपीए के शासन काल में सिर्फ आरोप लगने पर इस्तीफा दे दिया जाता था। आज मंत्री मुस्कुराते हुए आरोप देश के नागरिकों पर लगाता है कि ये 'मोटिवेटेड प्रोटेस्ट' हो रहा है।

भाजपा केंद्र में रहे या राज्य में पेपर लीक होना तय है: तेजस्वी

प्रात : किरण

पटना। नीट परीक्षा के कथित लीक मामले में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला है। तेजस्वी ने शुक्रवार को अपने बयान में कहा कि भाजपा राज्य में रहे या केंद्र में पेपर लीक होना तय है। नीट परीक्षा लीक बहुत ही गंभीर विषय है हिरासत में अपराधी कबूल रहा है कि पेपर लीक किया गया है नित अभ्यर्थी, अभिभावक, विद्यार्थी व युवा चिंतित है मगर सरकार मानने को तैयार नहीं है कि नीट परीक्षा में धांधली हुई है।तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर नीट मामले को लेकर एनडीए सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा को लेकर पूरी व्यवस्था सशंकित है। मगर एनडीए सरकार नख से शिख तक अहंकार में डूबी है।

वह देश में परीक्षाओं की विश्वसनीयता की सरासर अनदेखी करते हुए पेपर लीक के सबूत सार्वजनिक होने, जांच-गिरफ्तारी और साजिशकताओं द्वारा जुर्म कबूलने के बाद भी यह मानने को तैयार ही नहीं हैं कि नीट परीक्ष में कुछ धांधली भी हुई है। आरजेडी नेता तेजस्वी ने कहा कि सभी सबूत सामने हैं लेकिन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इतने आनविज्ञ हैं कि वे मानने को तैयार ही नहीं कि नीट परीक्षा में कुछ गड़बड़ हुई भी है। उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार को अहंकारी करार दिया और कहा कि सत्ता में बैठे लोग कुंभकर्णी नींद में ऐसे सोए हैं कि लाखों अभ्यर्थियों के सपनों में आग भी लग जाए तो इन्हें परवाह नहीं है।

केजरीवाल की जमानत याचिका पर सुनवाई 19 जून को

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी घोटाले से संबंधित धन शोधन के एक मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर सुनवाई शुक्रवार को 19 जून के लिए निर्धारित कर दी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मुकेश कुमार ने मामले में जवाब दाखिल करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय द्वारा और समय दिये जाने के अनुरोध के बाद सुनवाई को स्थगित कर दिया। इस बीच न्यायाधीश ने केजरीवाल की ओर से दाखिल एक अर्जी पर सुनवाई शनिवार के लिए निर्धारित कर दी। अर्जी में केजरीवाल की स्वास्थ्य स्थिति और उपचार का निर्धारण करने के लिए गठित मेडिकल बोर्ड की कार्यवाही में उनकी पत्नी को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल होने की अनुमति देने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। न्यायाधीश ने संबंधित जेल अधिकारियों को मामले में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। न्यायाधीश ने कहा, आरोपी की ओर से उनकी पत्नी को चिकित्सा बोर्ड में शामिल करने का निर्देश देने के लिए अर्जी दाखिल की गयी है। किसी भी तरह का आदेश पारित करने से पहले मैं संबंधित जेल अधीक्षक से जवाब मांगना उचित समझता हूं। अर्जी पर कल (शनिवार) सुनवाई होगी। ईडी ने कार्यवाही के दौरान अदालत से सुनवाई 25 जून तक स्थगित करने का अनुरोध किया। न्यायाधीश ने हालांकि कहा कि वह आरोपी की सुविधा के अनुसार अगली सुनवाई की तारीख तय करेंगे न कि जांच एजेंसी की सुविधा के हिसाब से। न्यायाधीश ने कहा, आरोपी न्यायिक हिरासत में है न कि ईडी की हिरासत में। अगर वह कुछ सुविधा चाहते हैं तो आपका इससे कोई लेना-देना नहीं है। आपको कोई भूमिका नहीं निभानी है। वह न्यायिक हिरासत में है। मैं उनकी सुविधा पर विचार करूंगा न कि आपकी।दिल्ली की एक अदालत ने पांच जून को इस मामले में चिकित्सा आधार पर अंतरिम जमानत की केजरीवाल की याचिका खारिज कर दी थी।

दौरा **फ्लैग ऑफिसर ने भारत की समुद्री युद्ध क्षमता के बारे में जानकारी दी**

पूर्वी नौसेना कमान के दौरे पर गए रक्षा मंत्री आईएनएस जलाश्व पर सवार हुए

राजनाथ सिंह ने हिंद महासागर क्षेत्र में नौसेना की भूमिका को सराहा

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। एनडीए सरकार में लगातार दूसरी बार रक्षा मंत्री का कार्यभार संभालने के बाद राजनाथ सिंह शुक्रवार को पहली यात्रा पर विशाखापट्टनम पहुंचे और पूर्वी नौसेना कमान का दौरा किया। भारतीय नौसेना की परिचालन समीक्षा करने के लिए वह ह्यसमुद्र में एक दिनह्ल के लिए आईएनएस जलाश्व पर सवार हुए। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी के साथ रक्षा मंत्री ने कमान के विभिन्न जहाजों, पनडुब्बी और विमानों को देखा। पूर्वी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल राजेश पेंढारकर ने रक्षा मंत्री को भारतीय नौसेना की युद्ध क्षमता के बारे में जानकारी दी। पूर्वी बेड़े के अधिकारियों और नौसैनिकों के साथ बातचीत करते हुए राजनाथ सिंह ने हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में पहली प्रतिक्रिया देने वाले देश के रूप में उभरने के लिए भारतीय नौसेना की भूमिका को सराहा। उन्होंने कहा कि हमारी नौसेना यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र में किसी दूसरे देश को दबा न सके या आर्थिक ताकत या सैन्य शक्ति के आधार पर उसकी सामरिक स्वायत्तता को खतरे में न डाले। रक्षा मंत्री ने देश के विकास और अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का मान बढ़ाने में अहम भूमिका निभाने के लिए भारतीय नौसेना को श्रेय दिया।

राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारी नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षित व्यापार सुनिश्चित कर रही है। भारत अपनी बढ़ती शक्ति के साथ इस क्षेत्र के साथ-साथ पूरे विश्व को शांतिपूर्ण और समृद्ध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। रक्षा मंत्री ने इस तथ्य को भी रेखांकित किया कि भारत के वाणिज्यिक हित हिंद महासागर क्षेत्र से जुड़े हुए हैं और नौसेना व्यापक राष्ट्रीय उद्देश्यों को प्राप्त करते हुए समुद्री सीमाओं को सुरक्षित करने का एक साधन है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हित सरकार के लिए सर्वोपरि है और उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि उनके दूसरे कार्यकाल में समुद्री सुरक्षा को और मजबूत करने तथा हिंद महासागर में भारत की नौसैनिक शक्ति की उपस्थिति को और अधिक प्रभावी और मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि हम दूसरे कार्यकाल में भी अपने प्रयासों को गति देंगे। चाहे हिमालय हो या हिंद महासागर, हमारी प्राथमिकता सीमाओं पर सुरक्षा को लगातार मजबूत करना होगी। राजनाथ सिंह के दौरे का समापन सनराइज फ्लीट के चालक दल के साथ पारंपरिक 'बड़ाखाना' के साथ हुआ। इससे पहले विशाखापट्टनम के आईएनएस डेगा में रक्षा मंत्री का औपचारिक स्वागत 50 जवानों के गार्ड ऑफ ऑनर के साथ किया गया।

उत्तराखंड में आग की घटनाओं को रोकने के लिए सरकार उपाय करे : प्रियंका गांधी

प्रात : किरण

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के वनक्षेत्र में लगी आग की चपेट में आने से चार वनकर्मियों की मौत पर दुख जताते हुए शुक्रवार को कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को आग लगने की घटनाओं के रोकने के उपाय करने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि हिमालय को बचाने के लिए सबके सहयोग से व्यापक स्तर पर कारगर प्रयास किए जाने की भी जरूरत है।

उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में सिविल सोयम वन प्रभाग के तहत बिनसर वन्यजीव विहार में आग की चपेट में आने से चार वनकर्मियों की मृत्यु हो गयी और चार अन्य गंभीर रूप से झुलस गए।

प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, अल्मोड़ा (उत्तराखंड) में जंगल की आग बुझाने गए चार कर्मचारियों की मृत्यु और कई अन्य के घायल होने का समाचार अत्यंत दुखद है। सभी के लिए ईश्वर से प्रार्थना करती हूं। मैं पीड़ित परिवारों को मुआवजा और हर संभव स्तर पर सहायता का आग्रह राज्य सरकार से करती हूं।उन्होंने कहा, पिछले कई महीने से उत्तराखंड के जंगल लगातार जल रहे हैं। सैकड़ों हेक्टेयर जंगल तबाह हो चुके हैं। हिमाचल प्रदेश में भी जंगलों में जगह-जगह आग लगने की सूचनाएं हैं। एक अध्ययन के मुताबिक, हिमालय क्षेत्र के जंगलों में आग लगने की घटनाओं में कई गुना बढ़ोतरी हुई है। जलवायु परिवर्तन का सबसे अधिक असर हमारे हिमालय और पर्वतीय पर्यावरण पर हुआ है।

प्रियंका गांधी ने कहा, ह्यहमेरी केंद्र और राज्य सरकारों से अपील है कि आग लगने की घटनाओं के रोकने के उपाय हों और हिमालय को बचाने के लिए सबके सहयोग से व्यापक स्तर पर कारगर प्रयास किए जाएं।

संक्षिप्त समाचार

सूरज के तेवर तल्ख, गर्मी कर रही बेहाल, अगले कुछ दिन मौसम के मिजाज में बदलाव के नहीं आसार

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में मौसम शुष्क है और पहाड़ से मैदान तक चटख धूप खिल रही है। देहरादून समेत ज्यादातर मैदानी क्षेत्रों में सूरज के तेवर तल्ख हो गए हैं। तपिश बढ़ने के साथ ही पारा भी लगातार चढ़ रहा है। दून में फिर तापमान 40 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। इसके अलावा कई क्षेत्रों में गर्म हवा के थपेड़े बेहाल कर रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिन मौसम के मिजाज में किसी तरह के परिवर्तन के आसार नहीं हैं। ऐसे में पारे में और इजाफा हो सकता है। दोपहर बाद गर्म हवाएं चलने से भीषण गर्मी महसूस की गई। तपिश बढ़ने के कारण ही सुबह-शाम भी उमसभरी गर्मी महसूस की जा रही है। हरिद्वार और ऊधम सिंह नगर जिले के साथ ही नैनीताल और पौड़ी के मैदानी क्षेत्रों में भी गर्मी का प्रकोप है। ज्यादातर क्षेत्रों में अधिकतम पारा 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, आज प्रदेश में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। पर्वतीय क्षेत्रों में कहीं-कहीं आंशिक बादल छाये रह सकते हैं। आसपास के निचले इलाकों में झोंकेदार हवाएं चलने की आशंका है। पारे में एक डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है।

दिल्ली के अस्पताल में भर्ती पूर्व राज्यपाल कोश्यारी से मिले सीएम धामी

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के पूर्व सीएम भगत सिंह कोश्यारी को बीते दिनों तबीयत बिगड़ने पर उन्हें राम मनोहर लोहिया अस्पतातल में भर्ती कराया गया था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज नई दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पतातल पहुंचकर उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से भेंट की। उन्होंने उनकी कुशलक्षेम पूछी और जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

आसन नदी में डूबने से छह वर्षीय बच्चे की मौत

देहरादून, एजेंसी। सेलाकुई थाना क्षेत्र के आसन नदी में डूबने से शनिवार को छह वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। वह दोस्तों के साथ नहाते हुए गहरे पानी में चला गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बच्चे को नदी से बाहर निकाला। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम करवाने से मना कर दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के जमनपुर निवासी अरमान (6) पुत्र जीशान शनिवार की शाम अपने दोस्तों के साथ बाहर खेलने निकला था। करीब पांच बजे सभी आसन नदी में आकर नहाने लगे। इस दौरान अरमान तेज बहाव की चपेट में आ गया और वह डूबने लगा। उसे देख अन्य बच्चों में चीख पुकार मच गई। जब तक लोग पहुंचते अरमान डूब चुका था। थाना प्रभारी शैंकी कुमार ने बताया कि बच्चे को नदी से बाहर निकालकर अस्पताल में लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

नेपाली फार्म से शिवपुरी पहुंचने में लग गए तीन घंटे

ऋषिकेश, एजेंसी। हाईवे पर वाहनों का दबाव बढ़ा तो इनकी गति थम-सी गई। रविवार सुबह से ही स्थिति यह थी कि नेपाली फार्म से शिवपुरी पहुंचने में तीन घंटे लग गए। हाईवे पर दबाव बढ़ने पर वाहनों को नेपाली फार्म से भानियावाला, नरेंद्रनगर होते हुए ऋषिकेश भेजा गया। गलियों के अंदर भी बाहरी राज्यों के वाहन घुस गए। सुबह 8 बजे से नेपाली फार्म पर दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश के पर्यटकों के वाहन भानियावाला के लिए परिवर्तित किए गए। भानियावाला से ये वाहन रानीपोखरी होते हुए ऋषिकेश पहुंचे। कई पर्यटकों को शिवपुरी, कौडियाला, गरुड़चट्टी राफ्टिंग के लिए जाना था। इन पर्यटकों के वाहनों को पुलिस ने नटराज चौक से भद्रकाली की ओर से भेज दिया। पूर्वाह्न 11 बजे नटराज चौक पर चारों ओर से वाहनों की कतारें लग गईं। जिन वाहनों को आगे ढालवाला, भद्रकाली भेजा गया था वे आगे नहीं बढ़ पाए। इससे नटराज चौक से ब्रह्मानंद मोड़, तपोवन तक जाम जैसी स्थिति हो गई। ऐसे में पुलिस को भानियावाला की ओर से डायवर्ट किए गए वाहनों को बड़कोट बैंड से नरेंद्रनगर भेजना पड़ा। उसके बाद स्थिति में कुछ सुधार हुआ।

मजदूरी करने गए एमए के छात्र की लिंटर के नीचे दबकर मौत, इस आवास को तोड़ने गया था छात्र

नैनीताल, एजेंसी। जमरानी कॉलोनी दमुवाढूंगा में सरकारी बिल्डिंग तोड़ने के दौरान दानीबंगर गौलापार निवासी एमए के छात्र के ऊपर लिंटर गिर गया। जेसीबी की मदद से उसे निकाला गया। उसे अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हल्द्वानी के जमरानी कॉलोनी दमुवाढूंगा में सरकारी बिल्डिंग तोड़ने के दौरान दानीबंगर गौलापार निवासी एमए के छात्र के ऊपर लिंटर गिर गया। इससे वह गंभीर घायल हो गया। जेसीबी की मदद से उसे निकाला गया। उसे अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

दानीबंगर गौलापार निवासी विक्रम सिंह बिष्ट (24) के परिवार की आर्थिक हालत खराब है। वह दानीबंगर अपने पिता डूंगर सिंह बिष्ट, मां भगवती देवी और छोटे भाई हर्षित के साथ रहता था। पढ़ाई का खर्च निकालने के लिए वह मजदूरी करता था। परिजनों के मुताबिक तीन दिन पहले उसने दमुवाढूंगा स्थित जमरानी कॉलोनी के सरकारी आवास गिराने का ठेका लिया था। रविवार की सुबह सात बजे वह अपने चचेरे भाई वीरेंद्र और साथी हरीश के साथ काम पर गया था। तीनों दो मंजिला भवन को गिरा रहे थे। तभी 12:30 बजे वह खाना खाने के लिए नीचे जाने लगे। आकाश और वीरेंद्र पहले निकल आए। कुछ ही देर बाद दो मंजिला भवन की छत गिर गई। उधर, विक्रम इसके नीचे दब गया। चीख और छत गिरने की आवाज सुनकर वीरेंद्र और हरीश के साथ अन्य लोग मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने मशक्कत के बाद करीब एक बजे घायल विक्रम को जेसीबी की मदद से बाहर निकाला और निजी गाड़ी से एसटीएच लेकर पहुंचे, यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची मेडिकल चौकी पुलिस ने शव को मोर्चरी भिजवा दिया। छत गिरने के दौरान विक्रम छत के नीचे दब गया। इस दौरान काम कर रहे अन्य मजदूर बल्ली लेकर उसे बचाने आए, लेकिन बल्ली से छत नहीं उठी। इसके बाद जेसीबी से छत को उठाकर उसे निकाला गया। स्थानीय निवासी यतिन पांडे ने कहा कि ठेकेदार वहीं मौजूद था। उसे पता था कि छत बल्ली से नहीं उठ सकती है। वह पहले ही जेसीबी बुला सकता था। जबकि जेसीबी वहीं पर काम कर रही थी। कहा कि जेसीबी बुलाने में समय बर्बाद किया गया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि ठेकेदार उसे वहां से निकालने के बाद भी अपनी गाड़ियों में अस्पताल नहीं ले गए। जब लोगों ने आक्रोशित होकर हंगामा शुरू किया तब जाकर ठेकेदार अपने वाहन से घायल को अस्पताल लेकर गया।

अतुल जोशी, रक्षित, मोहित कापड़ी बने सेना में अधिकारी

पिथौरागढ़, एजेंसी। जिले के तीन युवाओं ने सेना में अधिकारी बन परिवार, गांव और क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

जिला मुख्यालय के सिनेमा लाइन निवासी अतुल जोशी देहरादून में आयोजित पासिंग आउट परेड के बाद सेना में अधिकारी बन गए हैं। वह जाट रेजिमेंट में अपनी सेवा देंगे। अतुल के पिता अनिल कुमार जोशी पुराना बाजार में किराना स्टोर चलाते हैं और मां गीता जोशी गृहिणी हैं। उनके छोटे भाई अमन दिल्ली विश्वविद्यालय से पढ़ाई कर रहे हैं। अतुल की इंटर की पढ़ाई केंद्रीय विद्यालय और स्नातक एलएसएम महाविद्यालय पिथौरागढ़ से हुई। अतुल ने अपनी सफलता का श्रेय परिजनों के साथ ही नाना स्व. कैप्टन नारायण दत्त पांडेय को दिया। उनकी सफलता पर चाचा सुनील जोशी, भाई आयुष और परिवार जनों ने खुशी जताई है।

इधर, देवलथल क्षेत्र के अलगड़ा निवासी रक्षित भट्ट शनिवार को ऑफिसर प्रशिक्षण अकादमी गया में हुई पासिंग आउट परेड के बाद सेना में अधिकारी बन गए हैं।

उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी की उपस्थिति में हुई परेड में रक्षित को रक्षा सेना की ईएमई शाखा में कमीशन मिला। रक्षित के पिता मनोज भट्ट एनएच में इंजीनियर हैं और मां अनुपमा भट्ट गृहिणी हैं। उनका परिवार वर्तमान में हल्द्वानी में रहता है। इस अवसर पर रक्षित के चाचा मेजर सतीश भट्ट, बड़ी बहन डॉ. प्राची भट्ट और परिजन मौजूद रहे। रक्षित के सेना में अधिकारी बनने से अलगड़ा गांव में भी खुशी है।

मूनाकोट ब्लाक के सिरड़ गांव निवासी मोहित कापड़ी भी सेना में अधिकारी बन गए हैं। मोहित कापड़ी शनिवार को भारतीय सैन्य अकादमी से पास आउट हुए हैं। मोहित कापड़ी को ओवर ऑल परफार्मेंस के आधार पर सिल्वर मेडल से नवाजा गया है। मोहित की प्रारंभिक शिक्षा शिशु मंदिर नैनीपातल से हुई है। उन्होंने माध्यमिक शिक्षा केंद्रीय विद्यालय से प्राप्त की है। उनके परदादा कुलोमणि कापड़ी भी भारतीय सेना में थे।

भीषण गर्मी में पानी की बूंद-बूंद को तरसे बनभूलपुरा के 12 हजार परिवार

हल्द्वानी, एजेंसी। दमुवाढूंगा, राजपुरा के गौलागेट, कठघरिया के बाद अब बनभूलपुरा में पेयजल संकट हो गया है। आजादनगर व ताज चौराह का नलकूप खराब होने से बनभूलपुरा के छह हजार उपभोक्ता पानी की समस्या से परेशान हैं।

उपभोक्ताओं को पानी की आपूर्ति के लिए जल संस्थान की ओर से तीन टैंकर भेजे गए। लोगों को पानी उपलब्ध कराने के लिए तीनों टैंकरों ने कुल 42 फेरे लगाए हैं। हालांकि शनिवार की शाम ताज चौराह वाला नलकूप ठीक हो गया है। इससे रविवार को लोगों के घरों में पानी आना शुरू हो जाएगा।

बनभूलपुरा स्थित ललित आर्य महिला इंटर कालेज व आजाद नगर स्थित नलकूप खराब होने से 12 हजार परिवार को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोग सुबह से ही टैंकर के इंतजार में घरों के बाहर खड़े हो गए। टैंकर आते ही लोगों ने बाल्टियां व घर के बर्तन नल के नीचे लगा दिए। हालांकि क्षेत्रवासियों का कहना है कि टैंकर के माध्यम से भी पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिल पा रहा है।

जल संस्थान के अवर अभियंता भुवन भट्ट ने बताया कि ताज चौराह वाला नलकूप शनिवार की शाम ठीक हो गया। इसकी मोटर बदल दी गई है। रविवार की सुबह तक लोगों के घरों तक पानी पहुंच जाएगा। वहीं आजाद नगर का नलकूप शुक्रवार को खराब होने के चलते क्षेत्र के लोगों को कुछ दिनों तक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। सहायक अभियंता रविंद्र कुमार ने बताया कि पेयजल संकट से जूझ रहे बनभूलपुरा, इंदिरानगर, गौलागेट में तीन-तीन टैंकर जा रहे हैं। जबकि दमुवाढूंगा में छह टैंकर से पानी की आपूर्ति की जा रही है।

20 घरों में घुसा गंदा पानी, नगर निगम के अधिकारियों की नहीं सुन रहा ठेकेदार

नैनीताल , एजेंसी। इंदिरा नगर का बड़ा नाला चोक हो गया। इससे गलियों और करीब 20 घरों में भी गंदा पानी घुस गया है। शिकायत के बाद भी निगम के अधिकारी चोक नाला खोलने नहीं आए। उधर, लोगों ने किसी तरह नाला साफ कर पानी की निकासी की।

हल्द्वानी में बारिश आई तो शहर का डूबना तय है। डीएम के आदेश के बाद भी न तो ठेकेदार नालों की सही सफाई कर रहे हैं। न ही नगर निगम के अधिकारी अपने ठेकेदारों से काम करा पा रहे हैं। बिना बारिश के कूड़े के कारण इंदिरा नगर का बड़ा नाला चोक हो गया। इससे गलियों और करीब 20 घरों में भी गंदा पानी घुस गया है। शिकायत के बाद भी निगम के अधिकारी चोक नाला खोलने नहीं आए। उधर, लोगों ने किसी तरह नाला साफ कर पानी की निकासी की।

नगर निगम के 15 नालों और देवखड़ी, रकसिया नाले की सफाई का ठेका दिया है। नौ जून बीत गया है। अभी तक नालों की सफाई नहीं हो पाई है। उधर, मौसम विभाग ने 16 जून से प्री-मानसून बारिश शुरू होने की संभावना जताई है। ऐसे में शहर के कई घरों में गंदा पानी भरना तय है। जी हां बिना बारिश के इंदिरा नगर का बड़ा नाला कूड़े के कारण चोक हो गया। इस कारण क्षेत्र में सड़कों पर गंदा पानी भर गया। करीब 20 घरों में गंदा पानी भी भर गया। हालांकि, इससे नुकसान नहीं हुआ। लोगों ने खुद नाला खोलकर किसी तरह गंदे पानी की निकासी कराई। पूर्व सभासद शकील सलमानी ने बताया कि निगम के अधिकारियों से कई बार नाला सफाई की शिकायत की जा चुकी है। इसके बाद भी निगम के अधिकारी नाला साफ नहीं करा रहे हैं।

नगर निगम ने जिन ठेकेदारों को नाले सफाई का ठेका दिया हुआ है, वहीं ठेकेदार नगर निगम के अधिकारियों की नहीं सुन रहे हैं। अब सफाई निरीक्षक अमोल असवाल ने नगर स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र भेजकर इसकी शिकायत की है।नगर निगम ने नालों की सफाई का निरीक्षण करने का काम सफाई निरीक्षक अमोल असवाल को दिया है। अमोल असवाल ने बताया कि उनकी ओर से साफ किए गए नालों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि जो नाले ठेकेदार ने साफ कर दिए हैं। उनकी पुलिया के नीचे से मलबा नहीं हटाया है। कई नालों से सिर्फ कूड़ा हटाया गया है। नाले के नीचे जमीं मिट्टी और सिल्ट को नहीं निकाला गया है। इससे नाले की गहराई कम हो गई है।

उधर, उन्होंने नगर स्वास्थ्य अधिकारी को

पत्र भेजकर शिकायत की है कि ठेकेदार नालों को सही साफ नहीं कर रहे हैं। ठेकेदार की ओर से बहुत कम मजदूर नाले सफाई को लगाए गए हैं। ठेकेदार निगम के अधिकारियों को नहीं बता रहा है कि कहां वह सफाई करा रहा है। कहा कि इतनी धीमी गति में तो मानसून सीजन खत्म होने तक सफाई नहीं हो पाएगी।

ज्योर्तिमठ को लेकर नहीं कोई विवाद, बोले वासुदेवानंद महाराज-लिखित में नहीं बनाया किसी को शंकराचार्य

चमोली, एजेंसी। स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि स्वामी स्वरूपानंद ने किसी को लिखित में शंकराचार्य नहीं बनाया है। ज्योतिर्मठ को लेकर कोई विवाद नहीं है। पहले विचारधाराओं का विवाद था, लेकिन स्वरूपानंद सरस्वती के ब्रह्मलीन होने के बाद अब पीठ पर कोई विवाद नहीं है। यह बात स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती महाराज ने ज्योतिर्मठ में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कही। कहा, स्वामी स्वरूपानंद महाराज ने किसी को भी लिखित में शंकराचार्य नहीं बनाया है। अयोध्या में राम मंदिर को लेकर कहा, वह मंदिर नहीं, बल्कि रामलला का निवास स्थान है। मंदिर किसी दूसरी जगह हो सकता है, लेकिन यह उनका घर है। घर बनाने में जितनी जगह बन जाती है उतने में ही प्रवेश हो जाता है। बाद में धीरे-धीरे निर्माण होता रहता है। कहा, उत्तराखंड के चारोंधामों में यात्रियों से ज्यादा पर्यटक आ रहे हैं। पहले जो यात्री आते थे वे तपस्वी होते थे, अब पर्यटन के नजरिए से लोग आ रहे हैं। कहा, धर्मयात्रा को टूरिज्म बना दिया गया है। इस मौके पर तीर्थ पुरोहित ऋषि प्रसाद सती आदि मौजूद रहे।

देहरादून एयरपोर्ट पर 13 जून से शुरू होंगे दो एयरोब्रिज

ऋषिकेश, एजेंसी। देहरादून एयरपोर्ट से हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक खुशखबरी है। एयरपोर्ट पर दो एयरोब्रिज को डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) से मंजूरी मिल गई है। इन ब्रिजों को आगामी 13 जून से शुरू कर दिया जाएगा। इससे यात्री टर्मिनल और विमान के बीच एयरोब्रिज से आवाजाही कर सकेंगे।

देहरादून एयरपोर्ट टर्मिनल के अंदर चार एयरोब्रिज बनाने का कार्य लगभग पूरा कर लिया गया है। इनमें से दो एयरोब्रिज को डीजीसीए ने मंजूरी दे दी है। अब एयरपोर्ट प्रशासन 13 जून से इन दोनों एयरोब्रिजों को हवाई यात्रियों के लिए शुरू करने जा रहा है। एयरपोर्ट पर लगभग 460 करोड़ रुपये की लागत से नया टर्मिनल भवन बनाया गया है। उसके फेज-2 का लोकार्पण इसी साल 14 फरवरी को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया था। फेज-2 बिल्डिंग के साथ ही चार एयरोब्रिज बनाने का कार्य भी शुरू किया गया था। डीजीसीए की टीम ने निरीक्षण करने के बाद चार में से दो एयरोब्रिज को मंजूरी दे दी।

एयरोब्रिज शुरू होने के बाद हवाई यात्रियों को टर्मिनल से विमान तक आवाजाही करने के लिए बस या पैदल आवाजाही नहीं करनी पड़ेगी। इससे धूप और बारिश में यात्रियों को काफी राहत मिलेगी।

तीन घंटे काटी बिजली, परेशान रहे 15 हजार उपभोक्ता

हल्द्वानी, एजेंसी। कमलुवागांजा 220 केवी सबस्टेशन से आने वाली 33 केवी कालाढूंगी चौराहा बिजलीघर को आने वाली केबल बदलने के कार्य के दौरान हुई अघोषित कटौती से शनिवार को 15 हजार उपभोक्ताओं को गर्मी में परेशान रहना पड़ा। इस दौरान विभाग उपभोक्ताओं को आधे घंटे में बिजली आने का आश्वासन देता रहा लेकिन कार्य को पूरा करने के चलते तीन घंटे तक सप्लाई बाधित रही। इस दौरान कालाढूंगी 33 केवी सबस्टेशन से जुड़े 13 बीघा और टीपीनगर बिजलीघर के सभी फीडरों में सप्लाई लगभग तीन घंटे तक बंद रही।

ऊर्जा निगम की ओर से अघोषित कटौती का सिलसिला जारी है। शनिवार को मलुवागांजा 220 केवी सबस्टेशन से आने वाली 33 केवी कालाढूंगी चौराहा बिजलीघर को आने वाली केबल बदलने के कार्य के दौरान 13 बीघा और ट्रांसपोर्ट नगर बिजलीघर के सभी फीडरों में आपूर्ति प्रभावित रही। इस दौरान जज फार्म, देवलचौड़, खन्ना फार्म, 13 बीघा, इंदिरानगर, नई बस्ती, बेलबाबा समेत दोनों बिजलीघरों के सभी फीडरों में तीन घंटे सप्लाई बंद रही। इस दौरान दोनों ही बिजलीघरों से जुड़े विभिन्न इलाकों में लोग गर्मी में परेशान रहे। वहीं इन इलाकों में नलकूपों का संचालन भी प्रभावित रहा। एसई नवीन मिश्रा ने बताया कि केबल बदलने के दौरान ट्रांसपोर्ट नगर में सप्लाई दोपहर 3:28 बजे से शाम 6:02 बजे तक बंद रही। 13 बीघा में सप्लाई 3:28 बजे से 6:06 बजे तक बंद रही। इसके बाद सप्लाई बहाल कर दी गई।

मुख्य सड़कों और गलियों में सीसीटीवी लगाने की मांग

अल्मोड़ा, एजेंसी। सेवानिवृत्त केंद्रीय कर्मचारी कल्याण समिति की नगरपालिका सभागार में हुई बैठक में वक्ताओं ने नगर की मुख्य सड़कों और गलियों में सीसीटीवी लगाने की मांग की। नगर की दशा सुधारने के लिए शीघ्र अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।

शनिवार को हुई बैठक में नगर की विभिन्न समस्याओं के समाधान पर चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि नगर में के गलियों में अराजक तत्वों की अराजकता लगातार बढ़ रही है। अराजक तत्व अकेले आवाजाही कर रहे लोगों के साथ बदसलूकी करते हैं। शाम के समय आवाजाही में लोगों को खतरा बना रहता है। उन्होंने कहा कि नगर में कुछ शौचालय बंद पड़े हैं। जिससे लोगों को दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। चोक नालियों और कल्वर्ट को मानसून से पहले खोलने की मांग उठाई।

24 घंटे में ही बैकफुट पर आया शिक्षा विभाग, शिक्षकों को यातायात ड्यूटी पर लगाने संबंधी आदेश निरस्त

हल्द्वानी/नैनीताल, एजेंसी। शिक्षा विभाग ने पर्यटन सीजन के दौरान सहायक अध्यापकों को यातायात ड्यूटी पर लगाने का आदेश 24 घंटे में ही निरस्त कर दिया है। यातायात ड्यूटी पर लगाए गए सभी सहायक अध्यापकों को निर्देश दिए गए हैं कि वह तत्काल अपनी उपस्थिति अपने मूल विद्यालय में दें।

बता दें कि नैनीताल समेत आसपास के क्षेत्रों में सीजन के दौरान पर्यटकों के बढ़ते दबाव और जिले में पुलिसकर्मियों की कमी को देखते हुए डीएम के निर्देश पर शिक्षा विभाग ने अलग-अलग विद्यालयों में तैनात कई सहायक अध्यापकों को नैनीताल क्षेत्र में यातायात ड्यूटी संभालने के निर्देश दिए थे। शुक्रवार और शनिवार को सहायक अध्यापकों और बाबुओं ने यातायात व्यवस्था संभालने में पुलिस की मदद भी की। विभागीय अधिकारियों के इस तुगलकी फरमान का राजकीय शिक्षक संघ ने कड़ा विरोध किया था। शनिवार को यह मामला अखबारों की सुर्खियों में छाया रहा। इस खबर को लेकर शिक्षकों में ही नहीं, बल्कि आम लोगों में भी खूब चर्चा रही। लोगों ने भी विभाग के इस आदेश को पूरी तरह गलत करार दिया था। इसे देखते हुए शनिवार की शाम जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) पुष्कर लाल टम्टा ने नया आदेश जारी किया। जिसमें कहा गया कि ट्रैफिक जाम के निराकरण के लिए सात जून से 13 जून तक सहायक अध्यापकों को सहयोग के लिए नामित करने संबंधी आदेश को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाता है। इस आदेश में संबंधित शिक्षकों को अपने मूल तैनाती वाले विद्यालयों में अपनी उपस्थिति देने के भी निर्देश दिए गए हैं।

दिल्ली के सातों भाजपा सांसदों को पानी के लिए हरियाणा व केंद्र सरकार से अपील करनी चाहिए, पर वो लापता हैं- संजय सिंह

- दिल्लीवालों ने भाजपा के सातों सांसद जिताए, इसके बाद भी उसकी हरियाणा सरकार दिल्ली की जनता को सजा दे रही है- संजय सिंह

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने हरियाणा सरकार द्वारा दिल्ली को उसके हक का पानी न देने पर भाजपा व दिल्ली में उसके सातों सांसदों को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोगों ने भाजपा के सातों सांसद जिताए हैं। इसके बाद भी हरियाणा की भाजपा सरकार दिल्ली के लोगों को सजा दे रही है। इतनी भीषण गर्मी में हरियाणा की भाजपा सरकार दिल्ली के हक का पानी रोककर हमसे दुश्मनी निकाल रही है। मैं भाजपा के सातों सांसदों से कहना चाहता हूं कि उनको दिल्ली को पानी देने के लिए हरियाणा और केंद्र सरकार से अपील करनी चाहिए और एलजी से मिलना चाहिए, लेकिन वो लापता हैं। साथ ही, हरियाणा से प्रणाम से कहना है कि आप हमसे दुश्मनी निकालिए, लेकिन दिल्ली के लोगों को परेशान मत कीजिए। पार्टी मुख्यालय में एक प्रेसवार्ता के दौरान मीडिया के प्रश्नों का जवाब देते हुए सांसद संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली के लोगों को घर-घर पानी देने के लिए केजरीवाल सरकार लगातर प्रयास कर रही है, लेकिन बीजेपी की हरियाणा सरकार हमसे दुश्मनी निकालने पर तुली है। हमारा भाजपा की हरियाणा सरकार से कहना है कि आप हमसे दुश्मनी निकालिए, कोई बात नहीं है, लेकिन दिल्ली के लोगों को क्यों सजा दे रहे हैं? दिल्ली के लोगों ने भाजपा के 7 सांसद जिताए हैं, अब वो सातों सांसद कहां हैं? पानी पिलाने से ज्यादा पुण्य का काम कुछ और नहीं होता है। मैं दिल्ली के सातों सांसदों से अपील करता हूं कि वो दिल्ली को पर्याप्त पानी देने के लिए हरियाणा और केंद्र की भाजपा सरकार से अपील करें और अपने एलजी से भी मुलाकात करें। राजनीति अपनी जगह है, लेकिन पानी के मामले पर ऐसे भेदभाव नहीं करनी चाहिए। दिल्ली में पानी के संकट की इस स्थिति में भाजपा पहले दिल्ली सरकार और दिल्लीवालों का साथ दे, इसके बाद आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति करते रहेंगे। आरएसएस और भाजपा में एक-दूसरे को त्यागने का फैसला कर लिया है- संजय सिंह

सांसद संजय सिंह ने कहा कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का बयान, ऑर्गेनाइजर पत्रिका का लेख और अब इंद्रेश कुमार का बयान, इन तीनों बातों से साबित होता है कि अब आरएसएस और बीजेपी के बीच मां-बेटे का झगड़ा शुरू हो गया है। अब बेटे ने अपनी मां का त्याग करने और मां ने अपने बेटे को सबक सिखाने का अभियान शुरू कर दिया है। इसकी शुरुआत बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के बयान से हुई थी। जिसमें उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी की बीजेपी को आरएसएस की जरूरत थी, लेकिन मोदी जी की बीजेपी को आरएसएस की जरूरत नहीं है। इसके बाद लोकसभा चुनाव के परिणाम में बीजेपी 240 सीट पर लटक गई और बहुमत की सरकार नहीं बना पाई। उसे बैसाखी की सरकार चलानी पड़ी। तब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने बयान दिया कि मणिपुर में एक साल से शांति की राह देख रहा है। वहां हिंसा जारी है, उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। संघ का स्वयं सेवक अहंकारी नहीं होता है। इसके बाद आरएसएस प्रचारक इंद्रेश कुमार ने बयान दिया कि अहंकार के कारण जनता ने सबक सिखाया। इन तीनों बातों से साबित होता है कि विपक्ष के मुद्दे 100 फीसद सही थे। मणिपुर को लेकर विपक्ष ने पूरजोर आवाज उठाई, लेकिन मोहन भागवत चुप रहे- संजय सिंह

सांसद संजय सिंह ने कहा कि मैंने संसद में मणिपुर की आवाज उठाई तो मुझे सस्पेंड करके बाहर कर दिया गया। मैंने संसद के परिसर में कई रातें गुजारीं। मैंने प्रधानमंत्री से मणिपुर में शांति बहाली के लिए अपील की थी। सारे विपक्ष ने एक साथ आवाज उठाई थी। अगर उस समय मोहन भागवत बोलते तो सरकार या तो कार्रवाई करने के लिए बाध्य होती या आज उसकी 240 से भी कम सीटें आतीं। पिछले 10 साल में बीजेपी में अहंकार के ढेरों लक्षण दिखे। कभी कांग्रेस की विधवा, जर्सी गाय, कभी केजरीवाल को बदनसीब, आतंकवादी, खालिस्तानी या अर्बन नक्सल, तो कभी 50 करोड़ की गर्ल फ्रेंड जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। राजनीतिक लड़ाई के अलावा इन्होंने भाषा की सारी मयार्दा पार कर ली। प्रधानमंत्री ने मटन, मुगल, मदरसा, मुजरा जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे गाने पर मोहन भागवत और इंद्रेश कुमार ने आपत्ति क्यों नहीं जताई?- संजय सिंह

सांसद संजय सिंह ने कहा कि इन्होंने विपक्ष के सारे नेताओं को पकड़कर जेल में डाल दिया। दिल्ली के मुख्यमंत्री को झूठे केस में जेल के अंदर डाल दिया गया। मोहन भागवत और इंद्रेश कुमार को तब अहंकार क्यों नहीं दिखा जब बीजेपी ने जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे गाना बनाया। इन्होंने अहंकार की सारी सीमाएं तोड़ दीं। मोहन भागवत और इंद्रेश कुमार ने इस गाने पर आपत्ति क्यों नहीं दिखाई। बीजेपी और आरएसएस के लोगों को वो पोस्टर क्यों नहीं दिखा जिसमें बड़े से मोदी जी छोटे से भगवान का हाथ पकड़कर उन्हें ले जा रहे हैं। आपको तब ये अपमान और अहंकार क्यों नहीं दिखा? संबित पात्रा ने कहा कि भगवान जगन्नाथ मोदी जी के भक्त हैं। जेपी नड्डा ने मोदी जी को देवताओं का देवता बताया। उन्हें तब अहंकार क्यों नहीं दिखा जब मोदी जी ने खुद कहा कि मेरा बायोलॉजिकल जन्म नहीं हुआ है बल्कि मैंने अवतार लिया है। आपने अपने आप को भगवान से ऊपर मान लिया तो इससे बड़ा अहंकार क्या हो सकता है।

इग्नू ने कृषि व्यवसाय प्रबंधन में एक नया एमबीए कार्यक्रम शुरू किया

नई दिल्ली। देश में कृषि व्यवसाय गतिविधियों और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने कृषि व्यवसाय प्रबंधन (एमबीएएबीएम) में एक नया एमबीए कार्यक्रम शुरू किया है। विश्वविद्यालय के पीआरओ ने शुक्रवार को बताया कि यह कार्यक्रम 2 वर्ष की अवधि का है और इसे अधिकतम 4 वर्ष की अवधि में पूरा किया जा सकता है। किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री वाले उम्मीदवार एमबीए एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट कार्यक्रम में दाखिला लेने के पात्र हैं। कार्यक्रम में प्रवेश जुलाई 2024 सत्र के लिए खुला है। कार्यक्रम नए स्नातकों, प्रगतिशील किसानों और कृषि विस्तार श्रमिकों सहित प्रतिभागियों की एक विविध श्रेणी को लक्षित करता है। यह कृषि उद्योगों और कृषि इनपुट और आउटपुट से निपटने वाले उद्यमों में व्यापारियों, बिचौलियों, तकनीशियनों और प्रबंधकों को सेवाएं प्रदान करता है।

पानी का उत्पादन लगातार घट रहा है

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में जल मंत्री आतिशी ने शुक्रवार को कहा कि यमुना का पानी कम पहुंचने से दिल्ली में लगातार पानी का उत्पादन घट रहा है। आम आदमी पार्टी (आप) हरियाणा पर दिल्ली के हिस्से का पानी नहीं छोड़ने का आरोप लगा रही है। आतिशी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ह्ययमुना का पानी कम पहुंचने से दिल्ली में लगातार पानी का उत्पादन घट रहा है। सामान्य परिस्थिति में दिल्ली में 1005 एमजीडी (दस लाख गैलन प्रति दिन) पानी का उत्पादन होता है लेकिन पिछले एक हफ्ते से यह लगातार घट रहा है। उन्होंने कहा, उत्पादन कम होने से, दिल्ली के कई हिस्सों में पानी की कमी है।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई–निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल वि.अभि./क.वि.,डी.आर.एम. ऑफिस, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु खुली निविदाये आमंत्रित करते हैं।

1	कार्य का नाम व स्थान	एडीईएन/जेएचएल के अनुभाग में डिजाइन मोड के लिए यार्ड के सुधार और ट्रैक (अनुदैध्ये और पार्श्व) के पूर्व और बाद के ध्यान सर्वेक्षण के संबंध मे 25 केवी एसी ओएचई संशोधन कार्य का डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग।
2	अनुमानित लागत	Rs. 55,33,399.31/-
3	बयाना राशि	Rs. 1,10,700/-
4	ई-निविदा ऑनलाइन जमा करने की अवधि	26.06.2024 (00.00 बजे) से 10.07.2024 (15.00 बजे तक)
5	ई-निविदा समापन की अंतिम तथा ई-निविदा खुलने की तारीख और समय	10.07.2024 (15.00 बजे)
6	निविदा छपाई की लागत	29314103
7	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in

निविदा संख्या: 13A-क.वि.-नई दिल्ली-2024-25 दिनांक: 13.06.2024 1809/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान सिविल जज (सी.डि.) महोदय, गौतमबुद्धनगर

पैटीशन सं.–174 सन 2024

पुनीत कुमार पुत्र श्री राजवीर सिंह उम्र करीब 42 वर्ष, निवासी–301, स्टार कोर्ट–4, जे.पी. ग्रीन्स, ग्रेटर नोएडा, जिला गौतमबुद्धनगर, उ.प्र. 201308 ....पैटीशनर

राजवीर सिंह पुत्र स्व. श्री कमल सिंह उम्र करीब 68 वर्ष, निवासी–म.नं.–बी–120, ब्लॉक–बी, सेक्टर–36, नोएडा, पोस्ट सेक्टर–37, नोएडा, परगना व तहसील दादरी, जिला गौतमबुद्धनगर (उ.प्र.) 201301। .....रैस्पोन्डेन्ट

पैटीशनर ने पैटीशन वास्ते उत्तराधिकार प्रमाण पत्र अंतर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 के तहत उपरोक्त रेस्पोन्डेन्ट के विरुद्ध अपनी मृतक मृत्यु दिनांक 21.07.2016 माता श्रीमति उर्मिला देवी पत्नी श्री राजवीर सिंह, निवासी म.नं.–बी–120,ब्लॉक–बी, सेक्टर–36, नोएडा, पोस्ट सेक्टर–37, नोएडा, परगना व तहसील दादरी, जिला गौतमबुद्धनगर, उ.प्र. 201301 के नाम में 50 युनिट राष्ट्रीय स्वर्ण बोन्ड (सावरिन गोल्ड बोन्ड) सन् 2015–2016, मूल निवेश अंकन 1,34,200/– रूपये हैं, जो कि श्रीमति उर्मिला देवी पत्नी श्री राजवीर सिंह के नाम में दिनांक 30.11.2015 को भारत सरकार द्वारा जारी किया गया था की बाबत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की स्वीकृति के सम्बन्ध में पैटीशन उपरोक्त न्यायालय श्रीमान सिविल जज (सी.डि.) महोदय, गौतमबुद्धनगर के यहां विचाराधीन है, जिसमें वास्ते एतराज व समायत तिथि 19.07.2024 नियत की जाती है।

अतः यह इश्तहार जारी किया जाता है कि यदि कीसी को कोई एतराज करना हो तो नियत तिथि 19.07.2024 को प्रातः 10:00 बजे इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित होकर एतराज प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा इसके पश्चात किसी को नहीं सुना जायेगा तथा आदेश मुनासिब पारित कर दिया जायेगा। आज दिनांक 24.05.2024 को माननीय न्यायालय के आदेशानुसार जारी किया गया है।

आदेशानुसार/मुंसरिम

न्यायालय श्रीमान सिविल जज सी.डि महोदय, गौतमबुद्धनगर

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई–निविदा (ई–प्रोक्यूमेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/II, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में ई–निविदा आमंत्रण।

1	NIT-31	कार्य का नामः– वरिष्ठ मंडल अभियंता द्वितीय के अंतर्गत सहायक मंडल अभियंता मेरठ के तहत डक्छत स्टेशन पर लाइन नं. 1 व 4 पर बेलास्टलेस ट्रेक ;ठस्द्ध का प्रावधान कार्य की अनुमानित लागत (रुपये):– IREPS पर NIT के अनुसार। बयाना राशि (रुपये):–IREPS पर NIT के अनुसार।
2	निविदा बोली प्रस्तुत करने की तिथि और समय	25.06.2024 से 09.07.2024 at 15:00 Hrs.
3	निविदा खोलने की तिथि और समय	09.07.2024 at 15:00 Hrs.
4	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध।

- ठेकेदारों को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्यारमेंट सिस्टम (IREPS) साइट www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए।
- सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें।
- मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेगी।
- निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

सं: NIT-31-24-25-W-II दिनांक: 13.06.2024 1812/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई–निविदा (ई–प्रोक्योरमेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिए वरिष्ठ मंडल अभियंता/II, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में इ–निविदा आमंत्रण।

NIT-36 कार्य का नाम	वरिष्ठ मंडल अभियंता द्वितीय के अंतर्गत सहायक मंडल अभियंता शामली के DAS-SMQL-SRE सेक्शन में LHS जिसका आकार 4.5x2.5 मीटर का प्रावधान। कार्य की अनुमानित लागत(₹): IREPS पर NIT के अनुसार। बयाना राशि(₹): IREPS पर NIT के अनुसार।
निविदा बोली प्रस्तुत करने की तिथि और समय	25.06.2024 से 09.07.2024 को 15:00 बजे
निविदा खोलने की तिथि और समय	09.07.2024 को 15:00 बजे
वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in

• ठेकेदारों को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

एन.आई.टी. सं.: 36-24-25-W-II दिनांक: 14.06.2024 1811/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

नवनिर्वाचित सांसद चंद्रशेखर आजाद ने क्षेत्र का दौरा करके जनता का किया शुक्रिया अदा

प्रात : किरण संवाददाता

स्योहारा/नूरपुर ।नगीना सुरक्षित लोकसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित लोकसभा सांसद भाई चंद्रशेखर आजाद एडवोकेट उर्फ रावण ने क्षेत्र का तूफानी दौरा कर जनता का शुक्रिया अदा किया।14 ,15, 16 जून को सांसद चंद्रशेखर आजाद अपने क्षेत्र में ही रहेंगे 14 जून को उन्होंने नूरपुर विधानसभा क्षेत्र का भ्रमण कर शुक्रिया कार्यक्रम रखा। 15 जून को नगीना विधानसभा क्षेत्र तथा नजीबाबाद कार्यक्रम रहेगा तथा 16 जून को नहटौर और धामपुर विधानसभा क्षेत्रों का कार्यक्रम तय किया गया है नूरपुर विधानसभा क्षेत्र के कार्यक्रम के अंतर्गत आज सांसद चन्द्रशेखर आजाद कुरी बांगर गांव में प्रधान हाजी जाहिद हुसैन के निवास पर अपने दलबल के साथ पहुंचे वहां पहुंचने पर प्रधान हाजी जाहिद, चौधरी नय्यर अली,चौधरी वली उर रहमान,चौधरी समीर रहमान और उनके सैकड़ो समर्थकों ने सांसद चंद्रशेखर आजाद का गर्म जोशी से स्वागत कर बधाई दी। सांसद चंद्रशेखर आजाद ने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि मैं आप सभी लोगों का तहदिल से शुक्रिया अदा करने आया हूं। आप लोगो ने मुझे वोट देकर हिंदुस्तान की सबसे बड़ी पंचायत में पहुंचाया है और उन लोगों का करता हूं जो मुझसे बहुत पहले से जुड़े हुए हैं और उन लोगो का भी जो नए रूप से चुनाव में जुड़े हैं मैं किसी के साथ नाइंसाफी नहीं होने दूंगा और बिना भेदभाव के क्षेत्र का विकास कराऊंगा। मैं आप लोगों का जीवन भर कर्ज नहीं उतार पाऊंगा आप लोगों ने मुझे जो ताकत दी है ये ताकत हमेशा संसद के अंदर गरीब मजलूम की आवाज उठाने के काम आएगी। इस मौके पर ओमपाल बालियांन, विधानसभा अध्यक्ष नूरपुर सत्येंद्र कुमार, जिला पंचायत सदस्य विवेक सेन, आदिल चौधरी ,राजेंद्र सिंह, दीपक कुमार, चौधरी इफ्तखार, शोएब उर्फ शन्नू अंसारी पूर्व प्रत्याशी स्योहारा नगर पालिका परिषद , सलीम अंसारी पूर्व प्रत्याशी नूरपुर नगर पालिका परिषद, अयाज चौधरी ,कामिल चौधरी, चौ.ओसामा रहमान, नौशाद चौधरी, धर्मपाल सिंह, वसीम अहमद हाजी नसीम अहमद , अख्तर खा, नफीस अहमद ,शफीक अहमद आदि सैकड़ो लोग शामिल रहे।

विश्व रक्तदाता दिवस के मौके पर डा वसीम अकरम सैफी सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। विश्व रक्तदान दिवस पर केन्द्र जिला संयुक्त चिकित्सालय मे सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें जो भी संस्था समाज में लोगों को ब्लड देने के लिए जागरूक करती है और समय समय पर अपना रक्तदान करते हैं उनको सम्मान समारोह में अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समाज सेवी व नौगावां सादात से फैमली हेल्थ फांउडेशन के अध्यक्ष व बी डी ए अमरोहा के सचिव व कई स्वास्थ्य संस्थाओं से जुड़े डा वसीम अकरम सैफी को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर डॉ वसीम अकरम सैफी ने कहा कि हर एक स्वस्थ इंसान हर तीन महीने में कर सकता है रक्तदान और रक्तदान करने से नहीं आती है कोई कमजोरी।इस मोके पर जिलाधिकारी श्री राजेश कुमार त्यागी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा एस पी सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिक्षक डा प्रेमापन्त त्रिपाठी, प्रभारी अधिकारी रक्तकोष डा प्रमोद कुमार , मोहीत चौधरी, सिवन पैसल, ललीत, अनुराग, शबनम यादव आदि मोजूद रहे।

शाहदरा में दूषित पेयजल की सप्लाई से बढ़ा जल जनित बीमारियों का खतरा : विपिन जैन

नई दिल्ली। शाहदरा के डूंगर व महाराम मोहल्ला के आसपास के इलाकों दिल्ली जल बोर्ड द्वारा पिछले काफी दिनों से शुद्ध पेयजल के नाम पर करी जा रही दूषित पेयजल की सप्लाई अब जनता पर भारी पड़ती नजर आ रही है। इस संदर्भ में स्थानीय निवासी एवं भाजपा शाहदरा जिला अध्यक्ष (अल्पसंख्यक मोर्चा) विपिन जैन का कहना है कि इलाके शुद्ध पेयजल के नाम पर हो रही गंदे पानी की सप्लाई का यह आलम है कि जनता पानी के संकट से त्रस्त है उन्होंने अभी तक पेयजल संकट से जूझ रहे लोगों की सुध लेना तक मुनासिब नहीं समझा। यह स्थिति तो तब है जबकि क्षेत्र के लोग जल जनित बीमारियों को गिरफ्त में आने लगे हैं। विपिन जैन ने बताया कि इससे भी ज्यादा चिंता का विषय यह है कि एक तरफ तो पानी की सप्लाई पूरे समय भी नहीं की जा रही जो आता भी है वह दूषित आता है। परिणाम स्वरूप लोग बाजार से पानी खरीद कर अपनी प्यास बुझाने को मजबूर हे। विपिन जैन कहते हैं कि लोकसभा चुनाव के दौरान इस विधानसभा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी की हुई भारी हार के बाद से जनता निशाने पर हैं। लोगों द्वारा शिकायत करने के बावजूद विधायक से लेकर जल बोर्ड अधिकारियों के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही। कुल मिलाकर आम जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ किया जा रहा है।

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान अपर जिला जज (ए.डी.जे.–3)3, गौतमबुद्धनगर

पिटीशन नं.–85 सन–2024

श्रीमती दीपा देवी पत्नी स्व. गणेश प्रसाद उर्फ गणेश, प्रससाद केसरी निवासी–वाई–321–बी, सैक्टर–12, नोएडा, जिला गौतमबुद्धनगर, उ.प्र. ...वादनी / याची

बनाम

1.इंडसइंड बैंक (IndusInd Bank) पता–ग्राउण्ड फ्लोर, 5,6,8,9, ब्लॉक–25, सैक्टर–12, नोएडा, जिला गौतमबुद्धनगर (मैनेजर/निदेशक)

2.उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा श्रीमान जिलाधिकारी महोदय, गौतमबुद्धनगर ...प्रतिवादीगण

प्रार्थीया/पैटिशनर ने प्रार्थना पत्र वास्ते उत्तराधिकार पत्र अंतर्गत धारा–278 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 के तहत विपक्षीगण/रेस्पोन्डेन्ट के विरुद्ध अपनी मृतक पति गणेश प्रसाद उर्फ गणेश प्रसाद केसरी निवासी–वाई–321–बी, सैक्टर–12, नोएडा जिला गौतमबुद्धनगर, उ.प्र. के नाम शाखा इंडसइंड बैंक शाखा ग्राउण्ड फ्लोर 5,6,8,9 ब्लॉक–25, सैक्टर–12, नोएडा जिला गौतमबुद्धनगर में खाता संख्या–150101964[illegible] तथा शाखा इंडसइंड बैंक सैक्टर–12 नोएडा में लॉकर सं–LK40 है। जिसमें सोने के आभूषण करीब 03 तोला चांदी के 500 ग्राम के आभूषण आदि रखे हैं, की बाबत प्रमाणपत्र की स्वीकृति के सम्बन्ध में उक्त माननीय न्यायालय श्रीमान अपर जिला जज (ए.डी.जे.–3) गौतमबुद्धनगर के यहां विचाराधीन है। जिसमें वास्ते एतराज व समायत तिथि 10.07.2024 नियत की जाती है। अतः यह इश्तहार जारी किया जाता है कि यदि किसी को कोई एतराज करना हो तो नियत तिथि 10.07.2024 को प्रातः 10:00 बजे इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित होकर एतराज प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा इसके पश्चात किसी को नहीं सुना जायेगा तथा आदेश मुनासिब पारित कर दिया जायेगा। आज दिनांक 2.05.2024को न्यायालय के आदेशानुसार जारी किया गया है।

आदेशानुसार/मुंसरिम

न्यायालय अपर जिला जज गौतमबुद्धनगर

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर कर्षण चल स्टॉक, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, गाजियाबाद द्वारा निविदा संख्या 230-TRS-GZB-2024-25-06 के आधार पर ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है।

1	कार्य का विवरण: 'Electrical and Mechanical disconnection of 3-phase locomotives (Type WAP-5 & WAP-7), Qty. 2000 Nos.' for the period of 36 months at Electric Loco Shed Ghaziabad.	
2	कार्य की अनुमानित लागत	Rs. 18,40,420.00
3	धरोहर राशि	Rs. 36,800.00
4	निविदा बोली प्रस्तुत करने की समापन तिथि और समय	05.07.2024 (11:00 Hrs.)
5	निविदा खोलने की तिथि और समय	05.07.2024 (After 11:00 Hrs.)
6	वेबसाइट विवरण जहाँ निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in

नोटः (i) निविदाकर्ता को ई-निविदा प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली (IREPS) साइट अर्थात www.ireps.gov.in पर पंजीकृत होना चाहिए। (ii) सभी नियमो और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। (iii) कोई मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं हैं।

संख्या:230-TRS-GZB-2024-25-06 दिनांक: 13-06-2024 1794/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

असहायों की मदद और जन सेवा ही रोटरी का ध्येय है: डॉ. जी.पी. सिंह

अमरोहा।आर्य समाज मंदिर में रोटरी क्लब अमरोहा के तत्वाधान में समर फैमिली प्रोग्राम का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों और महिलाओं के लिए मनोरंजक और आकर्षक कार्यक्रम किये गए। जादूगर के कारनामों का भी आनंद लिया गया। जिसमें रोटरी परिवार ने खूब एन्जॉय किया।रोटरी क्लब अमरोहा के अध्यक्ष डॉ0 जी0 पी0 सिंह ने बताया कि यह इस सत्र का आखिरी फैमिली प्रोग्राम था, गर्मी की छुट्टियों में क्लब की महिलाओं और बच्चों ने कार्यक्रम में खूब आनंद लिया। क्लब द्वारा दिखाए गए जादूगर इंतेजार पाशा के कार्यक्रमो को खूब सराहा गया। जादूगर ने 100 रुपये के नोट से 500 का नोट बना कर दिखाया, स्टिक से छाता, स्टिक से रुमाल, 3 सादे रूमालों से तिरंगा झंडा बना कर दिखाया जिसमें जादूगर ने खूब तालियाँ बटोरीं। इसके अलावा 3 लकी ड्रा भी निकाले और सभी रोटरी मेंबर्स और एनिस ने होउसी गेम का भी मजा लिया। कार्यक्रम के अंत मे सभी ने खाने का लुत्फ उठाया। डॉ0 सिंह ने बताया कि रोटरी सदैव सेवाभाव के लिए जाना जाता है। असहायों की मदद और जन सेवा ही रोटरी का ध्येय है।क्लब सचिव डॉ0 सरल राघव ने पूरे वर्ष के कार्यक्रमो पर प्रकाश डाला, और लगातार 2 वर्ष के कार्यकाल में दिए गए सभी के सहयोग की सराहना की और आभार जताया।क्लब कोषाध्यक्ष अमित मोहन गोयल ने कार्यक्रमो को सफल बनाने और रात के कार्यक्रम में अच्छी उपस्थिति के लिए सभी क्लब परिवारों को धन्यवाद दिया।इस अवसर पर अजय चतुवेर्दी, रवि माहेश्वरी, कुंवर विनीत अग्रवाल, अभय आर्य, संजय मालीवाल, चरणजीत सिंह, राजू गुप्ता, नरेश सिद्धू, मनोज अग्रवाल, जोगेंद्र सिंह, अक्षत अग्रवाल, निशील सरन, मुकेश अग्रवाल, अर्पित खंडेलवाल, गौरव गोयल, हितेंद्र यादव, नितिन तोमर, आशीष चांदना, विकास मदान, मनीष माहेश्वरी, जितेंद्र सिंह, रजत माहेश्वरी, संजीव बंसल, लव माहेश्वरी, प्रवीण अग्रवाल, कुश माहेश्वरी, नवीन अग्रवाल, अमित अग्रवाल आदि रोटेरियन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

भारतीय रेल

आज़ादी का अमृत महोत्सव

"सार्वजनिक अधिसूचना"

रेलवे लाइन और परिसरों के सभी उपभोक्ताओं को एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि रेलवे के निम्नलिखित खंड पर 25000 वोल्टस 50 हर्टज ऐसी शिरोपरी कर्षण तारों को खंड के सामने विनिर्दिष्ट तारीख को या बाद उर्जित किया जायेगा। उस तारीख पर और उस तारीख से शिरोपरी कर्षण लाइन को सब समय विद्युतमय माना जायेगा और कोई अनधिकृत व्यक्ति उस शिरोपरी लाइन की समीप्यता में दाखिल होने या काम करने नहीं जायेगा।

खंड	तारीख
वॉशिंग लाइन मेरठ शहर यार्ड में।	24.06.2024

दिनांक: 14.06.2024

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/कर्षण वितरण, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली

1813/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

आप सांसद संजय सिंह ने जानलेवा बीमारी से ग्रसित बच्चे को बचाने की शुरू की मुहिम, लोगों से लगाई मदद की गुहार

- वेहंत जैन को एसएमए टाइप-2 की बीमारी है, दो साल की उम्र तक इंजेक्शन नहीं लगा तो उसकी जान को खतरा हो सकता है- संजय सिंह
- इस बीमारी में एक इंजेक्शन लगता है, जिसकी कीमत 17 करोड़ रुपए है, यह खर्च एक समान्य व्यक्ति नहीं उठा सकता है- संजय सिंह

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सांसद संजय सिंह ने स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) टाइप-2 बीमारी से ग्रसित बच्चे की जिंदगी बचाने के लिए देश भर के लोगों से आर्थिक मदद की गुहार लगाई है। शुक्रवार को उन्होंने बच्चे के माता-पिता की मौजूदगी में पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर उसकी जान बचाने के लिए मुहिम की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि बच्चे को दो साल की उम्र पूरी होने से पहले बीमारी को ठीक करने का इंजेक्शन नहीं लगा तो उसकी जांच को खतरा हो सकता है। इस बीमारी में जो इंजेक्शन लगता है, उसकी कीमत 17 करोड़ रुपए है और इतना महंगा इंजेक्शन एक समान्य व्यक्ति नहीं खरीद सकता है। लिहाजा, मैंने अपनी तरफ से एक लाख रुपए की आर्थिक मदद की है। मैं देशवासियों से अपील करता हूं कि इस बच्चे की जिंदगी बचाने के लिए सभी लोग आगे आएं और अपने सामर्थ्य के अनुसार उसकी आर्थिक मदद करें।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि वेहंत जैन नाम के इस बच्चे को एमएमए टाइप-2 की बीमारी है। डॉक्टरों ने इसकी पुष्टि करते हुए चेतावनी दी है कि अगर दो साल की उम्र के अंदर बच्चे को इंजेक्शन नहीं लगा तो उसके जीवन को गंभीर खतरा हो सकता है। मानवीयता के नाते हमारी जिम्मेदारी बनती है कि बच्चे की मदद करेंगे। बूंद-बूंद से ही घड़ा भरता है। इस बीमारी में जो इंजेक्शन लगता है, वो बहुत महंगा होता है। किसी समान्य व्यक्ति के लिए उसका खर्च उठा पाना संभव नहीं है। इस बीमारी के इंजेक्शन की कीमत 17 करोड़ रुपए है। त्रीनगर निवासी वेहंत जैन के पिता मोहित जैन इंजीनियर और मां सीए हैं। मां गरिमा जैन ने बच्चे की बीमारी की वजह से नौकरी छोड़ दी है।

संजय सिंह ने दिल्ली और देश के लोगों से हाथ जोड़कर विनती और अपील करते हुए कहा कि इस बच्चे की जिंदगी बचाने के लिए पूरा देश आगे आए। जिससे, जो कुछ भी संभव हो, बच्चे की मदद कीजिए। आप 100 रुपए से लेकर अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार कितना भी अर्थिक मदद कर सकते हैं। मैं आम आदमी पार्टी के साथ सभी पार्टी के लोगों से भी अपील है कि बच्चे की मदद के लिए आगे आएं। साथ ही, सभी समाजिक, धार्मिक समेत अन्य संस्थाएं भी बच्चे की मदद करें, ताकि बच्चे की जिंदगी बचाई जा सके। मीडिया से भी अनुरोध है कि इस अपील को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाए ताकि लोग बच्चे की जान बचाने के लिए आगे आ सकें। केंद्र सरकार को भी बच्चे के इलाज को लेकर संयुक्त राष्ट्र समेत अन्य जगहों पर मुद्दा उठाना चाहिए। मेरा मानना है कि पूरी दुनिया में जहां भी बच्चे इस बीमारी से ग्रसित है, उनको अच्छा और सत्ता इलाज मिलना चाहिए। 17 करोड़ का इंजेक्शन समानय मां-बाप नहीं लगवा सकते है।

संजय सिंह ने कहा कि वेहंत जैन के इलाज के लिए मैं अपनी तरफ से एक लाख रुपए की आर्थिक मदद कर रहा हूं। इससे पहले भी इस बीमारी से ग्रसित अन्य बच्चों को एक-एक लाख रुपए की आर्थिक मदद की है।

ऐसे कर सकते हैं बच्चे को आर्थिक मदद बच्चे के माता-पिता ने क्राउंड फंडिंग के लिए इंपैक्ट गुरु नामक एप पर बच्चे का अकाउंट बनाया है। यहां बच्चे के संबंधित सारी डिटेल दी गई है। बच्चे के नाम से बैंक खाता है, जिसका नंबर 2223330027417243 और आईएफएससी कोड आरएटीएन0वीएएपीआईएस है। इस नंबर पर ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं। इसके अलावा, 9871205883 मोबाइल नंबर क्यूआर कोड भी बना है, जहां जाकर पेटीएम, फोन पे या जी-पे एप से भी आर्थिक मदद कर सकते हैं। इंपैक्ट गुरू इटीजी का लाभ भी देगा।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई–खुली निविदा सूचना

मंडल अभियंता सम्पदा, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा दिनांक 09.07.2024 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन तत्काल खोली जाएगी।

क्रम सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	समापन अवधि
ए	सहायक मंडल अभियंता/सम्पति–IV के अधीन वरिष्ठ खंड अभियंता/डी के जेड–I के कार्य क्षेत्र में रेलवे कॉलोनी डीकेजेड–I में बी.सं. 202 से 224, 18 से 20 की बाहरी सतह पर फिनिशिंग और क्षतिग्रस्त सनशेड, छज्जा, बालकनी, छत, शौचालय, स्नानघर और शाफ्ट हिस्से के एससीआई स्टैक की मरम्मत और प्लास्टरिंग का कार्य हेतु।	रुपये 7499995.64	रुपये 150000.00	08 महीने
बी	सहायक मंडल अभियंता/सम्पति–IV के अधीन वरिष्ठ खंड अभियंता/डी के जेड–I के कार्य क्षेत्र में लोको, डीसीएम कॉलोनी में पेड़ों के गुजरने/अतिक्रमण की जांच के लिए कंसर्टिना तार के साथ आरसीसी सीमा दीवार की मरम्मत/प्रावधान हेतु।	रुपये 7999400.04	रुपये 160000.00	08 महीने
सी	सहायक मंडल अभियंता/सम्पति–IV के अधीन वरिष्ठ खंड अभियंता/डी के जेड–I के कार्य क्षेत्र में अनपापुलर क्वार्टरों की मरम्मत हेतु।	रुपये 7499965.14	रुपये 150000.00	08 महीने
डी	सहायक मंडल अभियंता/सम्पति–IV के अधीन वरिष्ठ खंड अभियंता/डी के जेड–I के कार्य क्षेत्र में डीकेजेड रेलवे कॉलोनी में ब्लॉक संख्या 1–17, 26–32 और 42–44 में शौचालय, स्नानघर, रसोईघर में सुधार और कमरे/बरामदे में फर्श टाइल्स के प्रावधान हेतु।	रुपये 7499901.48	रुपये 150000.00	08 महीने
इ	सहायक मंडल अभियंता/सम्पति–IV के अधीन वरिष्ठ खंड अभियंता/डी के जेड–I के कार्य क्षेत्र में डीसीएम रेलवे कॉलोनी में बी.नं. 127 से 135, एल–47 से एल–50, 65, 66, 67 बाहरी सतह पर फिनिशिंग और शौचालय के क्षतिगस्त एससीआई स्टैक की मरम्मत, प्लास्टरिंग ममटी, सनशेड, छज्जे, छत, सीढ़ी आदि के साथ बाथरूम क्षतिग्रस्त शाफ्ट कार्य हेतु।	रुपये 5499990.96	रुपये 110000.00	08 महीने
ऍफ़	सहायक मंडल अभियंता/सम्पति–I के अधीन वरिष्ठ खंड अभियंता/तीस हजारी के कार्य क्षेत्र में क्षतिग्रस्त पैरापेट दीवारों, प्लास्टर की मरम्मत तथा बालकनियों, छतों के नालीदार/क्षतिग्रस्त सुदृढीकरण की मरम्मत तथा क्षतिग्रस्त पीवीसी जल भंडारण टैंकों का प्रतिस्थापन तथा मोर सराय, सदर बाजार, मोतिया बाग, श्री राम रोड, एनआरडीएच तथा रेलवे कॉलोनी और आरसीटी में पानी के टैंकों को बंदर पिंजरे से ढकना।	रुपये 19982935.16	रुपये 249900.00	08 महीने
जी	डीकेजेड–II रेलवे कॉलोनी में ब्लॉक संख्या 35–41 और 158–170 में टूटे हुए छत के गेट की मरम्मत, सुरक्षा द्वार और बरामदे की टूटी लकड़ी की जाफ़री की मरम्मत हेतु।	रुपये 6499983.61	रुपये 130000.00	08 महीने
एच	डीकेजेड–II रेलवे कॉलोनी में ब्लॉक नंबर 21–25 के बाहरी प्लास्टर की मरम्मत और खिड़कियों और बाहरी फिनिशिंग की मरम्मत हेतु।	रुपये 7499947.67	रुपये 150000.00	08 महीने
आई	सहायक मंडल अभियंता/सम्पति–IV के अधीन वरिष्ठ खंड अभियंता/शकूरबस्ती के कार्य क्षेत्र में अनपापुलर क्वार्टरों की मरम्मत हेतु।	रुपये 6999994.75	रुपये 140000.00	08 महीने
जे	सहायक मंडल अभियंता/हॉर्ट. के अधीन सहायक अभियंता/एस ओ जे के कार्य क्षेत्र में लॉन/पार्क और हेजेज का वार्षिक रखरखाव हेतु।	रुपये 6499991.05	रुपये 130000.00	24 महीने
के	सहायक मंडल अभियंता/हॉर्ट. के अधीन वरिष्ठ खंड अभियंता/सरदार पटेल मार्ग के कार्य क्षेत्र में लॉन/पार्क और हेजेज का वार्षिक रखरखाव हेतु।	रुपये 6999989.95	रुपये 140000.00	20 महीने

1. निविदा दिनांकः 09.07.2024 को 15:00 बजे तक जमा की जा सकती है एवं तत्काल खोली जाएगी। पत्र संख्या :– 128–डब्लयू/269/निविदा सूचना/24–25/डब्लयू–ई/टेंडर. नः 08 (ए, बी, सी, डी, इ, ऍफ़, जी, एच, आई, जे, के) दिनांक : 13.06.2024 1791/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें
पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

नई दिल्ली, शनिवार, 15 जून , 2024

नीट परीक्षा के बाद केजरीवाल सरकार के स्कूलों का जेईई एडवांस्ड में भी रहा शानदार प्रदर्शन; 158 स्टूडेंट्स ने क्वालीफाई किया जेईई एडवांस्ड

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नीट की परीक्षा के बाद केजरीवाल सरकार के स्कूलों का जेईई एडवांस्ड में भी शानदार प्रदर्शन रहा है। इस साल केजरीवाल सरकार के स्कूलों से 158 स्टूडेंट्स ने जेईई एडवांस्ड क्वालीफाई किया है। केजरीवाल सरकार के डॉ.बी.आर.अंबेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस के ही 82 स्टूडेंट्स ने जेईई एडवांस्ड क्वालीफाई किया है। बता दे कि, पिछले 5 सालों में केजरीवाल सरकार के स्कूलों में जेईई एडवांस्ड क्वालीफाई करने वाले स्टूडेंट्स की संख्या लगातार बढ़ी है। 2020 में ये संख्या मात्र 53 थी। यानी पिछले 5 सालों में दिल्ली सरकार के स्कूलों से जेईई एडवांस्ड क्वालीफाई करने वाले छात्रों की संख्या लगभग 3 गुणा बढ़ी है। इस मौके पर शिक्षा मंत्री आतिशी ने सभी स्टूडेंट्स, उनके टीचर्स और पैरेंट्स को इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाइयाँ देते हुए कहा कि, अपनी कड़ी मेहनत और प्रतिभा के दम पर हमारे स्कूलों के बच्चों ने साबित कर दिया है कि वो किसी से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि, हमारे छात्रों ने अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत न केवल अपने परिवार को, अपने स्कूल को बल्कि पूरी दिल्ली को गौरवान्वित किया है। शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि, सीएम अरविंद केजरीवाल जी के विजन के तहत हमारे छात्रों को स्कूल में ही मिल रही वर्ल्ड कोचिंग और तैयारियों की सुविधा मिल रही है। उन्होंने कहा कि, अरविंद केजरीवाल मॉडल ऑफ एजुकेशन ने सबसे गरीब तबके के बच्चों को भी वर्ल्ड क्लास शिक्षा मुहैया करवाकर बड़े सपने देखने और उसे पूरा करने का मौका दिया है। इसका नतीजा ही है कि, आज दिल्ली में गरीब से गरीब परिवारों के बच्चों का आईआईटी जाने का सपना पूरा हो रहा है। शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि, दिल्ली सरकार के स्कूलों से जेईई एडवांस्ड में शानदार प्रदर्शन करने वाले इन स्टूडेंट्स के लिए अब आईआईटी और देश के अन्य टॉप इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिला पाने का रास्ता खुल गया है, जहां से पढ़ाई पूरी कर ये छात्र भविष्य के नामी इंजीनियर बनेंगे और देश का नाम रौशन करेंगे।

उन्होंने टीम एजुकेशन को भी बधाई देते हुए कहा कि, दिल्ली में हर बच्चे को शानदार शिक्षा देने के मुख्यमंत्री जी के इस विजन को पूरा करने के लिए दिल्ली की टीम एजुकेशन ने दिन-रात कड़ी मेहनत की है। आज हमारे छात्रों की उपलब्धि टीम एजुकेशन के इन्ही प्रयासों का नतीजा है।

2020 से केजरीवाल सरकार के स्कूलों में हर साल लगातार बढ़ी जेईई एडवांस्ड क्वालीफाई करने वाले स्टूडेंट की संख्या

2024 - 158
2023 - 106
2022 - 74
2021 - 64
2020 - 53

नगर निगम ने इज ऑफ डूइंग बिजनेस के अंतर्गत मनोरंजक गतिविधियों के लिए लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया आरंभ की

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली नगर निगम व्यापारिक प्रतिष्ठानों को व्यापार के लिए उत्कृष्ट माहौल प्रदान करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में कार्य करते हुए दिल्ली नगर निगम ने हेल्थ ट्रेड लाइसेंस के अंतर्गत अन्य व्यापारिक गतिविधियों के अंतर्गत स्थाई प्रतिष्ठानों जैसे बैंक्वेट हॉल, खाना खाने के प्रतिष्ठान, लॉजिंग/बोर्डिंग स्थलों एवं अस्थाई जगहों जैसे टैंट, कैनोपी, खुले स्थानों पर मनोरंजक गतिविधियां आयोजित करने संबंधी लाइसेंस देने की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। इस लाइसेंस के अंतर्गत मनोरंजक गतिविधियां जैसे संगीत, गायन, नृत्य, इलेक्ट्रॉनिक/डिजिटल/लेजर शो/होलोग्राफिक प्रोजेक्शन/वर्चुअल प्रदर्शन आयोजित किए जा सकेंगे।

मनोरंजक गतिविधियों के संचालन के इच्छुक प्रतिष्ठान मनोरंजक गतिविधियों के संचालन स्थल को चिन्हित कर इसका साइट प्लान निगम के पास जमा कराएंगे। लाइसेंस लेने के इच्छुक प्रतिष्ठान दिल्ली नगर निगम को एक शपथ पत्र देंगे कि निगम द्वारा अनुमोदित क्षमता से अधिक लोगों के बैठने की व्यवस्था नहीं करेंगे। दिल्ली नगर निगम आवेदन के आधार पर 03 वर्ष या उससे कम अवधि के लिए लाइसेंस जारी करेगा। अस्थाई स्थलों पर लाइसेंस लेने के इच्छुक प्रतिष्ठानों को अस्थाई अथवा खुली जगह का साइट प्लान जिसमें कि मनोरंजक गतिविधियों के लिए स्थल चिन्हित किया गया हो निगम के पास जमा कराना होगा। इसके अतिरिक्त प्रतिष्ठानों को लोगों की संख्या के अनुपात में पीने के पानी, शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी, इसके साथ ही आयोजनकताओं को मान्यता प्राप्त एजेंसी के द्वारा कीटनाशक रोकथाम उपाय के संदर्भ में प्रमाणपत्र जमा कराना होगा, प्रतिष्ठानों को ठोस एवं तरल कचरे के उचित निष्पादन के लिए कूड़ेदानों एवं अन्य उपकरणों की व्यवस्था करनी होगी। अस्थाई प्रतिष्ठान एक वर्ष या उससे कम अवधि के लिए लाइसेंस प्राप्त कर सकते हैं।

सभागार जिनके पास डीएमसी एक्ट 1957 की धारा 422 के अंतर्गत हेल्थ ट्रेड लाइसेंस है उन्हें मनोरंजक गतिविधियों के लिए अलग से लाइसेंस लेने की आवश्यकता नहीं होगी। दिल्ली नगर निगम द्वारा प्रतिष्ठानों को मनोरंजक गतिविधियों के लिए लाइसेंस देने की पहल के चलते प्रतिष्ठान अधिक से अधिक ग्राहक आकर्षित करने में सफल होंगे, जिसके चलते उनकी आय एवं व्यापार में वृद्धि होगी। दिल्ली नगर निगम को अपने राजस्व का संवर्धन करने में मदद मिलेगी एवं नागरिकों को मनोरंजन के नए विकल्प भी मिलेंगे। दिल्ली नगर निगम की यह पहल सभी हितधारकों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी।

नहीं बन पा रहे जल्द महापौर के चुनाव होने के आसार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली नगर निगम के महापौर के चुनाव कब होंगे इस पर अभी भी बादल छाए हुए 26 अप्रैल 2024 को होने वाला चुनाव जिन हालातो में टल गया था वह अभी भी वही के वही बने हुए हैं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल में है और उनके जल्द बाहर आने के कोई आसार भी नजर नहीं आ रहे इन हालातो में सभी की निगाहें फिलहाल उपराज्यपाल और राज निवास पर लगी हुई है क्योंकि वहीं से कोई समाधान इसका हो सकता है। दिल्ली नगर निगम महापौर का चुनाव जो 26 अप्रैल को होना था लेकिन पीठासीन अधिकारी के मामले में फाइल मुख्यमंत्री के हस्ताक्षर करने को ले यह मामला टल गया था क्योंकि अरविंद केजरीवाल उसे समय जेल में थे और विवाद नहीं चल रहा है की सरकार जेल से नहीं चल सकती इस बात को लेकर उपराज्यपाल अपनी राय पर अड़े हुए हैं सुप्रीम कोर्ट द्वारा लोकसभा चुनाव के दौरान जब अरविंद केजरीवाल कुछ दिनों के लिए जेल से बाहर आए थे उन दिनों में उम्मीद बंधी थी कि वह उपराज्यपाल से इस मामले में सिफारिश कर सकते हैं और कोर्ट की मयार्दा भी बनी रहती क्योंकि है सिफारिश वह सचिवालय से नहीं घर से कर सकते थे लेकिन उन्होंने भी ऐसा कुछ नहीं किया और स्थिति को और उलझा दिया महापौर शैली ओबेरॉय का कार्यकाल नियमानुसार 26 अप्रैल को समाप्त हो चुका है लेकिन नया महापौर ना होने के चलते उन्हें जिम्मेदारी निभानी पड़ रही है जिसके चलते अगले महापौर का कार्यकाल अपने में छोटा हो जाएगा इस बात से कोई इनकार नहीं कर रहा है।

इस बात की भी उम्मीद की जा रही है के अरविंद केजरीवाल जल्द किसी को कार्यवाहक मुख्यमंत्री का दायित्व दे सकते हैं लेकिन यह अपने में चर्चा है कोई आधिकारिक रूप से बयां नहीं आया यदि ऐसा नहीं होता उन हालातो में महापौर का चुनाव होना बहुत मुश्किल हो जाएगा।

राजनीतिक हल्का में कहा जा रहा है कि उपराज्यपाल इस संकट का समाधान निकाल सकते थे लेकिन पीठासीन अधिकारी विवाद आम आदमी पार्टी द्वारा ही शुरू किया गया था उपराज्यपाल की शक्तियों को चुनौती दी गई थी और कहा गया था यह उप राज्यपाल तय करने वाले कौन होते हैं मुख्यमंत्री करेंगे और इसके बाद राज निवास को भी यह मुद्दा मिला हुआ है वह इसमें नरम नहीं पढ़ना चाहेगा इन हालातो में कहीं ना कहीं संवैधानिक संकट भी खड़ा हो रहा है हालांकि आम आदमी पार्टी के लोग यह कहकर खुश हैं की महापौर पद पर हमारी ही शैली ओबेरॉय बैठी है काम जैसे पहले चल रहा था आज भी चल रहा है चलने दो लेकिन इस बात का उनके पास कोई जवाब नहीं है की कोई नीतिगत फैसला नहीं हो पा रहा सदन की बैठक नहीं बुलाई जा रही कोई कमेटी गठित नहीं हो रहे हैं जॉन चुनाव आज तक हुए नहीं यह स्थिति अपने में अराजकता की बनी हुई है। भाजपा से जुड़े लोग कहते हैं की आम आदमी पार्टी दिल्ली की लोकसभा चुनाव में तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी से शिकस्त खाने के बाद बौखलाई हुई है और वह यदि नियमों को नहीं मानेगी तो इसका नुकसान उसे ही उठाना होगा।

जन्मजात हृदय रोगों के संकट का सामना करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

बच्चों के लिए सुलभ स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारत के श्री मधुसूदन साई आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान और ब्रिटेन के हीलिंग लिटिल हार्ट्स फाउंडेशन ने जन्मजात हृदय रोगों से पीड़ित बच्चों को महत्वपूर्ण चिकित्सा प्रदान करने हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। वर्तमान आँकड़ों के अनुसार, भारत में जन्में प्रत्येक 1,000 बच्चों में से 8 से 10 बच्चों में जन्मजात हृदय रोगों का निदान होता है, तथा भारत सरकार का अनुमान है कि आगामी पांच वर्षों में यह आँकड़ा 5 गुना तक बढ़ सकता है। यह समझौता ज्ञापन इस संस्थान को परीक्षण शिविर आयोजित करने, ज्ञान साझा करने की सुविधा प्रदान करने और जन्मजात हृदय रोगों के रोगियों हेतु बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने का अवसर प्रदान करता है। श्री सत्य साई सरला स्मृति बहुविशेषज्ञता चिकित्सालय अपनी करुणापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए सुविख्यात है, तथा यह समस्त सेवाएँ पूर्णतया निःशुल्क प्रदान करता है। यह वचनबद्धता, बच्चों में जन्मजात हृदय रोगों की पूर्णतया निःशुल्क चिकित्सा प्रदान करने वाले श्री सत्य साई संजीवनी बाल्य हृदय चिकित्सा केन्द्र शृंखला के भारत में चार केंद्रों और विदेशों में फिजी एवं श्रीलंका में दो केंद्रों को भी लाभांवित करेगी। वर्ष 2012 से कार्यरत, यह भुगतान-पटल रहित विश्व की विशालतम बाल्य हृदय चिकित्सालय शृंखला है। हीलिंग लिटिल हार्ट्स, यूके के संस्थापक, डॉ संजीव निचलानी ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि हम सद्गुरु की उपस्थिति में श्री मधुसूदन साई आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करके अत्यंत सम्मानित अनुभव कर रहे हैं। सत्य साई ग्राम का शांत वातावरण सचमुच में उल्लेखनीय है तथा स्वास्थ्य के लिए भरपूर आरोग्यकारी है। यह साझेदारी अनगिनत युवाओं को उनके अच्छे स्वास्थ्य के साथ उन्नति करने का अवसर सुनिश्चित करके उनके जीवन की रक्षा के प्रति प्रतिबद्धता दशार्ती है। यहाँ का सौहार्दपूर्ण आतिथ्य असाधारण है, तथा हम जन्मजात हृदय रोगों से संघर्ष कर रहे बच्चों की सहायता करने के लिए वापसी हेतु उत्सुक हैं। भारत के सर्वप्रथम पूर्णतया निःशुल्क अशासकीय ग्रामीण चिकित्सा महाविद्यालय तथा सम्बद्ध चिकित्सालयों की स्थापना एवं संचालन करने वाला श्री मधुसूदन साई वैश्विक सेवा अभियान और हीलिंग हार्ट्स फॉउण्डेशन, दोनों ही निशुल्क चिकित्सा प्रदान करने हेतु गहरी वचनबद्धता को साझा करते हैं। उनकी साझेदारी, प्रभावित परिवारों पर जन्मजात हृदय रोगों के दायित्व को निभाने की दिशा सहयोग हेतु प्रतिबद्धता का विश्वास जगाकर यह प्रमाणित करती है कि उपचार का आनंद अन्य सभी विचारों से परे है।

दिल्ली में पानी का उत्पादन लगातार घट रहा है : आतिशी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में जल मंत्री आतिशी ने शुक्रवार को कहा कि यमुना का पानी कम पहुंचने से दिल्ली में लगातार पानी का उत्पादन घट रहा है। आम आदमी पार्टी (आप) हरियाणा पर दिल्ली के हिस्से का पानी नहीं छोड़ने का आरोप लगा रही है। आतिशी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यमुना का पानी कम पहुंचने से दिल्ली में लगातार पानी का उत्पादन घट रहा है। सामान्य परिस्थिति में दिल्ली में 1005 एमजीडी (दस लाख गैलन प्रति दिन) पानी का उत्पादन होता है लेकिन पिछले एक हफ्ते से यह लगातार घट रहा है। उन्होंने कहा, उत्पादन कम होने से, दिल्ली के कई हिस्सों में पानी की कमी है। सभी से अनुरोध है कि पानी का प्रयोग बहुत किफायती तरीके से करें।

मंत्री ने कुछ आंकड़े साझा करते हुए कहा कि छह जून को पानी का उत्पादन 1002 एमजीडी था, जो अगले दिन यानी सात जून को 993 एमजीडी और आठ जून को 990, नौ जून को 978 एमजीडी, 10 जून को 958 एमजीडी, 11 जून को 919, 12 जून को 951 और 13

जिला पुलिस उपायुक्त ने आगामी त्यौहारों पर करी बैठक

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

आगामी विभिन्न त्यौहारों के संदर्भ में विशेषकर ईदु उल अजाह (बकरा ईद), अमरनाथ यात्रा, कावड़ सेवा पर समाज में कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा भाई चारा-अमन- चैन बनाए रखने हेतु पुलिस उपायुक्त पूर्वी जिला अपूर्वा गुप्ता (आईपीएस) की अध्यक्षता में पूर्वी दिल्ली के विभिन्न समाजसेवियों धर्मगुरुओ सहित हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई एकता कमेटी (रजि.) एवं अमन कमेटी, पुलिस मित्रा, आरडबलूए, मार्किट वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों की एक विशेष बैठक उपायुक्त कार्यालय स्थित सभागार में करी गई। इस मौके पर ईद के संदर्भ में गाइडलाइन जारी करी गई जिसके तहत मुस्लिम समाज से अपील करी गई आपसी भाईचारा बनाते हुए ईद की गाइडलाइंस के अनुसार त्यौहार बनाएं कुबार्नी इत्यादि पर एहतियात बरतने की आवश्यकता है। अन्य धर्मों की आस्था को ध्यान रखते हुए त्यौहार मनाए। इस संबंध में बी एस ई एस, एम सी डी, दिल्ली जल बोर्ड सहित ट्रैफिक पुलिस, एसीपी सभी जिला के थानाध्यक्षों को ईद उल अजहा को लेकर आवश्यक इंतजाम और सुविधाओं पर चर्चा हुई। इस मौके पर पुलिस उपायुक्त पूर्वी जिला श्रीमती अपूर्वा गुप्ता (आईपीएस) का बैठक में पूर्वी दिल्ली के विभिन्न समाजसेवियों धर्मगुरुओ द्वारा फूलों के गुलदस्ते और शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। हिंदू मुस्लिम सिख इसाई एकता कमेटी के अध्यक्ष डा परवेज मियां, कोषाध्यक्ष रियाजुद्दीन सैफी, उपाध्यक्ष गुलफाम सलाउद्दीन, संगठन सचिव व पुलिस मित्र हरीश गोला एडवोकेट, गाजीपुर चेयरमैन बिलाल अंसारी, पुलिस मित्र रजत सेठ, कब्रिस्तान कमेटी के चेयरमैन भाई इस्लामुद्दीन सहित कई अन्य महानुभावों ने चर्चा करी। टीम शकरपुर पुलिस स्टेशन के सदस्यों में एडवोकेट हरीश गोला, पतराम त्यागी, अशोक शर्मा, सरदार दलजीत सिंह, राधे श्याम गुप्ता, सुंदरलाल मिश्रा, अशोक सरीन, जगदीश कपूर, ममता तिवारी, महेश शर्मा, ने शकरपुर थानाध्यक्ष संजय गुप्ता का शाल ओढ़ाकर पुष्प गुच्छ से अच्छा कार्य करने पर धन्यवाद किया और स्वागत किया।

आरएसएस और बीजेपी में मां-बेटे की लड़ाई शुरू, भगवान राम ने तोड़ा मोदी का अहंकार: संजय सिंह

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि आरएसएस और भाजपा के बीच मां-बेटे का झगड़ा शुरू हो गया है। जेपी नड्डा के बयान से इसकी शुरूआत हुई थी। जेपी नड्डा ने कहा था कि अटल जी की बीजेपी को आरएसएस की जरूरत थी, लेकिन मोदीजी की बीजेपी को आरएसएस की जरूरत नहीं है। इसलिए चुनाव परिणाम बीजेपी बहुमत नहीं पाई और 240 सीट पर रुक गई। बीजेपी को अहंकार हो गया था। भगवान श्रीराम ने रावण का अहंकार तोड़ दिया था। ये तो इंसान हैं। संजय सिंह ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मोहन भागवत का बयान आया कि मणिपुर एक साल से जल रहा है, शांति की राह देख रहा है। फिर बयान आता है कि संघ का स्वयंसेवक अहंकारी नहीं होता। इसके बाद आरएसएस के इंद्रेश कुमार का बयान आता है कि अहंकार के कारण जनता ने सबक सिखाया। ये बातें साबित करती हैं कि विपक्ष के मुद्दे 100 प्रतिशत सही थे। जब मैंने मणिपुर के मुद्दे को संसद में उठाया तो मुझे सस्पेंड कर दिया गया। मैंने कई रातें संसद के परिसर में गुजारी। उस समय मोहन भागवत बोलते तो सरकार को कार्रवाई करनी पड़ती। पिछले 10 साल में बीजेपी के अहंकार के कई उदाहरण दिखे। उन्होंने कहा, ये लोग विपक्ष को कुछ भी बोलते रहे और राजनीति में भाषा की सारी मयार्दा पार कर दी। विपक्ष को जेल में डाल दिया। अहंकार की सीमा तब पार हो गई, जब उन्होंने गाना बनाया जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे।

मोहन भागवत, इंद्रेश कुमार को इसपर सवाल उठाना चाहिया था। क्या ये लोग भगवान श्रीराम से बड़े हो गए हैं। संबित पात्रा कहते हैं कि भगवान जगन्नाथ मोदी के भक्त हैं। वहीं जेपी नड्डा ने कहा कि मोदी देवताओं के देवता हैं। तब अहंकार नहीं दिखा। खुद मोदी ने कहा कि मेरा जन्म बायोलॉजिकल नहीं हुआ है। मैं तो अवतार हूं। इससे बड़ा अहंकार क्या हो सकता है। स्वयंसेवक इस अहंकार को बर्दाश्त कर रहे हैं। जो स्वयंसेवक बीजेपी में हैं उनसे अपील की जाए कि वह नरेंद्र मोदी के विरोध में आ जाएं। नीट परीक्षा बड़ा घोटाला, आरोपियों की गिरफ्तारी हो: संजय सिंह ने कहा कि 720 अंक पाकर 67 बच्चे टॉप कर रहे हैं। क्या ये संभव हैं। यानी की एक जगह सारे उत्तर तैयार किए गए। उसके अनुसार परीक्षाएं हुईं। सभी को बराबर अंक मिल गया और सभी टॉप कर गए। एक ही कोचिंग सेंटर से 6 बच्चे टॉप कर गए। किसी को 719 किसी को 718 और किसी को 717 अंक मिले हैं। नीट परीक्षा के नियम है कि यदि कोई प्रश्न छोड़ते हैं तो अंक घट जाता है। इससे साफ होता है कि नीट की परीक्षा में घोटाला हुआ है। पेट काटकर मां बाप बच्चों को पढ़ाते हैं, लेकिन पेपर लीक होने के कारण करोड़ो बच्चों का जीवन बर्बाद हो जाता है। नीट परीक्षा में केंद्र सरकार और एनटीए दोषी हैं। इसकी जांच कर आरोपियों की गिरफ्तारी होनी चाहिए।

जल संकट होने की संभावना जल बचाएं : सुनील वत्स

नई दिल्ली। पानी सबसे महत्वपूर्ण और मूल्यवान संसाधन है, सुनील वत्स ने कहा जल नहीं तो कल नहीं हमें अपने व्यक्तिगत उपयोग जैसे खाना पकाने, कपड़े धोने, नहाने, पीने आदि के लिए हर दिन पानी की आवश्यकता होती है। हमारे शरीर को भी हर दिन लगभग 5 से सात लीटर पानी की आवश्यकता होती है। पानी न केवल मनुष्यों के लिए बल्कि जानवरों, पौधों, पक्षियों आदि के लिए भी आवश्यक है। इसलिए हमें पानी बचाने की जरूरत है। यह पृथ्वी पर जीवन के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है जितना वायु होती है सांस लेने के लिए अत्यधिक उपयोग और दुरुपयोग के कारण आने वाले दिनों में जल संकट की संभावना है पानी की कमी के कारण मनुष्य और अन्य जीवित प्राणियों को जीवन-मरण की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। कम वर्षा और अत्यधिक भूजल उपभोग दुनिया के कई हिस्सों में पानी की कमी का कारण बन रहा है। कुछ क्षेत्रों में भूजल या तो प्रदूषित है या बर्बाद हो रहा है। या जलस्तर काफी कम हो गया है प्राकृतिक जल की बबार्दी से शुष्क परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती है। पानी बचत के स्रोत के बारे में गंभीरता से न सोचना भी पानी की कमी पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अधिक पानी की बबार्दी के कारण पानी का दुरुपयोग बढ़ गया है गंभीर विषय है काफी लोगों के पास ताजा पीने का पानी नहीं है जल के बिना अपना जीवन जैसे तैसे व्यतीत कर रहे हैं। पानी बचाना आज और अभी से शुरू करें पानी बचाने के लिए मुख्य स्रोत हैं उनको अपनाना चाहिए ब्रश करते समय, शेविंग, फेस वॉश के दौरान, सिंक में बर्तन धोते वक्त कई बार हम नल खुला रखते हैं

हजारों डीटीसी कर्मचारी हो जायेंगे बेरोजगार, परिवहन मंत्री दें इस्तीफा : बिधूड़ी

दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद और नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने राजधानी में क्लस्टर बसों के संकट के लिए केजरीवाल सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा है कि आम आदमी पार्टी सरकार ने दस सालों में दिल्ली के लिए एक भी बस नहीं खरीदी और हाथ पर हाथ रखे बैठी रही। उसी का नतीजा है कि अब बसें एक साथ सड़कों से हट रही हैं। सरकार की इस नाकामी के चलते उन्होंने ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर के इस्तीफे की मांग की है। बेरोजगार हो जाने के डर से डीटीसी के कर्मचारियों में दिल्ली सरकार के प्रति भारी असंतोष है।

बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली में 2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए तत्कालीन सरकार ने बसें खरीदी थीं। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में पहले 12 हजार बसें और फिर 15 हजार बसें उपलब्ध कराने का वादा चुनावों के दौरान किया था लेकिन 2022 तक दिल्ली में एक भी बस नहीं आई। उस दौरान दिल्ली में चल रही डीटीसी की तमाम बसें अपनी उम्र पूरी कर चुकी थीं। दिल्ली में डीटीसी की बसें और क्लस्टर बसें अपनी उम्र पूरी करके भी लगातार चल रही हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा पिछले पांच सालों में लगातार सरकार को यह याद दिलाती रही है कि इन बसों की उम्र पूरी हो चुकी हैं। दिल्ली सरकार ने इस चेतावनी और सलाह पर किसी तरह का ध्यान नहीं दिया। उल्टे पुरानी और उम्र पूरी कर चुकी बसों को ही सड़क पर चलाना जारी रखा। इन बसों को चलाना जोखिमपूर्ण भी है और जनता की जान की परवाह न करते हुए इन्हें चलाया जा रहा है। ये बसें कभी दुर्घटनाग्रस्त हो रही हैं और आए दिन इनमें आग लग रही है। इसके बावजूद दिल्ली सरकार ने अपना कोई प्लान-बी तैयार नहीं किया। बिधूड़ी ने याद दिलाया कि दिल्ली में इलेक्ट्रिक बसों की शुरूआत दो साल पहले हुई है और ये बसें भी केंद्र सरकार द्वारा दिल्ली को दी गई हैं। केंद्र सरकार ने 2017 में ही इलेक्ट्रिक बसें देने का प्रस्ताव रखा था लेकिन दिल्ली सरकार ने तब कोई रुचि नहीं दिखाई थी। अब दिल्ली में चल रही अधिकांश इलेक्ट्रिक बसें केंद्र सरकार की फेम योजना के तहत उपलब्ध कराई गई हैं और जनता को थोड़ी राहत है।

सूचना

नही रोकना चाहिए हरियाणा सरकार को पानी

आपसी तालमेल से ही होगा जल संकट का समाधान : अरुण तोमर

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

भीषण रिकॉर्डतोड़ गर्मी की मार झेल रही दिल्ली में पानी का संकट बढ़ता जा रहा है, बढ़ते जल संकट की वजह से दिल्ली के लोगों की समस्या भी बढ़ रही है। दिल्ली में पानी की समस्या इतनी बढ़ गई है की टैंकर के जरिए पानी की आपूर्ति की जा रही है। एक तरफ जहां दिल्ली की जनता पानी की किल्लत की समस्या से जूझ रही है वही दूसरी तरफ पानी को लेकर दिल्ली में सियासत भी शुरू हो गई है, एक तरफ जहां दिल्ली सरकार पानी की कमी को लेकर भाजपा और हरियाणा सरकार को जिम्मेदार ठहरा रही है वही दूसरी तरफ भाजपा पानी की समस्या को लेकर दिल्ली सरकार को घेरने की पूरी कोशिश कर रही है। दिल्ली में पानी की समस्या कितनी बढ़ गई है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है की पानी की किल्लत का मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है जहां सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार से कई अहम सवालों के जवाब मांगे है। इसी विषय पर बात करते हुए घोड़ा विधानसभा से आम आदमी पार्टी के संगठन मंत्री अरुण तोमर ने कहा की पानी सभी की आवश्यकता है, जरूरत है और दिल्ली में पानी की किल्लत की समस्या को दूर करने के लिए हम सभी को एक साथ सोचकर काम करना चाहिए, एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते किसी पार्टी विशेष के सदस्य, नेता या कार्यकर्ता के तौर पर नहीं। अरुण तोमर ने आगे कहा की अगर हरियाणा सरकार किसी वजह से दिल्ली के लिए छोड़े गए पानी को रोक रही है तो मैं उनसे आग्रह करूंगा की हरियाणा सरकार ऐसा न करे क्योंकि यह समय सियासत का नहीं बल्कि मिलके दिल्ली की जनता की पानी की किल्लत की समस्या को दूर करने का है। अरुण तोमर ने आगे कहा की हम सभी किसी न किसी राजनीतिक पार्टी से इसलिए जुड़े है क्योंकि हमारे हिसाब से वह राजनीतिक पार्टी जनहित में ज्यादा अच्छे कार्य करती है लेकिन सभी राजनीतिक पार्टी और उनसे जुड़े लोगों का उद्देश्य एक ही है जनहित के कार्य करना, जनता की समस्याओं को दूर करना ठीक इसी तरह से दिल्ली में पड़ रही भीषण रिकॉर्डतोड़ गर्मी की वजह से पानी की किल्लत की समस्या के कारण दिल्ली की जनता को उचित मात्रा में पानी नहीं मिल पा रहा जिस वजह से जनता परेशान है और किसी भी पार्टी के कार्यकर्ता होने के नाते हमें मिल कर पानी की किल्लत की समस्या को दूर करना चाहिए न की इस समस्या पर एक दूसरे को घेर कर इस को सियासत का मुद्दा बनाना चाहिए।

दिल्ली सरकार का आरोप- यमुना के हरियाणा वाले हिस्से में टैंकर माफिया सक्रिय

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामे में दिल्ली सरकार ने कहा कि उन क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति के लिए टैंकरों की जरूरत है जो जलापूर्ति लाइनों से जुड़े नहीं हैं या जहां आपूर्ति अपर्याप्त है। इसमें कहा गया है कि दिल्ली जल बोर्ड और निजी टैंकरों की ओर से शहर में प्रतिदिन करीब 50-60 लाख गैलन पानी की आपूर्ति की जाती है, जो कुल आपूर्ति का केवल 0.5 फीसदी है। जब बोर्ड पानी के टैंकरों की उपलब्धता में सुधार करने का प्रयास कर रहा है ताकि प्राइवेट टैंकरों की जगह पब्लिक टैंकरों का इस्तेमाल किया जा सके। पानी की बबार्दी रोकने के लिए दिल्ली सरकार के उठाए गए कदमों पर जिक्र करते हुए, हलफनामे में कहा गया है कि इससे हरियाणा से दिल्ली तक पानी के ट्रांसमिशन में होने वाले नुकसान को 30 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। सरकार ने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने क्षेत्रों में पानी की टंकियों के ओवरफ्लो होने, निर्माण स्थलों पर पानी के उपयोग, अवैध कनेक्शन आदि के माध्यम से पेयजल की बबार्दी की जांच करने के लिए दैनिक निरीक्षण करें और आवश्यक दंडात्मक कार्रवाई करें।

दिल्ली जल बोर्ड बना भ्रष्टाचार का अड्डा: भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली में पानी का संकट गहराता जा रहा है। लोग घंटों टैंकरों से पानी भरने के लिए कतारों में लगे हैं। इसके साथ ही राजधानी में पानी पर सियासत भी तेज होती जा रही है। भारतीय जनता पार्टी पानी की किल्लत को लेकर आम आदमी पार्टी पर लगातार हमलावर है। शुक्रवार को भाजपा ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए दिल्ली जल बोर्ड को भ्रष्टाचार का अड्डा बताया। पत्रकारों से बातचीत में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी लगभग 10 साल सत्ता में रही। दिल्ली की जनता को पानी की समस्या से निजात दिलाने की बजाय उलझाने और घोटालेबाजी में व्यस्त रहे। केजरीवाल पानी पर कुछ करने की बजाय शराब, घोटाले और शीशमहल बनाने में व्यस्त रहे, जिस कारण दिल्ली की जनता आज त्राहिमाम त्राहिमाम कर रही है। उधर, जल मंत्री आतिशी इसका ठीकरा हरियाणा सरकार पर फोड़ रही है। आतिशी ने सवाल उठाये कि जब हरियाणा से पूरा पानी मिल रहा है और हिमाचल प्रदेश से भी अतिरिक्त पानी की व्यवस्था कोर्ट द्वारा कराई गई है तो फिर अब तक दिल्ली में जल सकंट क्यों बना हुआ है? कहीं न कहीं इसका कारण दिल्ली में पानी की बबार्दी, टैंकर माफिया द्वारा पानी की चोरी और अक्षम पानी प्रबंधन है।

संक्षिप्त खबरें

मां बेटी के साथ मुहल्ले की महिलाओं ने कि मारपीट

जमुई [झाझा] थानाक्षेत्र के बरमसिया गांव में बच्चों के विवाद पर मुहल्ले की तीन-चार महिला ने एक मां- बेटी के साथ डंडा से मारपीट करते हुए घायल कर दिया। मारपीट में घायल हुई दोनो महिला का इलाज रेफरल अस्पताल झाझा में किया गया। घायल की पहचान चुन्नी खातुन और उसकी बेटी चांदनी के रूप में हुई है। घायल महिला ने बताया कि बच्चों के बीच हुए विवाद को लेकर मुहल्ले के रहने वाली नसीमा, जयनी, रूकसाना अन्य महिला ने हमदोनो के साथ विवाद करते हुए डंडा से मारपीट करते हुए घायल कर दिया। घायल महिला ने बताया कि मारपीट की घटना की जानकारी पुलिस को भी दि गई है।

कुव्यवस्था-गिद्धौर रोड़ एनएच 333 मुख्य मार्ग पर नाला निर्माण के काटी गई मिट्टी बेतरतीब ढंग से सड़क पर फैला दी गई

- सड़क पर मिट्टी जमा होने से बढ़ी सड़क हादसे का खतरा

प्रात: किरण, संवाददाता

गिद्धौर। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गिद्धौर जमुई रोड़ एनएच 333 ए गिद्धौर से लेकर गैस एजेंसी तक सड़क चौड़ीकरण होने के उपरांत पंचायत प्रतिनिधि द्वारा सड़क के किनारे नाली का निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। जहां सड़क के किनारे नाले निर्माण करने को लेकर मिट्टी की कटाई की गई है।

इसी क्रम में गिद्धौर-जमुई के मुख्य सड़क से गैस एजेंसी तक हो रहे नाली का निर्माण के लिए मिट्टी की खुदाई कर सड़क के किनारे छोड़ दी गई है। जिससे ग्रामीणों,राहगीरों व व्यापारियों और दुकानदारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वही मिट्टी कटाई करने से दुकानदारों सहित व्यापारियों को काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है।जिसके कारण जाम की स्थिति भी बनी रहती है। सुरक्षा की कोई इंतजाम नहीं,हादसे की आशंका नाली निर्माण को लेकर सड़क के किनारे किसी भी प्रकार के सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए गए हैं। इसको लेकर निर्माण अभिकर्ता बेफिक्र है। बता दे की सुरक्षा के लिहाज से नाली के आसपास कोई व्यवस्था नहीं की गई है,ना पट्टी और ना ही किसी भी प्रकार की बैरिकेडिंग की व्यवस्था है। मिट्टी की खुदाई के कारण किसी को भी गड्ढे में गिरने की शंका बनी रहती है।

वही निर्माण को लेकर रखे ईट कभी भी किसी बड़े हादसे को न्योता दे सकते हैं।वहीं दूसरी ओर रात्रि के समय ये जगह और भी खतरनाक हो जाती है।साथ ही सड़क किनारे मिट्टी रख देने के कारण बाइक व अन्य वाहने भी फिसल रही है। जिससे वाहनों पर सवार लोगों को दुर्घटना की आशंका बनी रह रही है।

मिट्टी की कटाई कर रोड के किनारे लगाया,लोग परेशान बता दे की गिद्धौर-जमुई मुख्य मार्ग पर नाली निर्माण का कार्य पंचायत के द्धारा किया जा रहा है।जहां अभिकर्ता के द्धारा जेसीबी से मिट्टी की कटाई कर मुख्य सड़क में विभिन्न दुकानों के व घरों के सामने रख दी गई है। जिससे दुकान मिट्टी की आड़ में मिट्टी के पीछे हो जा रहे हैं।जिससे व्यवसायियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वही मिट्टी कटाई से दुकान व घर के इस तरफ से उसे तरफ जाने में भी परेशानी हो रही है।

गाली गलौज करने का विरोध करने पर एक युवक के साथ हुई मारपीट

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] थानाक्षेत्र के खलासी मुहल्ला रेलवे लाइन के पार अंबेडकर नगर में गाली गलौज दिए जाने का विरोध करने पर एक युवक के साथ दो लोगों ने मारपीट करते हुए घायल कर दिया। घायल युवक की पहचान दीपक कुमार पासवान के रूप में हुई है जिसे इलाज के लिए परिजनों की मदद से रेफरल अस्पताल झाझा लाया गया जहां डॉक्टर के द्वारा घायल युवक का इलाज किया गया। घायल युवक ने बताया कि मै अपने घर पर बैठा था कि तभी मधुकर पासवान और अनुप पासवान मेरे घर के बगल में गाली गलौज कर रहा था जिसपर मैने गाली गलौज देने का कारण पूछा तो उनदोनो ने मेरे साथ मारपीट करने लगा और मेरे सिर पर लाठी से मारकर घायल कर दिया। घायल युवक ने बताया कि पूर्व में भी मेरे घर पर आकर उनदोनो ने गाली गलौज करते हुए मेरे भाई के साथ मारपीट कि घटना को अंजाम दिया था।

मानव सेवा संघ और स्टेशन फुट ट्रैक की ओर से लोगों के बीच चलाया गया निःशुल्क लंगर

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] शुक्रवार को रेलवे स्टेशन के समीप ई रिक्शा स्टैंड के पास मानव सेवा संघ की ओर से जरूरतमंद लोगों के बीच झाझा फुट ट्रैक में कार्यरत उप प्रबंधक सुरेश सिंह के श्राद्धजली के मौके पर फुट ट्रैक के प्रबंधक संजय सिन्हा , एवं स्टाफ के द्वारा लोगों के बीच निःशुल्क लंगर चलाया गया। लंगर में पहुँचने वाले रिक्शा, ठेला चालक, असहाय, दैनिक मजदूरी करने वालों लोगों को भोजन के रूप में पुड़ी , सब्जी , बुन्दिया , रसगुल्ला , दही का वितरण किया गया। मौके पर आरपीएफ सहायक कमांडेंट ने पहुंच कर पुष्प अर्पित किया उन्होंने बताया कि बहुत दुख होता है जब कोई इंसान हमारे बीच से चला जाता है चाहे वह व्यक्ति कोई भी हो हम उस व्यक्ति के साथ बिताये पल और उसके प्यार को नहीं भूल सकते ऐसे में अगर आप अपनी भावनाओं को सिर्फ अपने समान के जरिए ही नहीं बल्कि शब्दों के जरिए भी जगह देना चाहते हैं । लेकिन जब अपने प्रिय कोई इस दुनिया को छोड़कर चले जाते हैं तो उनकी कमी जिंदगी भर रह जाती है यह एक दुख की घड़ी होती है जिसमें परिवार और खुद पर धीरज रखने की आवश्यकता होती है । मौके पर जाप नेता घनश्याम गुप्ता, पूर्व कल्याण पदाधिकारी राजेश कुमार अशोक रावत , अर्जुन साब , विनय यादव , रामविलास पासवान , भीम यादव , महेश मरांडी , सुबोध शर्मा , प्रमोद यादव , संजय यादव , प्रदीप मंडल , अविनाश मंडल , सदानंद रावत आदि ने असहाय लोगों को भोजन करवाते हुये उनके बीच भाईचारा का पैगाम दिया। लंगर के संचालको ने कहा कि जिस तरह से लंगर का संचालन किया जा रहा है आगे भी लोगों की सहयोग से यह चलते रहेगा ताकि असहाय लोगों की मदद हो सके।

भीषण गर्मी में एसी, कुलर व पंखों की डिमांड पांच गुना बढ़ी

प्रात: किरण, संवाददाता

गिद्धौर। प्रखंड क्षेत्र में प्रचंड गर्मी की वजह से इस साल गांव से शहर के बाजारों में एवं ब्रांड कंपनियों की कूलर आउट ऑफ स्टॉक हो गया है।यहां तक कि ग्राहकों की अधिकता के वजह से लोकल कूलर की भी ज्यादा डिमांड हो गया है। भीषण गर्मी के कारण के बीच इलेक्ट्रॉनिक दुकान एवं फाइव स्टार एसी ब्रांड कंपनी कूलर ऑन डिमांड नहीं मिल रहे हैं।गर्मी के निजात दिलाने वाले उपकरणों की मांग 5 गुना तक बढ़ गई है।कारोबारी माने तो प्रति वर्ष बाजार में मूल्यों फिर भी बढ़ता है पर बीते साल इस साल उपकरणों की बिक्री 5 गुना उछाल दर्ज हुआ है।इस बार अप्रैल की शुरूआत से ही गर्मी तपने लगी है ऐसी,कूलर,पंखा,फ्रिज,वाटर कूलर की मांग पाँच गुना से बढ़ गई है।वही तापमान 40 से 47 डिग्री पर पहुंचा तो उपकरणों की बिक्री इस कदर बड़ी है कि परेशानियों ऐसी,कूलर स्टॉक खत्म हो गया है।कंपनी 7 से 10 दिन बाद स्टॉक उपलब्ध कराने का आश्वासन दे रही है।लिहाजा अब तक लोगों ने खरीदारी से पहले आर्डर बुक करने पर दुकानदार अरविंद सिंह रिवती शॉप ने बताया कि गत वर्ष गर्मियों के दौरान इस बार तापमान ज्यादा होने से हर वर्ष की अपेक्षा इस बार भी दुकानदार सीमित मंगवाया था। प्रखंड में गर्मी बढ़ने से कूलर,ऐसी,फ्रिज जबरदस्त डिमांड है। गर्मी बढ़ते इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के विक्रेता मुताबिक पुराने वर्ष सभी उपकरणों बिक गए।जिसमें तकनीकी खामी थी उसको भी खुद दुरुस्त करने के उपरांत महंगा या कंपनी का यह कैसा भी हो बाद में देख रहे हैं पहले कूलर खरीद रहे हैं। इस वजह से बाजार में उपकरणों की मांग बढ़ी हुई है।

राज्य के 20 पारा मेडिकल संस्थानों में शिक्षक ही नहीं

पारा मेडिकल एसोसिएशन ऑफ बिहार के प्रदेश अध्यक्ष ने दी आंदोलन की चेतावनी

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई/गिद्धौर।राज्य के सभी 20 सरकारी पारा मेडिकल संस्थानों में शिक्षक- व्याख्याताओं की नियुक्ति नहीं हो पाई है।पिछले चार सत्रों से यहां बिना ट्यूटर और लेक्चरर के पढ़ाई हो रही है।लेकिन,शिक्षकों की कमी से ये पढ़ाई सिर्फ डिग्री लेने तक सीमित है।ट्यूटर-लेक्चरर की बहाली का मांग पर पारा मेडिकल छात्रों ने कई बार आंदोलन भी किए हैं।विधानसभा में भी आवाज उठी।बावजूद इसके इन संस्थानों में बहाली नहीं हुई। उनके बदले यहां की पढ़ाई किसी मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक,नर्सिंग कॉलेज की वार्डन आदि के माध्यम से कराई जा रही है।राज्य के पारा मेडिकल कॉलेज में ट्यूटर डिमॉन्स्ट्रेटर के लगभग 252 पद व लेक्चरर के 456 पद सृजित है। वेतन मद की राशि भी स्वीकृत है।4 साल पहले 2020 में मुख्यमंत्री सात निश्चय योजना के दूसरे चरण में राज्यभर में 20 पारा मेडिकल संस्थान खोले गए। इसके पीछे उद्देश्य था रोजगारपरक शिक्षा से युवाओं को रोजगार के साथ ही अस्पतालों में प्रशिक्षित नर्सिंग सहायकों,मेडिकल स्टाफ उपलब्ध कराना शामिल है। अस्पतालों के लिए महत्वपूर्ण होता है कोर्स इन पारा मेडिकल संस्थानों में जिन डिप्लोमा कोर्स की पढ़ाई होती है वे मेडिकल संस्थानों व मरीजों के लिए काफी महत्वपूर्ण होते हैं।इनमें ओटी असिस्टेंट,रेडियोलॉजी टेक्निशियन, ब्लड बैंक टेक्नीशियन,फिजियोथैरेपी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी,ड्रेसर,ऑप्थात्मिक असिस्टेंट, एनेस्थीसिया टेक्नीशियन,हॉस्पिटल डोमिसिलिअरी असिस्टेंट,प्लास्टर टेक्नीशियन,ऑथोपेडिक टेक्नीशियन, ईसीजी टेक्नीशियन,लैब टेक्नीशियन, एक्स-रे टेक्नीशियन आदि। आंदोलन की चेतावनी पारा मेडिकल एसोसिएशन ऑफ बिहार के प्रदेश अध्यक्ष भारत भूषण ने जल्द ट्यूटर,लेक्चरर की नियुक्ति करने की मांग की अन्यथा आंदोलन की चेतावनी दी है।

चिराग पासवान को केंद्रीय मंत्री बनाए जाने पर किया हर्ष व खुशी जाहिर

प्रात: किरण संवाददाता

आलमनगर (मधेपुरा) लोजपा रामविलास के युवा नेता प्रशांत कुमार ने कहा कि लोजपा रामविलास ने लोकसभा की पांच सीटों पर प्रचंड बहुमत से जीत हासिल की है। खासकर खगड़िया लोकसभा में जिस तरह से एनडीए के तमाम घटक दल के नेता और कार्यकताओं ने तपती धूप में भी कड़ी मेहनत कर प्रचंड बहुमत से खगड़िया लोकसभा चुनाव में एनडीए समर्थित लोजपा राम विलास के प्रत्याशी राजेश वर्मा को रिकॉर्ड वोट से जीत दिला कर सांसद बनते हुए लोकसभा भेजने का कार्य किया। यह लोकसभा जीत स्वर्गीय रामविलास पासवान जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को केंद्र मंत्री बनने पर उन्होंने बधाई दी। वही इस दौरान लोजपा युवा नेता प्रशांत कुमार ने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में मधेपुरा के सभी विधानसभा में एनडीए की परचम लहराएगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर हार्दिक बधाई दी। वही इस दौरान युवा नेता प्रशांत कुमार ने बताया कि बिहार फर्स्ट बिहार फर्स्ट का मिशन कामयाब रहा अब बिहार में विकास की रफ्तार तेजी से बढ़ेगी।

गिद्धौर अंचल में नहीं हुई सुनवाई,तो लोक शिकायत से लगाई न्याय गुहार

प्रात: किरण, संवाददाता

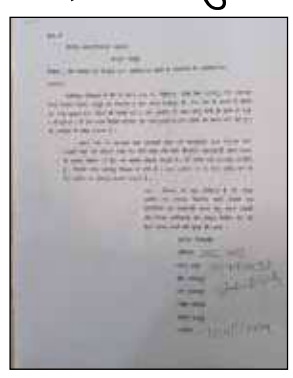

- मापी शुल्क जमा करने के बावजूद भी नहीं हुई मापी
- 10 जून को होना था जमीन की मापी

जमुई/गिद्धौर। सरकारी जमीन व निजी जमीनों में हो रहे अतिक्रमण और अवैध कब्जा हटाने को लेकर बिहार सरकार व राजस्व विभाग के अधिकारी के निर्देश के बावजूद भी प्रखंड स्तर के कर्मचारी गंभीर नजर नहीं आ रहे है। शिकायतों को कागजों पर ही निस्तारित कर कोरम पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं। आलम है कि, पीड़ित के आवेदन पर भी विचार नहीं किया जा रहा। इसकी बानगी गिद्धौर प्रखंड अंतर्गत रतनपुर गांव में देखने को मिली,जिसमे रतनपुर निवासी शंकर साह पिता सिंघेश्वर साह ने गिद्धौर अंचल अधिकारी को लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। उक्त आवेदन में आवेदक ने शिकायत किया है कि मेरे गांव का पुस्तैनी भूमस्वामित्व की भूमि खाता नंबर 116 खसरा नंबर 1042 रकवा 24 डिसमिल जमीन मेरे दादा छोटू तेली के नाम से पंजी 2 में दर्ज है । मैं उसका बिहार सरकार के माल गुजरी देकर रसीद भी प्राप्त कर रहा हूं। उसके बावजूद गांव के हैं कुछ दबंगों के द्वारा उक्त जमीन पर बलपूर्वक कब्जा कर लिया गया है। जिसकी फरियाद पीड़ित द्वारा गिद्धौर अंचल से किया गया। उसके उपरांत मापी शुल्क जमा करने के उपरांत 10 जून का मापी का तारीख तय रखा गया। लेकिन उक्त तारीख में मापी नहीं कराया गया।इसके बाद थक हार कर पीड़ित जिला लोक शिकायत में फरियाद लेकर चला गया। इधर,अंचलाधिकारी आरती भूषण ने पुछे जाने पर बताया कि,आवेदक के जमीन पर आपत्ति है। दो खतियान दिखाया जा रहा है।जिसके सत्यापन के लिए अभिलेखागार भेजा गया है। सत्यापन के बाद इस मामले की अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी।

24 घंटे का शुरू हुआ अष्टयाम सह हरिकीर्तन, निकली कलश शोभायात्रा

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] प्रखंड क्षेत्र के बैजला पंचायत अंतर्गत कुसौना गांव में शुक्रवार से 24 घंटे का अष्टयाम सह हरिकीर्तन का शुभारंभ किया गया। अष्टयाम को लेकर कुंवारीकन्या और युवतियों के द्वारा यज्ञ स्थल से कलश शोभायात्रा निकाली गई। गाजे बाजे के साथ यज्ञ स्थल से निकली कलश शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और हाथों में ध्वज लिए जय श्री राम के जयकारे लगाते हुए गांव के समीप डैम पहुंचा जहां पंडितों के द्वारा माता गंगा का स्मरण करते हुए कलश में पूजापाठ करने के बाद जल भरा और उसके बाद कलश शोभायात्रा यज्ञ स्थल के आसपास भ्रमण करते हुए पुनः यज्ञ स्थल पहुंचा जहां यजमान की भूमिका सहदेव यादव उनकी धर्मपत्नी जनकवा देवी ने प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश का नाम लेते हुए अष्टयाम प्रारंभ किया। सहदेव यादव ने बताया कि धर्म को बढ़ावा देने के साथ साथ लोगों में सबुद्धि और गांव सहित आसपास के क्षेत्रा में सुख समृद्धि बना रहे इसको लेकर अष्टयाम प्रारंभ किया गया। उन्होनें आगे बताया कि अष्टयाम का समापन शनिवार को हवन पूजन के साथ संपन्न किया जाएगा। अष्टयाम प्रारंभ होते ही कुसौना सहित आसपास के लोग यज्ञ स्थल पर श्रद्धापूर्वक पूजा अर्चना के लिए पहुंच रहे है तो वही पूरा वातावरण भी भक्तिमय बना हुआ है।

आतंकवादी हमले में मृतकों को श्रद्धांजलि और घायल तीर्थयात्रियों के लिए कामना

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] 9 जून को जम्मू के रियासी जिले में आतंकियों द्वारा तीर्थयात्रियों से भरी बस पर घात लगाकर हमला किया गया, जिसमें 10 लोगों की मृत्यु हो गई और 33 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस दुखद घटना के बाद, 13 जून को झाझा बड़ी दुर्गा मंदिर चौक पर हिंदू स्वाभिमान के कार्यकताओं ने दिवंगत आत्माओं को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की और घायल हुए श्रद्धालुओं के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।इस अवसर पर हिंदू स्वाभिमान कार्यकर्ता राहुल ठाकुर ने हिंदू समाज में जातिवाद की आलोचना करते हुए कहा, ह्लआतंकवादियों ने किसी की जाति नहीं देखी, उन्होंने हमारे धर्म को निशाना बनाया।ह्व उन्होंने भारत सरकार से अपील की कि सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक की तर्ज पर पाकिस्तान को हर महीने ऐसा एंटीडोज दिया जाना चाहिए, जिससे वह अपनी औकात में रहे। श्री ठाकुर ने बिहार सरकार से भी राज्य के भीतर पल रहे आतंकवाद को जड़ से समाप्त करने का आग्रह किया। उन्होंने जनरल बिपिन रावत के बयान का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें ढाई मोर्चों पर लड़ाई लड़नी होगी - एक पाकिस्तान, दूसरा चीन, और आधा मोर्चा भारत के भीतर बैठे आतंकवाद के समर्थकों से एबीवीपी के हरिनंदन प्रजापति ने कहा, ह्लजिस प्रकार से धर्म देखकर नरसंहार किया जा रहा है, वह निंदनीय है। जो लोग कहते हैं कि आतंकवाद का कोई मजहब नहीं होता, वे बताएं कि हज यात्रियों पर हमले क्यों नहीं होते? योग शिक्षक धर्मेंद्र सर ने कहा, अब शांति के प्रतीक कबूतर नहीं उड़ाए जा सकते। पूरे भारतवासी को एकजुट होकर आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब देने की आवश्यकता है। हम भारत सरकार, राज्य सरकार और सभी नागरिकों से अपील करते हैं कि वे आतंकवाद के खतरे को समझें और इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

सेना की वाहन खाई में गिरने से सैनिक शहीद

प्रात: किरण संवाददाता

मधेपुरा घैलाढ़: प्रखंड क्षेत्र के झिटकिया पंचायत अंतर्गत वार्ड नंबर 8 पथराहा गांव निवासी बिंदेश्वरी यादव उर्फ कोको यादव के छोटे पुत्र फौजी पवन कुमार का गुरुवार को शाम लगभग साढ़े चार बजे जम्मू कश्मीर के राजौरी जिला अंतर्गत नौशेरा सबडिवीजन के भवानी इलाके में नियंत्रण रेखा के पास पेट्रोलिंग वाहन में सवार सेना की वाहन अनियंत्रित होकर 70 फीट खाई में गिर गया। जिससे घटनास्थल पर ही सेना पोस्ट में हवलदार के पद पर कार्यरत पवन कुमार शहीद हो गई।

जानकारी के मुताबिक बता दे की शहीद फौजी पवन कुमार घैलाढ़ प्रखंड क्षेत्र के झिटकिया पंचायत अंतर्गत वार्ड नंबर 8 पथराहा गांव निवासी बिंदेश्वरी यादव उर्फ कोको यादव के छोटे पुत्र हैं शहीद फौजी दो भाई और एक बहन थी। शहीद फौजी भाई- बहन में सबसे छोटा था।

शहीद फौजी दोनों भाई सेना में हवलदार पोस्ट पर कार्यरत थे। शहीद फौजी पवन कुमार 2005 में सेना में भर्ती हुए थे। शहीद फौजी पवन कुमार जम्मू कश्मीर में 3 साल से कार्यरत थे। शहीद फौजी पवन कुमार अपने गांव में ही शिक्षा ग्रहण करके अपने मेहनत से अपने माता-पिता का नाम रोशन करते हुए भारत मां की रक्षा करने के लिए फौजी की भर्ती परीक्षा पास कर सेना में भर्ती हुए थे। शहीद फौजी पवन कुमार की शादी घैलाढ़ प्रखंड क्षेत्र के झिटकिया पंचायत के लक्ष्मीनिया गांव में 2009 में आशा देवी से हुई थी। जहां शहीद को दो लड़का और दो लड़की है। 10 साल पहले शहीद की मां की मौत हो गई थी। पिता एक साधारण सा किसान है। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में शोक की लहर दौड़ गया। परिवार के सभी सदस्यों का रो-रो कर बुरा हाल है खासकर पत्नी और उनके बच्चे लगातार उनको याद करते हुए रोते-रोते बेहोश हो जाती है। वही भाभी अंजू देवी भाई फौजी रामदेव यादव व पिताजी सहित आसपास के ग्रामीणों का भी रो-रो कर बुरा हाल है। शहीद अपने पीछे पत्नी, दो बेटा ,दो बेटी एवं बुजुर्ग पिताजी को छोड़कर शहीद हो गए।

वही शहीद फौजी की पत्नी आशा देवी रो रो कर विलाप करती हुई कह रही है अब हम लोगों का भरण पोषण कैसे होगा। अब हम किसके सहारे अपने बच्चों का भरण पोषण करेंगे। कौन मेरे बच्चे का सहारा बनेगा और लगातार रोती हुई बेहोश हो जाती है। अभी फिलहाल शहीद फौजी पवन कुमार का शब गांव नहीं पहुंचा है।

वाहन चेकिंग के दौरान हथियार के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

मधेपुरा घैलाढ़ : ओपी के पुलिस ने ओपी अध्यक्ष अवधेश प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह के निर्देश पर अपराध नियंत्रण को लेकर लगातार चलाए जा रहे वाहन जांच अभियान के क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर मिली जानकारी के अनुसार बृहस्पतिवार की शाम त्वरित कार्यवाही करते हुए विशेष टीम गठित कर वाहन चेकिंग अभियान की शुरूआत की गई । जानकारी के अनुसार ओपी अध्यक्ष अवधेश प्रसाद को गुप्त सूचना के आधार पर जानकारी मिली कि बैजनाथपुर के तरफ से लाल रंग की अपाची मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवक हथियार और गोली से लेस होकर किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में है इसी आधार पर त्वरित कार्यवाही करते हुए ओपी क्षेत्र अंतर्गत लक्ष्मीनिया मोड़ के पास वाहन जांच अभियान की शुरूआत की। इसी दौरान बैजनाथपुर की ओर से आ रहे बाइक सवार तीनों युवक पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। तब तक पुलिस ने खदेड़कर दो युवक को गिरफ्तार करने में सफल हो पाए। लेकिन एक युवक भागने में कामयाब हो गया। वही दोनों युवक की तलाशी लेने पर एक देसी कट्टा, एक मिसफायर कारतूस एवं एक जिंदा कारतूस सहित मोटरसाइकिल बरामद किया गया। वही गिरफ्तार एक युवक सहरसा जिला के बिहरा थाना अंतर्गत पदमपुर गांव निवासी सिकंदर यादव का पुत्र रणवीर कुमार के रूप में पहचान की गई है वही दूसरा युवक सहरसा जिला के सौर बाजार थाना अंतर्गत सपहा गांव निवासी महेश शाह का पुत्र शशिभूषण कुमार के रूप में पहचान की गई है। दोनों के खिलाफ मधेपुरा घैलाढ़ ओपी कांड संख्या 651/24 दर्ज करते हुए जेल भेज दिया।

विश्व रक्तदाता दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

रक्तदान का महत्व लाभ पर किया गया विस्तृत चर्चा, रक्तदान सामाजिक दायित्व

- रक्तदान महादान महाकल्याण, जरूरतमंदों को करें रक्तदान, बढ़ जाएगा तेरा मान, बचे जरूरतमंदों का जान - किरण देव यादव

प्रात: किरण संवाददाता

रौन अलौली। फरकिया मिशन देश बचाओ अभियान के तत्वाधान में विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम रौन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर रक्तदाताओं को बधाई दिया गया एवं रक्तदान महादान महाकल्याण, करो रक्तदान - बढ़ जाएगा तेरा मान, करें रक्तदान - बचाएं जरूरतमंदों का जान, नारों को बुलंद किया गया। तथा रक्तदात्री रंजू देवी को सम्मानित किया गया। जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अभियान के संस्थापक अध्यक्ष किरण देव यादव ने कहा कि 14 जून 1868 को ब्लड ग्रुप का आविष्कारक, रक्तजनक कार्ल लैंडस्टेनर के जयंती दिवस को विश्व रक्तदाता दिवस के रूप में मनाया जाता है। डब्ल्यू एच ओ, ब्लड डोनर ऑर्गेनाइजेशन, रेड क्रॉस, ब्लड ट्रांसफ्यूजन संगठनों ने ब्लड ग्रुप रक्त कोष ब्लड बैंक का स्थापना सुरक्षित स्वच्छ रक्त उत्पादन को विकसित किया। 1942 में द्वितीय विश्व युद्ध में घायलों को रक्त आपूर्ति हेतु कोलकाता में रक्त अधिकोष का स्थापना किया गया। विश्व रक्तदाता दिवस मनाने का उद्देश्य रक्तदाताओं को प्रेरित करना, रक्तदाता को धन्यवाद आभार व्यक्त करना, रक्तदाता का समर्थन सराहना सम्मान करना एवं सहभागिता हेतु कर्तव्यबोध करना लक्ष्य है।

श्री यादव ने कहा कि वयस्क मनुष्य के शरीर में साढे चार पांच लीटर खून होता है। एक यूनिट 350 मिलीग्राम रक्तदान करने पर पौष्टिक आहार लेकर 24 घंटे में पूर्ति होती है। स्वस्थ युवा व्यक्ति को बेहतर स्वस्थ रहने हेतु रक्तदान करना मानवीय कर्तव्य है। रक्त का निर्माण संघनन विघटन निरंतर होते रहता है। रक्त की सफाई हेतु रक्तदान आवश्यक है ताकि नव रक्त निर्माण हो सके। आपका रक्त किन्हीं को नई जिंदगी दे सकती है, किन्ही के नवजीवन का वजह बनना सराहनीय पूण्यकार्य है। रक्तदान करना सामाजिक दायित्व है। रक्तदाता सर्वोत्तम व्यक्तित्व सदैव सम्माननीय है। रक्तदाता जागरूकता कार्यक्रम में आशा कार्यकर्ता, जीविका कर्मी, आंगनबाड़ी सेविका, स्थानीय प्रतिनिधि मीरा देवी, रंजू देवी, सुलेखा देवी, मीना देवी, सिंधु देवी, पोयम देवी, विंदा देवी, रोशन देवी, माला देवी, सरिता देवी, तेतरी देवी, रिंकू देवी, अमेरिका देवी, पल्लवी देवी, महेश्वर यादव, बृजनंदन यादव, फरकिया मिशन के लालमणि सदा आदि ने भाग लिया। सबों ने रक्तदान के महत्व लाभ पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला। अंत में शुंभा की आशा कार्यकर्ता डिंपल देवी को ट्रेन दुर्घटना में हुई मौत पर 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई तथा आश्रितों को 5 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग किया।

हर जगह मुठभेड़

सियासत की पहलवानी ने कई तंबू उखाड़ दिए, लेकिन आसमान को फिर भी तसल्ली नहीं। युद्ध के माहौल में हो रही राजनीति का असर यह कि जनता को भरोसा नहीं कि वह चुन किसे रही। सोलन नगर निगम के ढाई साल के बाद मेयर के चुनाव ने कांग्रेस के आधिकारिक उम्मीदवार को शिकस्त देकर जो खेल किया, उसके जख्म अब हरे हो गए। नगर निगम के मेयर व पूर्व मेयर की हस्ती अब सरकार की कार्रवाई ने छीन ली, नतीजतन उपचुनाव का खाका कई बड़े सवालों को खाक नहीं कर पाएगा। अस्थिरता के दामन में मतदाता की आशाएं और कसूरवार होते विकास के नैन नक्श। हर मुठभेड़ में लुट रहा है सिंहासन, 'चलो फिर से कोई नया फामूला बनाएं'। जाहिर है नगर निगम सोलन की पताका बदलेगी और कुछ इसी तरह की सुगबुगाहट धर्मशाला नगर निगम के मोहल्ले में है। ऐसे में प्रश्न यह कि स्थानीय निकायों में भी अगर अस्थिरता के बीज बोने के लिए राजनीतिक महत्त्वाकांक्षा ही जिम्मेदार है, तो जनता की अभिलाषा बचेगी कहां। आश्चर्य यह कि जिस जरूरत का नाम नगर निगम है, उसकी जरूरत में राजनीति की जरूरतें पूरी हो रही हैं और यह खेल तब तक जारी रहेगा जब तक मेयर पद के लिए प्रत्यक्ष चुनाव नहीं होते। अप्रत्यक्ष कंधों पर चढ़ रहे मेयर यूं ही चढ़ते और उतरते रहेंगे। सियासत ने जिस घड़ी में कांग्रेस को गच्चा देकर मेयर चुना, कमोबेश वही परिस्थितियां अब नए हालात में नियंत्रण करेंगी। ये नजारे शर्मनाक हैं और धीरे-धीरे हिमाचल को घोर अस्थिरता के जंगल में धकेल रहे हैं। कब हम सोलन शहर के भविष्य के लिए नगर निगम के पार्षद और पार्षदों के पार्षद यानी मेयर को इस नीयत से चुन पाएंगे कि पूरा नागरिक समाज आगे बढ़ पाए। कहना न होगा कि हिमाचल के पांचों नगर निगम केवल रस्म अदायगी की तरह राजनीति का सामान तो बन गए, मगर हिमाचल के शहरीकरण संबोधित नहीं हुआ। वित्तीय संसाधनों के अभाव में सारे नगर निगम केवल कागजी शेर हैं, जबकि शहर को बसाने की परिकल्पना न तो मेयर और पार्षदों का निर्वाचन सौ फीसदी तौर पर पारदर्शी व वास्तविक होना चाहिए। हिमाचल में राजनीतिक अस्थिरता के प्रमाण अब तहरीर बनने लगे हैं, चुनावी मोहल्ले के वकील अब सड़क पर लड़ने लगे हैं। अभी फाइलों के टकराव, घटनाक्रम के उन्माद और हस्तियों के प्रकार दिखने लगे हैं। राज्यसभा चुनाव के अंकगणित से सियासत का बिगड़ा मूड, सत्ता के सबूत से प्रमाणित होगा। उपचुनावों से पहले नाव दरिया में डूबी या चुनावी कसरतों ने शह और मात को अब बुलंद किया। जो भी हो, सोलन में मेयर और डिप्टी मेयर का अयोग्य होना साधारण घटना तो नहीं है और न ही अब क्रॉस वोटिंग के घाव कभी सहज होंगे। इसलिए अब मुकाबले के परिदृश्य में कभी राज्य की जांच भारी पड़ेगी, तो कभी अदालत के नोटिस पर मानहानि के मामले अशांत दिखेंगे। जो भी हो, लेकिन यह तय है कि जो गुजर गया, वह भी अपने पीछे बारूद छोड़ गया और जो होना है, उसके लिए बारूद खोजा जा रहा है। फिर तीन निर्दलीयों के उपचुनाव सियासत की वीरभूमि खोजेंगे तो सीपीएस मामलों की परछाई में सत्ता के चिराग खुद को बचाएंगे। कांग्रेस से भाजपा में जा मिले नेताओं का शोर एक उपचुनाव में तो पूरी तरह सफल नहीं हुआ, फिर निर्दलीयों की अमानत पर निशाने करीब से लगेंगे। इसी तरह नगर निगम सोलन अब एक अद्भुत प्रसंग में पुनः अपना मेयर देखेगा, तो जब बारात निकलेगी तो खबर यह भी आएगी कि किस अन्य नगर निगम में मेयर के खिलाफ अविश्वास का

विपक्ष हार कर भी जीत गई

विनोद ताकियावाला

18वीं लोक सभा चुनाव में विपक्ष कर्ण की तरह लड़ी। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत ने एक पुनः साबित कर भारत ही सचमुच में प्रजातंत्र की जननी है। 18वें लोक सभा चुनाव जो कि विषम परिस्थितियों में सबसे लम्बी अविधि चलने के समाप्त हो चुकी है। इस लोक सभा के साधारण चुनाव के परिणाम ने यह एक बार पुनः साबित कर प्रजातंत्र में जनता ही जनार्दन है। जनता जनार्दन ने विपक्षी दलों को अपना समर्थन दिया है। भले ही विपक्ष जीता न हो लेकिन उसने भाजपा व प्रधानमंत्री मोदी का घमंड जरूर तोड़ दिया है। जिसका सबसे बड़ा प्रमाण मोदी की गारंटी व तुष्टीकरण वाली एजेंडें का नकारते हुए भाजपा को करारा जबाब दिया है। यही कारण भाजपा बहुमत के आंकड़े से पीछे रह गई है। सत्ता के लोभ में अपनी नीति को ताक पर रखते हुए गठबन्धन करते हुए अपने घुटने टेक दिए। वे जिस नेहरू को पानी पी पी कर दस साल गाली देते रहे उन्हीं के रिकॉर्ड की बराबरी करने के लिए लगातार तीसरी बार शपथ जरूर लेने जा रहे हैं लेकिन सरकार चलाने के लिए उन्हें चन्द्र बाबु नायडू और नीतीश कुमार सता सिंघासन पर आशीन होने के गठबन्धन करना पड़ा है वहीं विपक्ष चुनावी समर क्षेत्र महा भारत के कर्ण की तरह लोक सभा चुनाव लड़ी है। जैसा कि सर्वविदित सन 2024 का चुनावी महाभारत समाप्त हो गया है। इस बार चुनावी समर क्षेत्र को देखने के बाद मुझे महाभारत का एक प्रसंग याद आ रहा है। जब अर्जुन और कर्ण के बीच घर्म युद्ध हो रहा था। कुरुक्षेत्र के मैदान में अर्जुन जब वाण चलाते थे तो बाणों के वेग से कर्ण का रथ मीलों पीछे चला जाता था, लेकिन जब कर्ण वाण चलाता था तो अर्जुन का रथ महज तीन कदम पीछे जाता था। इसके बाबूजूद अर्जुन के सारथी बने स्वयं भगवान कृष्ण के मुंह से निकल पड़ता था-वाह कर्ण वाह.... अर्जुन को कृष्ण के मुंह से कर्ण की तारीफ सुनकर अच्छा नहीं लगता था। वे दुखी हो रहे थे। आखिर में ऊर्जुन नेअपनी नाराजगी जताते हुए श्री कृष्ण से पूछा- हे वासुदेव मैं जब तीर चलाता हूं तो कर्ण का रथ मीलों पीछे चला जाता है और वह जब वाण चलाता है तो मेरा रथ सिर्फ तीन कदम पीछे हटता है। फिर भी आप मेरी बजाय कर्ण की तारीफ करते हैं। तब कृष्ण ने अर्जुन को सच्चाई बताई। कृष्ण ने अर्जुन कहा कि वे स्वयं उनके रथ पर तीनों लोकों का भार लेकर बैठे हैं। इसके अलावा रथ पर फहरा रही पताका पर हनुमान जी रोम-रोम में पहाड़ बांधकर सवार थे। इतना वजन होने के बावजूद कर्ण अपने बाणों से अर्जुन के रथ को तीन कदम पीछे ढकेल देता था। *18 वीं लोक सभा चुनाव में विपक्ष कर्ण की तरह लड़ी। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत ने एक पुनः साबित कर भारत ही सचमुच में प्रजातंत्र की जननी है।

मुझे भी इस लोक सभा चुनाव में यही सब देखने को मिला। एक तरफ स्वयं भीष्म पितामह की तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उनके चाणक्य अमित शाह और योगी आदित्यनाथ तथा राजनाथ सिंह समेत भाजपा सासित प्रदेशों के मुख्य मंत्री उनके दर्जनों सहयोगी थे। 10 वर्ष तक केंद्र सरकार-सरकारी तंत्र थे, दूसरी राहुल गांधी व थे व उसके सहयोगियों में अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, स्टालिन आदि कम नामधारी क्षेत्रीय दलों के नेता थे आखिर में पश्चिमी बंगाल के योद्धा ममता बनर्जी ने इस लड़ाई में साथ नहीं दी आईं। वे विपक्ष के खेमे में जरूर थीं लेकिन उन्होंने अपना डेरा अलग से जमा रखा था। इसके अलावा मोदी जी के पास तमाम .संसाधन व सरकारी तंत्र थे। सता में रहने के कारण घन के देवता कुबेर का चुनावी चन्दा रूप बांड से उगाहे गए हजारों करोड़ रुपये, चुनाव आयोग और दूसरी सरकारी एजेंसियों, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), सीबीआई और इनकम टैक्स विभाग, गोदी मीडिया और सर्वे करनी वाली मायावी राक्षसी प्रवृत्ति वाली एजेंसियों की ताकत थी जो आखिरी समय तक विपक्षी नेताओं को परेशान करती रही। इसके बावजूद विपक्षी नेताओं ने मोदी जी के दांत खट्टे कर दिये। सम्पूर्ण देश में मोदी की गारंटी, राम मन्दिर ह्मांगल सुत्र हिन्दू खतरे में के सहारे 400 पार की गगन भेदी घोषणा करने वाले की टीम थी। भारतीय मतदाताओं नें मोदी जी के विजय रथ को 240 सीटों व सहयोगी दलों ए डी ए 290 में ही जबरदस्त ब्रेक लगा दिया है। बीजेपी को उन्होंने पूर्ण बहुमत नहीं पाने दिया। 18वें लोक सभा चुनाव जो कि विषम परिस्थितियों में सबसे लम्बी अविधि चलने के समाप्त हो चुकी है। इस लोक सभा के साधारण चुनाव के परिणाम में यह एक बार पुनः साबित कर प्रजातंत्र में जनता ही जनार्दन है। नरेन्द्र मोदी जी प्रधानमंत्री पद पाने के लिए गठबन्धन कर लिया। परिणाम स्वरूप राजनीति पंडितओं में चर्चा व चिन्तन का दौर शुरू हो गया है कि मोदी जी जो कल तक विश्वगुरु भारत को बना रहा था ह्याब्दले दिन का राग अलाप रहे हो हिन्दू राष्ट्र बनाने का सपना देख रहे है। हमने राम को लाये है। राम को लाने वाले को जनता लायेगी। इसी बल पर अबकी बार 400 पार का गर्जना करते थक नहीं रहे थें-उन्हे केन्द्र में सता के सिंघासन पर आसिन होने के लिए चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार के हाथ थाम कर वैसाखी लेने को मोदी मजबुर हो गई है। राजनीतिक पंडितओं के माने तो मोदी जी के 36 के आंकड़े न भी हो तो मधुर संबंध तो नहीं ही हैं। इस चुनाव की सबसे खास और बीजेपी के लिए सबसे खतरनाक बात यह है कि भारत के उत्तर और पश्चिम उसके अभेद्य किले को विपक्ष ने भेद दिया है। कहीं ध्वस्त किया है तो कहीं बड़ा नुकसान पहुंचाया है। दिल्ली की सत्ता के द्वारा देश के सबसे बड़े और महत्त्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश में उन्होंने बीजेपी को धूल चटा दी है। आप को बता दे कि पिछले लोक सभा चुनाव में 62 सीट जीतने वाली बीजेपी को इस बार 33 सीटों पर समेट दिया है। राजस्थान में बराबरी से मुकाबला किया है।

संतानों के दुर्व्यवहार एवं उत्पीड़न से जटिल होती वृद्धावस्था

यही पीड़ा वृद्धजन को पल-पल की घुटन, तनाव एवं उपेक्षा से निकलकर वृद्धाश्रम जाने के लिए विवश करती है। संतान द्वारा बुजुर्गों की आवश्यकताओं को पूरा न करना गरिमा के साथ स्वतंत्र जीवन जीने जैसे मानवाधिकारों का हनन है। संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने इस स्थिति को नियंत्रण से बाहर कर दिया है। एक बड़ा प्रश्न है कि वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार के इस गलत प्रवाह को किस तरह से रोके? क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्धों के जीवन से जुड़ी इस विकट समस्या के समाधान के लिये ही विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस हर साल 15 जून को मनाया जाता है। इस दिन की शुरूआत सबसे पहले 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा बुजुर्गों द्वारा अनुभव किए जाने वाले दुर्व्यवहार के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए की गई थी। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार को ह्यएकल, या बार-बार की गई हरकत, या उचित कार्रवाई की कमी के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जो किसी भी रिश्ते में घटित होती है, जहाँ विश्वास की उम्मीद होती है, जो किसी बुजुर्ग व्यक्ति को नुकसान या परेशानी पहुँचाती हैह्व। यह एक वैश्विक सामाजिक एवं पारिवारिक मुद्दा है जो दुनिया भर में लाखों बुजुर्गों के स्वास्थ्य और मानवाधिकारों को प्रभावित करता है और एक ऐसा मुद्दा है जिस पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को ध्यान देने की आवश्यकता है।

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

देश ही नहीं, दुनिया में वृद्धों के साथ दुर्व्यवहार, प्रताड़ना, हिंसा बढ़ती जा रही है, जो जीवन को नरक बनाये हुए है। बच्चे अपने माता-पिता के साथ बिल्कुल नहीं रहना चाहते। यही पीड़ा वृद्धजन को पल-पल की घुटन, तनाव एवं उपेक्षा से निकलकर वृद्धाश्रम जाने के लिए विवश करती है। संतान द्वारा बुजुर्गों की आवश्यकताओं को पूरा न करना गरिमा के साथ स्वतंत्र जीवन जीने जैसे मानवाधिकारों का हनन है। संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने इस स्थिति को नियंत्रण से बाहर कर दिया है। एक बड़ा प्रश्न है कि वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार के इस गलत प्रवाह को किस तरह से रोके? क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्धों के जीवन से जुड़ी इस विकट समस्या के समाधान के लिये ही विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस हर साल 15 जून को मनाया जाता है। इस दिन की शुरूआत सबसे पहले 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा बुजुर्गों द्वारा अनुभव किए जाने वाले दुर्व्यवहार के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए की गई थी। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार को ह्यएकल, या बार-बार की गई हरकत, या उचित कार्रवाई की कमी के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जो किसी भी रिश्ते में घटित होती है, जहाँ विश्वास की उम्मीद होती है, जो किसी बुजुर्ग व्यक्ति को नुकसान या परेशानी पहुँचाती हैह्व। यह एक वैश्विक सामाजिक एवं पारिवारिक मुद्दा है जो दुनिया भर में लाखों बुजुर्गों के स्वास्थ्य और मानवाधिकारों को प्रभावित करता है और एक ऐसा मुद्दा है जिस पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को ध्यान देने की आवश्यकता है। विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस 2024 की थीम ह्यसभी पहचानों की बुजुर्ग पीड़ितों के लिए सम्मान, सुरक्षा और कल्याण को प्राथमिकता देनाह्व है। याद रखें, बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार को रोकने में छोटी-छोटी कदम भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन लोगों की आवाज बनें जो खुद के लिए बोलने में सक्षम नहीं हैं, दूसरों को शिक्षित करें और बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए काम करने वाले संगठनों का समर्थन करें। साथ मिलकर, हम एक ऐसी दुनिया बना सकते हैं जहाँ हर बुजुर्ग अपने बुढ़ापे को गरिमा, आत्मसम्मान, सुरक्षा और स्वस्थता के साथ जी सके।

विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस एक प्रयोजनात्मक अवसर एवं उत्सव है। यह दिन उन तरीकों को खोजने के लिए भी मनाया जाता है कि कैसे समाज में बुजुर्ग लोगों की उपेक्षा, दुर्व्यवहार एवं उनके प्रति बरती जा रही उदासीनता की त्रासदी से उन्हें मुक्ति देकर उन्हें सुरक्षा कवच मानने की सोच को विकसित किया जाये ताकि वृद्धों के स्वास्थ्य, निष्कंटक एवं कुंठारहित जीवन को प्रबंधित किया जा सकता है। वृद्धों को बंधन नहीं, आत्म-गौरव के रूप में स्वीकार करने की अपेक्षा है। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार का कारण क्या है? वृद्ध व्यक्ति अक्सर गतिशीलता संबंधी समस्याओं, पुरानी स्वास्थ्य स्थितियों या सामाजिक अलगाव का सामना करते हैं। इसके अतिरिक्त, आपात स्थितियों का तनाव और अराजकता शारीरिक, भावनात्मक, वित्तीय या उपेक्षा सहित बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार के जोखिम को बढ़ा सकती है। आपातकालीन स्थितियों में वृद्ध व्यक्तियों द्वारा सामना की जाने वाली विशिष्ट चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाकर, हम अधिक समावेशी और सुरक्षात्मक वातावरण को बढ़ावा दे सकते हैं।

बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार एक ऐसी वैश्विक समस्या है जो विकासशील और विकसित दोनों देशों में मौजूद है, हालाँकि बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार की सीमा अज्ञात है, लेकिन इसका सामाजिक और नैतिक महत्व स्पष्ट है। नये विश्व की उन्नत एवं आदर्श संरचना बिना वृद्धों की सम्मानजनक स्थिति के संभव नहीं है। वर्किंग बहुओं के ताने, बच्चों को टहलाने-घुमाने की जिम्मेदारी की फिक्र में प्रायः जहां पुरुष वृद्धों की सुबह-शाम खप जाती है, वहीं महिला वृद्ध एक नौकरानी से अधिक हैसियत नहीं रखती। यदि परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। वर्तमान युग की बड़ी विडम्बना एवं विसंगति है कि वृद्ध अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, वृद्धों की उपेक्षा स्वस्थ एवं सुसंस्कृत परिवार परम्परा पर काला दाग है। हम सुविधावादी एकांगी एवं संकीर्ण सोच की तंग गलियों में भटक रहे हैं तभी वृद्धों की आंखों में भविष्य को लेकर भय है, असुरक्षा और दहशत है, दिल में अन्तहीन दर्द है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्धों को मुक्ति दिलानी होगी। इसके लिये आज विचारक्रांति ही नहीं, बल्कि व्यक्तिक्रांति एवं परिवार-क्रांति की जरूरत है। हमारा भारत तो बुजुर्गों को भगवान के रूप में मानता है। इतिहास में अनेकों ऐसे उदाहरण है कि माता-पिता की आज्ञा से भगवान श्रीराम जैसे अवतारी पुरुषों ने राजपाट त्याग कर वनों में विचरण किया, मातृ-पितृ भक्त श्रवण कुमार ने अपने अन्धे माता-पिता को काँवड़ में बैठाकर चारधाम की यात्रा कराई। फिर क्यों आधुनिक समाज में वृद्ध माता-पिता और उनकी संतान के बीच दूरियां बढ़ती जा रही है। आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, दुर्व्यवहार, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्ध समाज इतना कुंठित एवं उपेक्षित क्यों है, एक अहम प्रश्न है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार अनेक स्वस्थ एवं आदर्श समाज-निर्माण की योजनाओं को आकार देने में जुटी है, उन्हें वृद्धों को लेकर भी चिन्तन करते हुए वृद्ध-कल्याण योजनाओं को लागू करना चाहिए, ताकि वृद्धों की प्रतिभा, कौशल एवं अनुभवों का नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में समुचित उपयोग हो सके एवं आजादी के अमृतकाल को वास्तविक रूप में अमृतमय बना सके। संयुक्त राष्ट्र ने विश्व में बुजुर्गों के प्रति हो रहे दुर्व्यवहार और अन्याय को समाप्त करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय है। बड़े बूढ़ों के साथ दुर्व्यवहार देखकर लगता है जैसे हमारे संस्कार ही मर गए हैं। बुजुर्गों के साथ होने वाले अन्याय के पीछे एक मुख्य वजह सामाजिक प्रतिष्ठा मानी जाती है। तथाकथित व्यक्तिवादी एवं सुविधावादी सोच ने समाज की संरचना को बदसूरत बना दिया है। आज बन रहा समाज का सच डरावना एवं संवेदनहीन है। आदमी जीवनमूल्यों को खोकर आखिर कब तक धैर्य रखेगा और क्यों रखेगा जब जीवन के आसपास सबकुछ बिखरता हो, खोता हो, मिटता हो और संवेदनाशून्य होता हो।

आओ गंगा नहाएं हम और आप भी

हम गंगा का पुत्र होने में अपने आपको गौरवान्वित महसूस करते हैं। गंगा की सौगंध खाते हैं, अपनी सच्चाई को प्रमाणित करने के लिए गंगाजल उठाते है। पाप निवारण के लिए गंगा स्नान करते हैं। और जब कोई बड़ा काम सम्पन्न करने में कामयाब हो जाते हैं तो राहत की सांस लेते हुए कहते हैं - चलिए हमने तो गंगा नहा ली। गंगा के बारे में हर भारतीय जानता है। पूरब का हो, चाहे पश्चिम का, उत्तर का हो या दक्षिण का, सबके लिए गंगा का महत्व है। ये बात अलग है कि सबकी गंगा अलग-अलग है। गंगा दरअसल प्रयाग या हरिद्वार में ही नहीं बहती, बल्कि हर व्यक्ति के मन में बहती है। समस्या ये है कि इन तमाम गंगाओं का मिलन होना सुनिश्चित नहीं है। आपने राजकपूर की फिल्म संगम तो देखी ही होगी। इस फिल्म का शीर्षक गीत है ये सवाल खड़े करता है कि तेरे मन की और मेरे मन की गंगा का मिलन होगा या नहीं ? गीतकार शैलेन्द्र ने जब ये गीत लिखा और शंकर -जयकिशन ने इसे संगीतबद्ध कर मुकेश से गवाया था तब ये सोचा भी न होगा कि गंगा एक समय में यक्ष -प्रश्न बन जाएगी और कोई भी इस सवाल का जबाब नहीं दे पायेगा कि हमारे-आपके मन की गंगा का मिलन आज की सियासत होने देगी या नहीं ? ईश्वर के वजूद को लेकर अक्सर मेरे मन में प्रश्न रहते हैं किन्तु गंगा को लेकर मेरे मन में कभी कोई दुविधा नहीं रही। मैंने जब से होश सम्हाला है गंगा को विभिन्न रूपों में देखा है। गंगा के प्रति अपने पूर्वजों के मन में अगाध श्रृद्धा देखी है। हम भारतीयों में से बहुत से आज भी किसी कानून से, किसी अदालत से भले ही न डरते हों लेकिन गंगा से डरते हैं।

राकेश अचल
सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक,

राजनीति से हटकर आइये आज गंगा की बात करते हैं। गंगा हमारे लिए केवल एक नदी नहीं है बल्कि संस्कृति का एक जीवंत प्रतीक है। हम गंगा का पुत्र होने में अपने आपको गौरवान्वित महसूस करते हैं। गंगा की सौगंध खाते हैं, अपनी सच्चाई को प्रमाणित करने के लिए गंगाजल उठाते है। पाप निवारण के लिए गंगा स्नान करते हैं। और जब कोई बड़ा काम सम्पन्न करने में कामयाब हो जाते हैं तो राहत की सांस लेते हुए कहते हैं - चलिए हमने तो गंगा नहा ली।

गंगा के बारे में हर भारतीय जानता है। पूरब का हो, चाहे पश्चिम का, उत्तर का हो या दक्षिण का, सबके लिए गंगा का महत्व है। ये बात अलग है कि सबकी गंगा अलग-अलग है। गंगा दरअसल प्रयाग या हरिद्वार में ही नहीं बहती, बल्कि हर व्यक्ति के मन में बहती है। समस्या ये है कि इन तमाम गंगाओं का मिलन होना सुनिश्चित नहीं है। आपने राजकपूर की फिल्म संगम तो देखी ही होगी। इस फिल्म का शीर्षक गीत है ये सवाल खड़े करता है कि तेरे मन की और मेरे मन की गंगा का मिलन होगा या नहीं ? गीतकार शैलेन्द्र ने जब ये गीत लिखा और शंकर -जयकिशन ने इसे संगीतबद्ध कर मुकेश से गवाया था तब ये सोचा भी न होगा कि गंगा एक समय में यक्ष -प्रश्न बन जाएगी और कोई भी इस सवाल का जबाब नहीं दे पायेगा कि हमारे-आपके मन की गंगा का मिलन आज की सियासत होने देगी या नहीं ?

ईश्वर के वजूद को लेकर अक्सर मेरे मन में प्रश्न रहते हैं किन्तु गंगा को लेकर मेरे मन में कभी कोई दुविधा नहीं रही। मैंने जब से होश सम्हाला है गंगा को विभिन्न रूपों में देखा है। गंगा के प्रति अपने पूर्वजों के मन में अगाध श्रृद्धा देखी है। हम भारतीयों में से बहुत से आज भी किसी कानून से, किसी अदालत से भले ही न डरते हों लेकिन गंगा से डरते हैं। उनका डर सम्मान की वजह से है। हर भारतीय आज भी गंगा को पाप-नाशिनी मानता है। पतित-पावन मानता है। और ये मान्यता कोई एक दिन में या 2014 के बाद नहीं बनी। ये सदियों, युगों और कल्पों के बाद बनी है। हर भारतीय के घर में गंगा मौजूद मिलेगी। शीशी में, कंटेनर में। आखिरी वक्त में सभी को मोक्ष पाने के लिए गंगाजल की दरकार होती है, भले ही उसने जीवन में कभी गंगा स्नान किया हो या न किया हो।

भगवान शिव को किसी ने नहीं देखा, भगीरथ को किसी ने नहीं देखा लेकिन गंगा को सबने देखा है। सबको गंगावतरण की पौराणिक कथा का ज्ञान है। सब मानते हैं कि यदि रघुवंशी भगीरथ हठ न करते तो गंगा भूलोक में शायद न आती। शिव यदि गंगा को अपनी जटाओं में धारण करने का साहस न दिखाते तो गंगा धरती पर या तो आती ही नहीं और यदि आ भी जाती तो समूची सृष्टि को अपने आवेग के साथ बहा ले जाती। गंगा दुनिया कि किसी दूसरे देश में नहीं है। अमेरिका में नहीं, चीन में नहीं, जापान में नहीं, रूस में नहीं। गंगा सिर्फ भारत में है और हम शान से गर्व से कहते हैं कि - हम उस देश कि वासी हैं जिस देश में गंगा बहती है। यानि गंगा हमारा आइडेंटिटी कार्ड है, परिचय पत्र है। दुनिया में शायद ही कोई ऐसा देश हो जहाँ कि नागरिक अपने परिचय कि तौर पर अपने देश की किसी नदी का इस्तेमाल करते हैं।

चूंकि 16 जून को गंगा दशहरा है, इसलिए मै आपके सामने गंगा -पुराण लेकर बैठ गया। वरना किसे फुरसत है गंगा पर बात करने की। गंगा को लेकर हम आम भारतीय ही नहीं बल्कि हमारी सरकारें भी बहुत संवेदनशील दिखाई देतीं हैं लेकिन असल में होती नहीं हैं। वे दुनिया कि पाप धोने वाली गंगा कि शुद्धिकरण और उसके पुनर्जीवन कि लिए नमामि गंगे प्रोजेक्ट तो बना लेते हैं किन्तु उसे भी सियासत के रंग में रंग देते है। भ्ष्टार्चार की भेंट चढ़ा देते हैं। भारत कि भाग्यविधाता चूंकि खुद को गंगा पुत्र कहते हैं इसलिए देश में नमामि गंगे प्रोजेक्ट को उनका दिव्यस्वप्न माना जाता है। भाग्यविधाता को गंगा ने तीसरा अवसर दे दिया लेकिन इस प्रोजेक्ट को आज तक पूरा नहीं किया जा सका मुमकिन है कोई मजबूरी रही हो। इस परियोजना पर हम भी बात नहीं करना चाहते, अन्यथा कहा जाएगा की हम फिर सियासत पर आ गए !

हम और आप साधारण इंसान हैं इसलिए हम और आप ऐसी कोई बात नहीं कर सकते जो असाधारण हो। असाधारण बात करने का हक असाधारण लोगों को ही है। बल्कि असाधारण बातें आजकल केवल अविनाशी लोगों का एकाधिकार माना जाता है। साधारण बात ये है कि हम गंगा को पूजते हैं लेकिन उसकी फिक्र नहीं करते। हमें गंगा कि प्रति फिक्रमंद होने कि लिए उन देशों से सीखना होगा जिनके पास गंगा तो नहीं है लेकिन उनकी नदियाँ गंगा से सौ गुना ज्यादा स्वच्छ हैं। विदेशी अपनी नदियों कि लिए किसी सरकार पर निर्भर नहीं होते। वे ये कामखुद करते हैं, लेकिन हम ये सब नहीं करते। हम गंगा दशहरे पर गंगा को पूजेंगे, उसकी आरती उतारेंगे, दान-पुण्य करेंगे लेकिन उसकी कोख को गंदगी से भर आएंगे।

हमारी नब्बे साल की दादी फूलकुंवर अनपढ़ थीं लेकिन जानतीं थीं कि ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर गंगा दशहरा मनाया जाता है। इस दिन गंगा जी की पूजा, गंगाजल से स्नान जरुर करना चाहिए. मान्यता है इससे व्यक्ति के कई जन्मों के पाप धुल जाते है। वे गांव के पास बहने वाली बेतवा को ही गंगा मानकर उसमें डुबकी लगा लेतीं थी। उनके मायके कि पास भी गंगा नहीं थी, वहां जमुना थी। वे उसे भी गंगा मानतीं थीं। हमारे पास भी गंगा नहीं बल्कि चंबल है। हम चंबल को ही अपनी गंगा मानते हैं। गंगा को बचाने का मतलब हर नदी को बचाने से होना चाहिए तब तो गंगा को पूजने का, उसमें नहाने का कोई अर्थ सार्थक हो सकता है।

हमने संविधान , भाईचारा, मंगलसूत्र, मुजरा, आरक्षण आदि मुद्दों पर हाल ही में चुनाव देखा है। हमारे राजनितिक दलों और नेताओं ने तो चुनाव कराकर गंगा नहा ली, लेकिन गंगा का जिक्र एक बार भी नहीं किया। कोई सत्ता पक्ष में पहुँच गया तो कोई प्रतिपक्ष में। जो कहीं नहीं पहुंचा वो निर्दलीय है, जहाँ ज्यादा चारा मिलेगा , वहां पहुँच जायेगा। लेकिन आप तो अपनी सोचिये। अपनी गंगा की सोचिये। आप गंगा दशहरा के दिन तुलसी के पत्तों को गंगाजल से धोकर, फिर इन्हें एक लाल कपड़े में बाधकर तिजोरी में रख कर अपनी दरिद्रता दूर करने और घर में लक्ष्मी रोकने कि फेर में न पड़ें। तुलसी में जल अर्पित कर श्री तुलसी स्तोत्रम् का पाठ करें या न करें , इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला गंगा की सेहत पर। अंत में भले ही गंगा जू मां गंगा धरती पर सागर के 60 हजार पुत्रों को मोक्ष देने के लिए आई थी, लेकिन वे देश कि करोड़ों हिन्दू -मुसलमानों को मोक्ष दिला सकतीं है। शर्त एक ही है कि आप देश की गंगा-जमुनी संस्कृति के खिलाफ खड़े लोगों को पहचानकर उनके खिलाफ खड़े हो जाएँ। आपका गंगा स्नान हुआ मान लिया जाएगा। आपकी गंगा दशहरे की पूजा को गंगा जी स्वीकार कर लेंगी। गंगा ने आजतक हिंदू - मुसलमान नहीं किया। तब भी जब मुगलों ने उसका नाम अल्लाहाबाद रख दिया था और आज भी जब उसे दोबारा प्रयाग कहा जाने लगा है। शुभकामनाओं सहित।

छात्र परीक्षा के परिणाम से निराश न हों

संजय गोस्वामी

आईआईटी जेईई एडवांस के परीक्षा परिणाम(2024) से कई छात्रों में खुशी मिली और उससे भी ज्यादा छात्रों को निराशा हाथ लगी कई छात्रों को फपक फपक कर रोते देखा हुँ जीससे उनके उम्मिदों पर पानी फिर गया लेकिन चिंता करने से क्या होगा संकट में भी निराश न हों और विश्वास रखें कि प्रभु के हाथ असंख्य हैं। एक छोटा द्वार हमारे लिए बंद हो गया है, तो कोई बड़ा-सा द्वार अवश्य मिलेगा। ईश्वर हमारा श्रेष्ट मित्र एवं बन्धु है। न देवा दण्डमादाय रक्षन्ति पशुपालवत। यं तू रक्षितुमिच्छन्ति बुद्धया संयोजयन्ति तम्। ईश्वर ग्वाले की भाँति लाठी लेकर सहायता नहीं करता है, बल्कि समयोजित बुद्धि प्रदान कर रक्षा करता है। जहाँ उद्यम (पुरुषार्थ), साहस, धैर्य, विवेक, शक्ति और पराक्रम हैं, वहाँ ईश्वर भी सहायता करता है। उद्यम, साहसं धैर्य बुद्धिः शक्तिः पराक्रमः। षडेते यत्र वर्तन्ते तत्र देवो सहायकः। । एक प्रसिद्ध कहावत है- हिम्मते मरदां मददे खुदा। जब मनुष्य हिम्मत से काम लेता है, तब ईश्वर भी उसकी सहायता करता है। साहसे श्री प्रतिवसति। साहस में श्री रहती है। हम जरा साहस करके उठें और दृढ़तापूर्वक आगे बढ़ें, प्रभु अवश्य हमें सहारा देंगे। जीवन की समस्याएँ एक चुनौती हैं, जिसे स्वीकार कर मनोबल, नीतिबल और पुरुषार्थ द्वारा हम इन पर विजयी हो सकते हैं। जीवन-यात्रा के अनजाने मोड़ आने पर विवेक और धैर्य से काम लें, कहीं भी कुछ कठिन नहीं रहेगा। आशा और विश्वास रखो कि फिर प्रभात होगा, अँधेरा मिटेगा और प्रकाश आयेगा। इच्छा-शक्ति से निराशा की जड़ता को समाप्त कर दें। निराश न हों जिंदगी हिम्मत का सौदा है। प्रयत्न करने पर भी बार-बार विफल होने के कारण जब दिल टूट रहा हो, तब भी गिर-गिरकर अपने को संभालकर उठ खड़ा होना चाहिए और संकट की चुनौती को स्वीकार करके आगे बढ़ते रहना चाहिए। हिम्मत हारकर मनुष्य संतुलन और विवेक खो बैठता है तथा विषय परिस्थित को अधिक विषय बना देता है। साहस, संतुलन और विवेक द्वारा ही गंभीर संकट का दृढ़तापूर्वक सामना किया जा सकता है। वज्र संकल्प लेकर उठे और हिम्मत से आगे बढ़े। जीवन का प्रवाह सदैव गतिमान रहता है तथा व्यक्ति एवं स्थिति स्थिर नहीं रह सकते हैं। जो आगे नहीं बढ़ रहा है, वह पीछे या इधर-उधर हट रहा है तथा पतन के समीप जा रहा है। इन्सान को हिम्मत से आगे ही आगे बढ़ते रहना चाहिए। जीवन में साहस और धैर्य ज्ञान की अपेक्षा अधिक उपयोगी सिद्ध होते हैं। धैर्य का अर्थ है, शान्तिपूर्वक कष्ट सहन करना तथा पुनः प्रयत्न करना। अपनी मंजिल तय करते हुए लक्ष्य की ओर हौसले से आगे बढ़ते रहने में ही जीवन का सुख छिपा पड़ा है। मंजिल पै जिन्हें जाना है, शिकवे नहीं करते, शिकवों में जो उलझे हैं, पहुँचा नहीं करते। अपने आपको गाली देना, अपने भाग्य को कोसना तुरंत छोड़ दें-यदि आपने जीवन में सुख की ओर बढ़ने का संकल्प किया है। प्रत्येक स्थिति में प्रसन्न रहना मानों दुर्भाग्य को भी चुनौती देना है। वह इन्सान क्या जो ठोकरें नसीब की न सह सके। परीक्षा के परिणाम को देखकर निराश होना अथवा रोने लगना कायरता है। जैसी आशा करोगे, जैसे विचार करोगे, वैसे बन जाओगे। हमें वही मिलता है, जिसके हम अधिकारी होते हैं। उज्ज्वल भविष्य की आशा करो, उज्ज्वल भविष्य की कल्पना करो, भविष्य उज्ज्वल हो जायगा। निरुत्साही, संशयात्मा एवं अनिश्चयी द्विविधा में पड़ा रहता है तथा संकल्पवान् आगे बढ़ जाता है। जीवन में सुख की समुज्ज्वल कल्पना करो, आशा और विश्वास के साथ आगे बढ़े चलो। एक दिन तुम अवश्य सफल होगे।

संक्षिप्त खबरें

स्वयंसेवकों ने किया रक्तदान

छपरा कार्यालय। राष्ट्रीय सेवा योजना राजेंद्र कॉलेज के छात्र ने विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर रक्तदान किया।रक्तदान महादान के मूल मंत्र पर कार्य करने वाला स्वयं सेवक रूपेश कुमार निषाद प्रत्येक वर्ष चार बार रक्तदान करते हैं। इस के लिए प्राचार्य सुशील श्रीवास्तव ने हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा की ऐसे युवा ही हमारी धरोहर हैं, जो सामाजिक गतिविधियों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेकर अपनी सच्ची शिक्षा का परिचय देते हैं। कार्यक्रम पदाधिकारी ने सभी स्वयंसेवकों को रक्तदान के महत्व बारे में बताते हुए छात्रों को रक्तदान हेतु बताया।

चोरी की बिजली जलाने के मामले मे जेई से दर्ज कराई प्राथमिकी

बनियापुर । चोरी से बिजली का उपभोग करने के मामले मे विद्युत विभाग के जेई ने दो लाख रुपया जुमार्ना लगाते प्राथमिकी दर कराया है जिसमे इब्राहिमपुर गाव निवसी आदित्य प्रसाद पिता रामप्रवेश प्रसाद द्वारा बाईपास मीटर लगाकर बिजली चोरी से उपयोग करने का मामला दर्ज कराया है। प्राथमिकी मे सहायक अभियंता अमरजीत कुमार ने की उक्त व्यक्ति द्वारा गलत ढंग से बिजली की चोरी कर रहा था जिससे विद्युत राजस्व का बड़ा नुकसान हुआ वही उक्त उपभोक्ता के यहां पूर्व का भी बकाया है जिसका मीटर जप्त करते उसके विरुद्ध मामला दर्ज कराया गया है।

शादी की नियत से युवती का अपहरण का मामला दर्ज

बनियापुर। बनियापुर के पूछरी गाव से एक युवती की शादी की नियत से अपहरण के मामले मे माता के व्यान पर प्राथमिकी दर कराकर गाव के चार लोगो को नामजद किया गया है। घटना मे पीड़िता ने बताई है की पुत्री शाम को शौच के लिए गयी थी,जब काफी देर तक घर वापस नही आई तो आसपास तथा रिस्ते नाते मे काफी खोजबीन की गयी कही पता नही चला,सूत्रों से पता चला की गाव के ही चार लोगो द्वारा शादी की नियत से अपहरण कर लिया गया है,पीड़िता ने कुशल बरामदगी के लिए पुलिस आग्रह किया है।

बिहार में अपराधियों से जानता है त्रस्त एनडीए की सरकार है मस्तः संजय कुमार

छपरा कार्यालय।युवा राजद जिला उपाध्यक्ष संजय कुमार ने कहा कि दिन पर दिन अपराधी घटनाएं घटित होता रहता है। लेकिन एनडीए के नेताओं को अब दिखाई नहीं देता केवल जंगल राज की बात करके सुर्खियां बटोरना चाहते हैं। क्या अब मंगल रात चल रहा है। खुलेआम सारण जिले में अधिवक्ताओं की दिनदहाड़े गोलियों से मौत की घाट उतार दिया जाता है। भाजपा के उपमुख्यमंत्री कहते हैं कि अपराधियों को किसी भी क्षण में बक्सा नहीं जाएगा। लेकिन एक माह का सर्वे कर लिया जाए। इसी पता चल जाएगा की बिहार की आम-आवाम का क्या हालत है । इस पर यहां के एनडीए नेताओं की खामोशी से स्पष्ट हो रहा है कि बिहार में अपराधी मस्त है। पुलिस प्रश्न है और सरकार में बैठे लोग मलाई काटने में व्यस्त है। अपराधिक मामले पर छपी क्यों शादी हुए हैं माननीय मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री आज जिस तरह से हत्याओं का सिलसिला और महिलाओं पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ रही है। इस पर आप लोग भूल क्यों नहीं रहे हैं। इस मामले पर अपनी स्थिति स्पष्ट करें।

युवती को पुलिस ने सिवान से किया गिरफ्तार

एकमा। स्थानीय थाना पुलिस ने शादी कि नियत से एक माह पुर्व घर से अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई थी। जिसकी शिकायत युवती के परिजनों ने थाने में एक लिखित आवेदन देकर किया था। जहां थाना पुलिस ने दोनों कि गिरफ्तारी के लिए हाथ पांव मार रही थी । लेकिन सफलता हासिल नहीं हो रही थी । जहां शुक्रवार के दिन थाना पुलिस ने सिवान रेलवे जंक्शन से प्रेमी प्रेमिका को गिरफ्तार कर थाना लाकर पूछताछ किया । गिरफ्तार प्रेमी की पहचान थाना क्षेत्र के ब्लांक रोड़ गिरि कालोनी निवासी स्वर्गीय गाया प्रसाद का पुत्र मन्नु माहाकाल उर्फ मन्नु कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने गिरफ्तार युवक को जेल भेज दिया।वहीं युवती को 164 के बयान हेतु अपने हिरासत में रखा है ।

परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि घोषित

छपरा सदर। जयप्रकाश विश्वविद्यालय स्नातक सेमेस्टर-1 सीबीसीएस परीक्षा 2023 (सत्र 2023-27) के परीक्षा प्रपत्र भरने की तिथि घोषित कर दी गई है। माननीय कुलपति प्रो. परमेंद्र कुमार बाजपेई के निर्देश पर परीक्षा नियंत्रक डॉ दिलीप कुमार द्वारा एतत्संबंधी पत्र जारी कर दी गई है। विश्वविद्यालय क्षेत्रान्तर्गत सभी अंगीभूत एवं संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य/प्रभारी प्राचार्य को प्रेषित पत्र के मुताबिक बिना विलंब शुल्क के परीक्षा प्रपत्र भरने की तिथि 15 जून 2024 से 20 जून 2024 निर्धारित की गई है। परीक्षा प्रपत्र भरने का शुल्क 600 रुपये है। वहीं, 200 रुपया विलंब शुल्क के साथ परीक्षा प्रपत्र जमा करने की तिथि 21 जून 2024 से 24 जून 2024 तक निर्धारित की गई है।

मीना बाजार क्षेत्र को जल जमाव मुक्त बनाने के लिए बरसात पूर्व सफाई में गुणवत्ता जरूरी:गरिमा

मुख्य नाले की जारी मैनुअल सफाई उड़ाही का महापौर ने किया दल बल सहित औचक निरीक्षण

- दर्जनों दुकानदारों ने लगाया साफ सफाई में भारी लापरवाही और गंदगी और सड़ांध की अनदेखी का आरोप,
- बोलीं महापौर केवल मीना बाजार के फुटपाथी दुकानों को छोड़ कर अन्य प्रतिबंधित क्षेत्र में हो रही कौड़ी वसूली पूर्णतया अवैध

प्रातः किरण, संवाददाता

बेतिया(मोहन सिंह)। मीना बाजार क्षेत्र में नगर निगम से जारी मुख्य नाले की तल से उड़ाही का महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने शुक्रवार को औचक निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि नगर के ऐतिहासिक मीना बाजार क्षेत्र को जल जमाव मुक्त बनाये रखने के लिए करीब 15 दिनों से जारी बरसात पूर्व विशेष साफ सफाई में गुणवत्ता सबसे जरूरी है। मौके पर नाला सफाई में कार्यरत दस मैन्युअल मजदूर ही पाए गए।इस दौरान वार्ड 14 स्थित मीना बाजार मे पहुंचे दर्जनों दुकानदारों ने मीना बाजार क्षेत्र में दैनिक साफ सफाई व्यवस्था कभी नहीं होने की शिकायत की। दुकानदारों ने यहां तक बताया कि यहां की साफ सफाई हम लोग आपस में चंदा लगाकर करवाते हैं। तब मौके पर मौजूद रहे वार्ड नंबर 14 के वार्ड जमादार, सिटी मैनेजर अरविंद कुमार, घारी प्रभारी तबरेज आलम, सफाई निरीक्षक जुलुम साह को महापौर ने इस स्थिति में तत्काल सुधार की चेतावनी दी। औचक निरीक्षण में पहुंचीं महापौर से स्थानीय फुटपाथी दुकानदारों ने मीना बाजार के अतिरिक्त छोटा रमना, सोआ बाबू चौक, शीतला माता मंदिर रोड, जीएमसीएच रोड और स्टेडियम रोड से खादिम चौक आदि सभी गैर बंदोबस्त क्षेत्र (इन क्षेत्रों में दैनिक कौड़ी नहीं वसूलना है) में भी मीना बाजार के संवेदक के गुर्गों द्वारा रोज रंगदारी के तर्ज पर निर्धारित दर दस रुपया प्रति फुटकर विक्रेता की जगह 70 - 70 रुपया तक बिना रसीद दिए अवैध राशि वसूलने की शिकायत की। उपरोक्त सभी क्षेत्र के दर्जनों फुटपाथी दुकानदारों ने अपनी व्यथा कथा सुनाते हुए कहा कि हम गरीब दुकानदारों का रोज ठेकेदार द्वारा शोषण किया जा रहा है। गैर आवंटित क्षेत्र में बिना दस्तखत मोहर और रकम लिखे ही सादे रसीद पर जैसे रंगदारी की वसूली की जा रही है। कहीं भी मूल्य तालिका का बोर्ड भी नहीं लगाया गया है। ऐसी मनमानी राशि वसूली के बावजूद भी उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। सबको सुनने के बाद महापौर श्रीमती सिकारिया ने कहा कि मीना बाजार के फुटपाथी दुकानों को छोड़ सोवा बाबू चौक पार्किंग स्टैंड, छोटा रमना से आलोक भारती पुल होते हुए खादिम शोरूम होते हुए सोवा बाबू चौक, शीतला माई मंदिर चौक, अवंतिका चौक से खुदाबक्स चौक भाया सोवा बाबू चौक एवं होटल स्वराज तक की दैनिक कौड़ी वसूली के इन चारों सैरातों की बंदोबस्ती पूर्व में नहीं की गई है। इन क्षेत्र में हो रही कौड़ी वसूली पूर्णतया अवैध है। मीना बाजार के बाहर के गैरआबंटित फुटपाथी दुकानदारों से उन्होंने किसी को भी एक रुपया भी कौड़ी के रूप में नहीं देने की अपील की।

बगहा में घास काटने गई 2 बच्चियों में 1 की मौत 1 लापता

प्रातः किरण, संवाददाता

बेतिया(मोहन सिंह)।बगहा थाना क्षेत्र अंतर्गत घास काटने के लिए घर से निकले दो बच्ची की मौत हो गई है. एक बच्ची का शव गंडक नदी से मिला है, जबकि दूसरे की खोज की जा रही है. पूरा मामला बगहा के शस्त्रीनगर मोहल्ले की है, जहाँ गुरुवार को दोपहर सूखई चौधरी की पुत्री नीलम कुमारी (12) और राजेश खटीक की पुत्री संजना (7) घास काटने के लिए घर से निकली थी,लेकिन शाम तक नहीं लौटी तो रात्रि में नदी के किनारे देखा गया। आसपास में पता किया गया लेकिन लड़कियों का पता नहीं चला वहीं शुक्रवार की सुबह कुछ लोगों के द्वारा शव को गंडक नदी में देखा गया। जिसकी सूचना पर पहुंचे तो पता चला कि नीलम कुमारी का शव है। वहीं संजना केशव की खोजबीन अभी भी जारी है. बताते चलें कि हाल के दिनों में इसी इलाके में डूबने की वजह से आठ लोगों की जान जा चुकी है. विगत 10 जून को सोंखर निवासी जगदीश राय की मौत नहर में नहाने के क्रम में हो गई। जिनका शव 11 जून को बरामद किया गया। जबकि 8 जून को वाल्मीकि नगर थाना क्षेत्र के कदमहिया कंपार्ट के निकट दोन नहर में नहाने के क्रम में एक 12 वर्षीय बालक भोला चौहान की दोन नहर में डूबने से मौत हो गई। 3 जून को बगहा में नहाने के क्रम में गोडियापट्टी के रहने वाले दो चचेरे भाई-बहन गोडियापट्टी निवासी सबरु चौधरी के पुत्र सुनील कुमार (10) व विजय चौधरी की पुत्री पायल कुमारी (12) की मौत डूबने के कारण हो गई। जबकि 3 जून को ही पुअर हाउस के समीप नदी में नहाने के दौरान पुअरहाउस निवासी राजेश गोंड की पुत्री प्रतिमा कुमारी (10) और अवध बिहारी की पुत्री तकली कुमारी (11) की डूबने से मौत हो गई।

जनसुराज पार्टी के तत्वावधान में वॉलीबॉल प्रतियोगिता का हुआ आगाज

प्रातः किरण, संवाददाता

चनपटिया(ए के सिंह)।प्रखंड क्षेत्र के सिरिसिया विश्वास खेल के मैदान में बृहस्पतिवार को चार दिवसीय वॉलीबॉल खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जिसका शुभारंभ जन सुराज के जिला महासचिव राघवेंद्र पाठक चनपटिया के पूर्व प्रखंड प्रमुख सह जनसुराज जिला उपाध्यक्ष कमलेश कुमार ने संयुक्त रूप से फिता काटकर खेल का शुभारंभ किया। खेल का पहला दिन वॉलीबॉल यूथ क्लब बरहरवा बनाम जय हिंद वॉलीबॉल क्लब बगही बघम्मरपुर एवं, बरदाहा बनाम शिकारपुर जबकि बगहा और योगियाटोलाके बीच खेला गया। वही कमलेश कुमार ने , खिलाड़ियों को हौसला बढ़ाते हुए कहा कि, खेल को खेल के भावना से खेलनी चाहिए ।खेल में हार जीत एक सिक्के के दो पहलू होता है। श्री पाठक ने कहा कि खेल कूद से शारीरिक व मानसिक विकास के साथ साथ समाज तथा राज्य स्तर पर एक अलग पहचान बनाया जा सकता है। जन सुराज अंबेडकर क्लब की ओर से चार दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के आयोजन में प्रथम दिन जिला के चार टीमों ने भाग लिया, इस खेल का फाइनल मुकाबला 16 जून दिन रविवार को होगा, जिसमें विजेता एवं उपविजेता के खिलाड़ियों को उपहार देकर सम्मानित किया जाएगा। मौके पर जन स्वराज के जिला महासचिव राघवेंद्र पाठक चनपटिया पुर्व प्रखंड प्रमुख सह जनसुराज के जिला उपाध्यक्ष कमलेश कुमार पूर्व प्रखंड प्रमुख राजकिशोर चौधरी, जिला वॉलीबॉल संघ के सचिव सच्चिदानंद ठाकुर जदयू के अखिलेश आजाद, व्यवस्थापक दिनेश सिंह, मनोज साह, चन्द्र किशोर सिंह सहित, सैकड़ो की संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

विश्व रक्तदाता दिवस पर युवाओं ने किया रक्तदान

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर फेस ऑफ फ्यूचर इंडिया जिला इकाई द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन सदर अस्पताल छपरा के ब्लड बैंक में किया गया । मौके पर मौजूद ब्लड बैंक के अधिकारी डॉ किरण ओझा ने कहा कि शिविर में रक्त दान कर रहे फेस ऑफ फ्यूचर इंडिया के द्वारा यह काफी प्रशंसनीय एवं प्रेरणादाई कार्य हो रहा है जिसमें युवाओं को बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए ताकि मानवता का कल्याण हो सके। वही आजाद यादव ने पहली बार ब्लड डोनेट करते हुए कहा कि रक्तदान करने से किसी प्रकार की कमजोरी नहीं होती है युवाओं को समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए ताकि ब्लड बैंक में ब्लड भरा रहे,वही टीम के सक्रिय सदस्य सिद्धांत कुमार ने रक्तदान कर कहा कि हमें किसी जरूरतमंद की सच्ची सेवा करने का मौका देता है रक्तदान जिससे लोगों का बचता है जान । शिविर में रक्तदान करने वाले युवाओं में प्रकर्ष त्रिवेदी , राहुल कुमार सिंह, सिद्धांत कुमार, आजाद कुमार यादव , रूपेश कुमार निषाद एवम् यश राज आदि। युवाओं ने रक्तदान किया।वही संस्था के अध्यक्ष राष्ट्रपति से सम्मानित मंटू कुमार यादव ने कहा कि रक्तदान रक्तदान करने वाले ईश्वर के साक्षात सेवा करते हैं , वही सारण जिला संयोजक मकेशर पंडित उनके कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमें रक्तदान के लिए धन की नहीं बल्कि स्वस्थ तन-मन की जरूरत होती है तथा ब्लड बैंक इंचार्ज धर्मवीर कुमार जी ने फेस ऑफ फ्यूचर इंडिया के द्वारा किए जा रहे लगातार रक्तदान क्षेत्र में योगदान को सराहा और युवाओं को धन्यवाद ज्ञापित किया जिनके कारण सदर अस्पताल में हमेशा रक्त की मौजूदगी बनी रहती है।

आम तोड़ने के विवाद में दो पक्षो में जमकर हुई मारपीट, आधा दर्जन घायल

प्रातः किरण, संवाददाता

दिघवारा नगर।दिघवारा थाना क्षेत्र के मानूपुर पंचायत के मानूपुर गांव में बगीचा में आम तुड़वाने के विवाद को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए जिसमें दोनों पक्षों के आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए और कई वाहनों के शीशे फोड़ उसे क्षतिग्रस्त कर दिया गया।इस संबंध में दोनों पक्ष के बयान पर दिघवारा थाने में अलग अलग प्राथमिकी दर्ज हुई है जिसमें 26 लोगों को नामजद किया गया है।पहली प्राथमिकी में मानूपुर निवासी स्व.कामेश्वर प्रसाद सिंह की बेटी नीतू सिंह ने बताया कि वह अपने पिता द्वारा खरीदी गई जमीन पर लगे आम के बगीचे से गुरुवार को अपने हिस्से का आम तुड़वा रही थी तभी साजिश के तहत पट्टीदार के चाचा अखिलेश सिंह राइफल से लैस होकर धनेश्वर सिंह, सुधु सिंह,हरेंद्र राय,जितेंद्र राय,सुनील राय,मोहन सिंह,बैरिस्टर राय,गणेश महतो,राहुल कुमार,चंदन कुमार,सियाराम राय,दारोगा सिंह,संतोष भगत,विवेक दूबे, जोधी सिंह,अक्षय सिंह,मंटू महतो,मनीष महतो, छठ्ठु महतो,गणेश सिंह,सुजीत कुमार व विश्वजीत कुमार समेत सैकड़ों लोगों के साथ आए और मेरे आदमियों पर हमला बोलते हुए वाहनों के शीशे फोड़ दिए।इस घटना में मेरे तीन लोगों के पैरों की हड्डियां टूट गई और सात लोग घायल हो गए।घायलों की पहचान श्याम कुमार, विनय चौधरी, अजय साह, संतोष कुमार मंटू, मो. शाकिर, राजन कुमार व राकेश कुमार यादव के रूप में हुई है।घटना में तीन वाहनों को क्षतिग्रस्त किया गया है।इस संबंध में थाने में कांड संख्या 200/ 24 के तहत प्राथमिक दर्ज की गई है वहीं दूसरी तरफ पूर्व मुखिया अखिलेश सिंह द्वारा दर्ज प्राथमिकी में श्री सिंह ने बताया कि सतीश कुमार सिंह, कोमल कामिनी, नीतू सिंह एवं मनीष कुमार सिंह द्वारा उनको बराबर हत्या करने और अपहरण करने की धमकी दी जाती है एवं वे लोग रंगदारी स्वरूप अज्ञात अपराधियों से पैसों की मांग करते हैं।उक्त व्यक्तियों द्वारा उन पर पूर्व में कई बार हमला किया जा चुका है।इसी बीच बीते गुरुवार को नामजद सभी चार लोग अपने हाथों में पिस्तौल लेकर 60 से 70 अज्ञात अपराधियों के साथ आए एवं पांच लाख की रंगदारी की मांग की और ऐसा करने से मना करने पर मेरे साथ मारपीट किया और बागवानी के आम को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया गया।इसी बीच ग्रामीणों में गांव में अपराधियों के आने का हल्ला हुआ तो सभी ग्रामीण जुट गए जिसके बाद सभी अपराधी अपनी व मेरी गाड़ी का शीशा तोड़ते हुए भाग खड़े हुए और दहशत फैलाने के लिए झूठा फायर भी किया।प्रथम पक्ष के घायलों का उपचार सदर अस्पताल छपरा व द्वितीय पक्ष के घायलों का इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दिघवारा में किया गया।इस बाबत पूछे जाने पर थानाध्यक्ष रविशंकर कुमार ने बताया कि पुलिस द्वारा दोनों पक्षों के द्वारा दिए गए आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि जमीनी विवाद को लेकर उक्त घटना को अंजाम दिया गया है।

छापेमारी करते हुए 3 बाल श्रमिकों को धावा दल ने किया रेस्क्यू, दोषियों पर होगी कार्रवाई

प्रातः किरण, संवाददाता

मोतिहारी। श्रम संसाधन विभाग बिहार के निर्देश के आलोक में एवं श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, कल्याणपुर के नेतृत्व में कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत विशेष धावा दल के द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों में सघन जाँच अभियान चलाया गया। जाँच के क्रम में कल्याणपुर प्रखंड के कुल-02 प्रतिष्ठानों क्रमशः अंश कुमार पूजा का होटल से 02 बाल श्रमिक एवं प्रमोद किराना स्टोर से 01 बाल श्रमिक अर्थात कुल-03 बाल श्रमिकों को धावा दल की टीम के द्वारा विमुक्त कराया गया। साथ ही श्रम अधीक्षक सत्य प्रकाश द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि यह अभियान पूर्वी चंपारण जिला अंतर्गत लगातार क्रियाशील रहेगा! बाल एवं किशोर श्रम, प्रतिषेध एवं विनियमन अधिनियम, 1986 के तहत सभी नियोजकों के विरूद्ध संबंधित थाने में प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है, जबकि सभी विमुक्त बाल श्रमिकों को बाल कल्याण समिति, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के समक्ष उपस्थापित कर उन्हें बाल गृह में रखा गया है। श्रम अधीक्षक सत्य प्रकाश द्वारा बताया कि बच्चों से प्रतिष्ठान में कार्य कराना बाल एवं किशोर श्रम प्रतिषेध एवं विनियमन के अंतर्गत गैर कानूनी है। बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के अतर्गत बाल श्रमिकों से कार्य कराने वाले व्यक्तियों को 20 हजार रुपए से 50 हजार रुपए तक का जुमार्ना और 2 वर्षों तक का कारावास का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निदेश के आलोक में सभी नियोजकों से 20,000/प्रति बाल श्रमिक की दर से राशि की वसूली की जाएगी। इस विशेष धावा दल की टीम में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, कल्याणपुर सरफराज अहमद खान, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, सुगौली दिवाकर प्रसाद, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, आदापुर राजीव रंजन प्रसाद गोंड, प्रयास संस्था से विजय कुमार शर्मा एवं कल्याणपुर थाना से 05 पुलिस कर्मी एवं एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की टीम शामिल थी।

वाहन चालकों की खैर नहीं,चौतरवा पुलिस ने वाहन जांच में वसुला 26 हजार रुपयें की जुमार्ना

प्रातः किरण, संवाददाता

बगहा। बगहा पुलिस जिला के चौतरवा थाना पुलिस असमाजिक तत्वो, शराब धंधेबाजों के साथ ही बाईक चोरी की घटना पर लगाम लगाने के लिए वाहन जांच अभियान तेज कर दिया है। ताकि असमाजिक तत्वों, शराब धंधेबाजों के विरुद्ध नकेल कसी जा सकें। वाहन जांच अभियान को तेज करते हुए चौतरवा पुलिस ने शुक्रवार एन एच 727 मुख्य मार्ग के इंगलिसिया परसौनी व रतवल चौक समेत विभिन्न जगहों पर धंटों वाहन जांच अभियान चला कर 26 हजार रुपये की जुमार्ना वसुल किया है। अपर थानाध्यक्ष चौतरवा ज्योति पूंज ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के आदेश के आलोक में नियमित व सुचारू रुप से वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सब इन्स्पेक्टर मुकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में धंटों वाहन जांच अभियान चलाई गई। तथा असमाजिक तत्वों के विरुद्ध लगाम लगाने, शराब धंधेबाजों के विरुद्ध नकेल कसने के लिए लगातार वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। ताकि बाईक चोरी की घटना पर लगाम लगाते हुए असमाजिक तत्वों व शराब धंधेबाजों के विरुद्ध नकेल कसी जा कसें।उन्होंने बताया कि वाहन जांच के क्रम में असमाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखते हुए शराब धंधेबाजों के विरुद्ध चौतरवा थाना पुलिस मुहिम छेड़ रखी है। ताकि असमाजिक तत्वों के विरुद्ध लगाम लगाई जा सकें। अपर थानाध्यक्ष ने बताया कि वाहन जांच के दौरान हेलमेट, इंशोरेंश, लाईसेंस समेत विभिन्न प्रकार की कागजातों की सत्यापन की गई। तथा बाईक की कागजात नहीं होने पर चालकों से जुमार्ना वसुल की गई। उन्होंने बताया कि वाहन जांच से चोरी पर लगाम लगेगी, तथा बाईक चोर भी पुलिस की गिरप्त में रहेंगे। उन्होंने सड़क सुरक्षा व परिवहन विभाग के नियमों की पालन करने की अपील वाहन चालकों से की। चौतरवा पुलिस की वाहन जांच अभियान चलाने से वाहन चालकों में हडकंप मच गया है।

अंकों के आधार पर तैयार मेरिट लिस्ट से होंगे चार वर्षीय स्नातक में नामांकन

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा सदर। जयप्रकाश विश्वविद्यालय में नामांकन हेतु आवेदन की प्रक्रिया अब तेज गति से चल रही है। इस बीच नामांकन के लिए आवेदन की तिथि विस्तारित किए जाने के बाद प्रतिदिन आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की संख्या में वृद्धि दर्ज की जा रही है। उल्लेखनीय है कि सत्र- 2024-28 में स्नातक में नामांकन सीबीसीएस के तहत चार वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए किया जा रहा है। इसके लिए राजभवन द्वारा पूर्व में ही ऑर्डिनेंस को मंजूरी प्रदान की जा चुकी है। यह नामांकन अभ्यर्थियों द्वारा प्लस टू या समकक्ष परीक्षा में प्राप्त किए गए अंकों के आधार पर तैयार किए गए मेरिट लिस्ट के आधार पर किया जाएगा। चार वर्षीय स्नातक (विज्ञान) पाठ्यक्रम में नामांकन के लिए अभ्यर्थी को आईएससी/बिहार विद्यालय परीक्षा समिति या फिर राष्ट्रीय या राज्य बोर्ड के मान्यता प्राप्त संस्थान से विज्ञान संकाय में प्लस टू या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। वहीं, चार वर्षीय स्नातक (वाणिज्य) पाठ्यक्रम में नामांकन के लिए अभ्यर्थी कोबिहार विद्यालय परीक्षा समिति या फिर राष्ट्रीय या राज्य बोर्ड के मान्यता प्राप्त संस्थान से आइ.ए/आई.कॉम/आई.एस.सी/प्लस टू या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। जबकि चार वर्षीय स्नातक (कला) पाठ्यक्रम में नामांकन के लिए अभ्यर्थी को बिहार विद्यालय परीक्षा समिति या फिर राष्ट्रीय या राज्य बोर्ड के मान्यता प्राप्त संस्थान से आइ.ए/आई.कॉम/आई.एस.सी/प्लस टू या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। खास बात यह है कि सीबीसीएस के तहत स्नातक चार वर्षीय पाठ्यक्रम में नामांकन हेतु आवेदन करने के लिए अभ्यर्थियों को सिर्फ उपर्युक्त परीक्षा उत्तीर्ण करना आवश्यक होगा। इसमें आवेदन हेतु प्राप्तांकों की अन्य कोई बाध्यता नहीं है।

12 अभियुक्त गिरफ्तार, देशी शराब, 02 मोटरसाईकिल 3,670 रूपया नगद एवं अन्य कागजात बरामद

बगहा पुलिस द्वारा वाहन जांच के दौरान 1,37,000 रुपए का लगाया जुमार्ना

- बगहा पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाए रखने हेतु दिवा गस्ती के दौरान विभिन्न थाना अंतर्गत वाहनों और विभिन्न बैंको की चेकिंग की गई

प्रातः किरण, संवाददाता

बगहा।बगहा पुलिस जिला में गुरुवार को विगत 24 घंटा में 12 अभियुक्त की गिरफ्तारी की गई है। कुल 15 वारंट का निष्पादन किया गया है जमानतीय 01 अजमानतीय 14 है। उक्त जानकारी पुलिस अधीक्षक,बगहा सुशांत कुमार सरोज ने प्रेस रिलीज जारी करके दिया।उन्होंने बताया कि चौतरवा थाना,वाल्मीकिनगर थाना, भैरोगंज थाना,रामनगर थाना,पिपरासी थाना,धनहा थाना,बगहा थाना,चिउटांहा थाना द्वारा शराब के काण्ड,वारंट तथा अन्य काण्ड में कुल 12 अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया साथ ही 55 लीटर देशी शराब, 02 मोटरसाईकिल नगद 3,670 रूपया एवं अन्य कागजात बरामद किया गया।इस संबंध में अग्रतर कार्रवाई की जा रही हैं एसपी एसके सरोज ने बताया कि बगहा पुलिस द्वारा को अपराध नियंत्रण हेतु वाहन जॉच किया गया। जॉच के क्रम में यातायात थाना द्वारा 65,000, चौतरवा थाना द्वारा-26,000,धनहाँ थाना द्वारा-14,000, पटखौली थाना द्वारा-12,000, रामनगर थाना द्वारा-10,000, बगहा थाना द्वारा-10,000 इस प्रकार कुल-01,37,000 रुपए का जुमार्ना लगाया गया। शुक्रवार को एसपी के निर्देश के आलोक में बगहा पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाए रखने हेतु दिवा गस्ती के दौरान विभिन्न थाना अंतर्गत वाहनो की संघन जांच की गई और दिवा गस्ती के द्वारा बगहा पुलिस जिला के विभिन्न थाना अंतर्गत बैंको की चेकिंग की गई ।

रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं, लोगों को रक्तदान करने को आगे आने की है जरूरत : डॉ पासवान

प्रातः किरण, संवाददाता

मोतिहारी। विश्व रक्तदान दिवस के मौके पर जिले के सदर अस्पताल मोतिहारी में ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एसीएमओ सह प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. श्रवण कुमार पासवान ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। उन्होंने कहा कि युवाओं व आम लोगों को रक्तदान हेतु आगे आने की है जरूरत है। डॉ. पासवान ने बताया कि स्वस्थ व्यक्ति को वर्ष में एकबार जरूर रक्तदान करना चाहिए। एक यूनिट रक्तदान करने से किसी प्रकार की कोई तकलीफ या कमजोरी नहीं होती है। लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करते हुए दुनिया भर में हर साल 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाता है, ताकि लोग ब्लड डोनेशन के प्रति जागरूक होकर रक्त की कमी से जूझ रहें लोगों को रक्त आसानी से उपलब्ध हो सकें, उन्होंने समाजिक संगठनों, युवाओं व आम लोगों से रक्तदान करने की अपील की। वहीं डीएस डॉ अवधेश कुमार ने कहा कि डिलीवरी, दुर्घटनाग्रस्त, गंभीर एनीमिया ग्रस्त या गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों को रक्त चढ़ाने की जरूरत पड़ती है। मोतिहारी सदर अस्पताल में जरूरत के हिसाब से मरीज को रक्त निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है।मौके पर कई लोगों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। ब्लड बैंक नोडल अधिकारी डॉ. जी.डी. तिवारी ने बताया कि जो लोग स्वस्थ हैं। कोई गंभीर समस्या नहीं है वे रक्तदान कर सकते हैं। स्वस्थ लोगों को एक बार में एक यूनिट रक्तदान करने से कमजोरी नहीं होती है। वहीं बीपी, हृदय, मोटापा व अन्य रोगों से रक्षा होती है। पीलिया से ग्रस्त, खासकर हेपेटाइटिस बी या सी या फिर एनीमिया से ग्रस्त रह चुके लोगों को रक्तदान से बचना चाहिए। उन्होंने बताया कि एक बार में एक यूनिट लगभग 300-350 मिली. रक्त दिया जा सकता है। मानव शरीर में इतनी क्षमता होती है कि अगर एक यूनिट रक्तदान कर रहे हैं तो अगले दो-तीन दिनों में बैन मैरो उसकी भरपाई करना शुरू कर देता है। दोपहर 2 बजे तक 10 यूनिट रक्तदान किया जा चूका था। रक्तदान से पहले हाइड्रेट रहने के लिए कहा जाता है।

बकरीद का पर्व आपसी भाईचारे के माहौल में मनाए : सीओ

एकमा। बकरीद पर्व को लेकर स्थानीय थाना परिसर में सीओ राहुल शंकर की अध्यक्षता में समाजसेवी जनप्रतिनिधियों सहित दोनों समुदाय के लोगों के बीच बैठक हुई। बैठक को संबोधित करते हुए सीओ ने कहा कि आगामी 17 जून को बकरीद का पर्व वापसी भाईचारे के माहौल में मनाए । कहीं भी कोई अगर गड़बड़ी फैलाने का प्रयास करता है तो इसकी सूचना अभिलंब प्रशासन को दे । इस मौके पर थाना अध्यक्ष उदय कुमार मुखिया प्रतिनिधि श्याम किशोर तिवारी बच्चा सिंह पवन कुमार अहमद अली उर्फ नेताजी भाजपा जिला उपाध्यक्ष चैतेन्दर नाथ सिंह वार्ड पार्षद जितेंद्र सिंह शैलेंद्र सिंह जयप्रकाश शर्मा मूलजी मांसाहारी सुरेश राय विजय सिंह चितरंजन सिंह प्रमोद सिंह मोहम्मद इकबाल हुसैन कुरान दिन अंसारी आदि काफी संख्या हम लोग उपस्थित थे ।

संक्षिप्त खबरें

वैश्य समाज शोकसभा का आयोजन

औरंगाबाद। सदर प्रखंड स्थित ग्राम जम्होर में वैश्य समाज के कार्यालय में वैश्य समाज के सक्रिय कार्यकर्ता, विष्णु धाम महोत्सव के सदस्य विजय जायसवाल के आकस्मिक निधन पर एक शोकसभा का आयोजन किया गया। वैश्य समाज जम्होर के अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता के नेतृत्व में उपस्थित लोगों ने 2 मिनट का मौन रखा एवं मृतक की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। कहा कि विजय जायसवाल एक सामाजिक एवं कर्तव्य परायण व्यक्ति थे। धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया करते थे। वैश्य समाज के सभी कार्यों में वे योगदान देते थे साथ ही साथ वैश्य एकता को सुदृढ़ करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। उनका असमय चला जाने से वैश्य समाज को अपूर्णीय क्षति हुई है।अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धांजलि देते हुए संतोष प्रसाद गुप्ता,जितेंद्र प्रसाद गुप्ता, घनश्याम प्रसाद खत्री, पन्ना प्रसाद गुप्ता,पंकज कुमार,राम ध्यान प्रसाद,संजय कुमार गुप्ता प्रवीण अग्रवाल ने कहा कि विजय प्रसाद जायसवाल जम्होर वैश्य समाज के एक महत्वपूर्ण अंग थे।

जिप उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक ने पीड़ित को न्याय दिलाएंगे

गया ।गया के टेकारी प्रखंड महादलित परिवार पर भुमी विवाद घायल लोगों से मिलने पहुंचे अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में पीड़ित परिवार से मुलाकात की ।पुरी घटना की जानकारी ली,राजद नेताओ ने अस्पताल अधीक्षक से पीड़ित परिवार के अच्छे इलाज के लिए बातचीत की पूर्व विधायक बाराचट्टी समता देवी के साथ जिला परिषद उपाध्यक्ष शितल यादव इनके साथ राजद टेकारी प्रखंड अध्यक्ष बंटी यादव,शोरभ यादव,राजद के काफी कार्यकर्ता थे। पूर्व विधायक बाराचट्टी समता देवी के साथ मोहनपुर प्रखंड पूर्व प्रमुख राजद नेता सुवेदार यादव,भी आकय मिले, जिला प्रशासन से पूर्व विधायक बाराचट्टी समता देवी जिला परिषद उपाध्यक्ष शितल यादव ने मिलकर मांग किया कि जो भी इसमें अपराधी तत्वों के व्यक्ति शामिल हैं। उसपर कठोर करवाई की जाए,गया जिला पदाधिकारी से अत्यंत ही गरिब परिवार है इसका छोट छोटा बच्चे हैं इनका पालन पोषण के लिए समुचित व्यवस्था किया जाए बिहार सरकार से मांग किया यह व्यक्ति काम करने योग्य नहीं है।

दो महिला सहित आठ अभियुक्त दोषी करार

औरंगाबाद। व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद में एसीजेएम तीन कोर्ट डा दिवान फहद खान ने दो महिला सहित आठ अभियुक्तों को भादंवि के विभिन्न धाराओं में दोषी ठहराए ।अनुमंडलीय अभियोजन पदाधिकारी नवीन कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि अभियुक्त विजय कुमार, कर्मचंद बैठा, पिंटू लाल, मनोज बेठा, धर्मेंद्र बैठा,राम बदन बैठा,सरिता देवी, फुलवा देवी पिपरा बगाही कुटुम्बा को भादंवि धारा -147, 149, 323, 341तथा 504 में दोषी ठहराए और परिवीक्षा का लाभ देते हुए डांट फटकार कर छोड़ दिया और घटना के पुनरावृत्ती नहीं करने की आश्वासन लिया। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि प्राथमिकी सूचक रंजू देवी पिपरा बगाही कुटुम्बा ने 19 नवम्बर 10 को अभियुक्तों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसमें कहा था कि उसके पिता रामचंद्र, डीजल इंजन से धान पटाने 11 बजे दिन में खेत गए थे अभियुक्तों ने खेत में आकर डीजल इंजन बंद कर सुचक के पिता और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ गाली-गलौच करते हुए मारपीट किया यह घटना 14 साल पूर्व की है।

भारतीय महावाणिज्य दूतावास बीरगंज द्वारा रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

रक्सौल। भारतीय महावाणिज्य दूतावास, बीरगंज नेपाल ने रेडियो बीरगंज, नेपाल रेड क्रॉस सोसाइटी, बीरगंज साइक्लिंग क्लब और ग्रीन सिटी प्रहरी सामुदायिक सेवा केंद्र के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर का उद्घाटन भारत के महावाणिज्य दूत, बीरगंज डी एस मीना ने किया। रक्तदान शिविर, रक्त बैंकों में रक्त की कमी को दूर करने में समाज की मदद करने के लिए भारतीय महावाणिज्य दूतावास की एक महत्वपूर्ण पहल थी। रक्तदान शिविर में विभिन्न संगठनों और नागरिक समाज के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और 42 यूनिट रक्त का दान किया। महावाणिज्य दूत डी.एस. मीना ने उद्घाटन के बाद मीडियाकर्मियों बात की और जीवन बचाने में रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने रेडियो बीरगंज, बीरगंज साइक्लिंग क्लब, नेपाल रेड क्रॉस, ग्रीन सिटी प्रहरी सामुदायिक सेवा केंद्र की भी उनके सहयोग और समर्थन के लिए सराहना की।

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर रेड क्रॉस ब्लड बैंक सेंटर में रक्तदाताओं के लिए किया गया सम्मान समारोह का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी भोजपुर जिला इकाई के द्वारा संचालित रेड क्रॉस ब्लड बैंक सेंटर में रक्तदाताओं के लिए एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन भोजपुर के द्वारा एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर भी आयोजित किया गया ।आज के कार्यक्रम की अध्यक्षता डा विवेकानंद यादव ने की । सर्वप्रथम दीप प्रज्वलंकर कार्यक्रम की शुरुआत की गई,तत्पश्चात रक्तदान का शुभारंभ हुआ। डॉ राजेश सिंह प्रेसिडेंट इंडियन मेडिकल एसोसिएशन भोजपुर एवं डॉ संगीता सिंह सेक्रेटरी इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की देखरेख में कुल 45 यूनिट स्वैच्छिक रक्तदान किए गए। इसअवसर पर अपने उद्गार व्यक्त करते हुए इस हुए डॉक्टर बी एन यादव ने कहा कि एक डॉक्टर का काम मरीज की जान बचाना है और रक्त की कमी के कारण मरीज को जितनी परेशानी होती है उसे एक डॉक्टर ही समझ सकते हैं, इसलिए आई एम ए के द्वारा आज का यह रक्तदान शिविर लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करने के लिए किया गयाहै। आई एम ए प्रेसिडेंट डॉक्टर राजेश सिंह ने कहा की डॉक्टर का काम लोगों की सेवा है और बिना जागरूकता के रक्तदान करना बहुत ही मुश्किल है इसलिए डॉक्टर आज स्वयं अपने स्टाफ के साथ यहां रक्तदान करने आए हैं जिससे अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिल सके। इस अवसर पर डॉक्टर एस के रूंगटा ने 14 जून 2024 से 13 जुलाई 2024 तक लगातार रक्तदान शिविर का आयोजन करने के कार्यक्रमों का विस्तार से वर्णन किया और बताया कि रक्तदान शिविर की इस कड़ी में 22 जून को रुंगटा क्लीनिक की तरफ से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा । संयोजक ब्लड डोनेशन समिति डॉक्टर दिनेश प्रसाद सिन्हा ने रक्तदान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि रक्तदान करने वाला व्यक्ति न सिर्फ दूसरे की जान बचाता है बल्कि वह स्वयं भी स्वस्थ रहता है। कार्यक्रम को उप संरक्षक माननीय श्री लाल दास राय एवं पूर्व वाइस चेयरमैन डॉक्टर निर्मल कुमार सिंह ने भी संबोधित किया।

आज के कार्यक्रम में रक्तदाता सम्मान के अंतर्गत बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति पटना के द्वारा वर्ष 20 23 -20 24 में चार बार स्वैच्छिक रक्तदान करने वाले आरा भोजपुर जिले के रक्तदाता श्री हंसराज केसरी को सम्मानित करने के लिए प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो भेजा गया था जिसे अध्यक्ष डॉक्टर बी एन यादव ने श्री हंसराज केसरी को देकर सम्मानित किया। रेड क्रॉस ब्लड सेंटर के ऐसे रक्तदाता जिन्होंने वर्ष 2023-2024 में चार बार, तीन बार, और दो बार स्वैच्छिक रक्तदान किया है उन्हें भी रेड क्रॉस ब्लड सेंटर का प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। आज के कार्यक्रम में रेड क्रॉस सोसाइटी तथा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन भोजपुर के सभी पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग शामिल रहे। आज के स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में कुल 45 यूनिट रक्तदान हुए जिसे क्रियान्वित करने में डॉक्टर पी सिंह, डॉक्टर एस के रुंगटा ,डॉ संगीता सिंह, डॉक्टर कन्हैया सिंह ,डॉक्टर मनीष सिंह, आदि की भूमिका बहुत ही प्रभावशाली रही ।कार्यक्रम का सफल आयोजन करने में ब्लड डोनेशन समिति के संयोजक डॉ दिनेश प्रसाद सिन्हा एवं अन्य सहयोगियों की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण रही। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर विभा कुमारी सचिव भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी भोजपुर जिला इकाई ने किया ।

भोजपुर महिला कला केंद्र आरा में ऑक्सीजन कंसंटेरटर मशीन का वितरण

प्रात : किरण संवाददाता

आरा:भोजपुर महिला कला केंद्र आरा के सभागार में, बिंदी इन्टरनेशनल फाउंडेशन, राजस्थान के सहयोग से भोजपुर जिले के सदर अस्पताल, सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और रेफरल स्वास्थ्य केंद्र में कुल 37 ऑक्सीजन कंसेंटरेटर मशीन, ऑक्सी मीटर और थर्मोगन का वितरण किया गया।

इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित और भोजपुर महिला कला केंद्र की सचिव श्रीमती अनिता गुप्ता ने कहा, "हमारा मुख्य उद्देश्य ऑक्सीजन कंसेंटरेटर मशीन, ऑक्सी मीटर, और थर्मोगन का वितरण करके ग्रामीण क्षेत्र के दलित, महादलित और वंचित समुदाय के परिवारों को आपातकालीन स्थिति में सुलभ स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करना है।" कार्यक्रम में डॉ. विजय गुप्ता ने ऑक्सीजन कंसेंटरेटर मशीन के उपयोग के बारे में विस्तृत प्रशिक्षण दिया। सदर अस्पताल आरा से आये प्रभारी डॉ. प्रतीक ने बताया कि यह ऑक्सीजन कंसेंटरेटर मशीन ग्रामीण क्षेत्र के वंचित समुदाय के परिवारों के लिए काफी लाभकारी सिद्ध होगी। भोजपुर महिला कला केंद्र के कार्यकारिणी निदेशक संतोष कुमार ने बताया कि पिछले 31 वर्षों से संस्था भोजपुर जिले में महिलाओं के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास के लिए कार्यरत है। परियोजना प्रबंधक रंजीत कुमार ने संस्था के कार्य और कार्यक्षेत्र के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के कार्यकर्ता सरकारी योजना क्रियान्वयन समन्वयक अतुल कुमार, परियोजना समन्वयक रणवीर कुमार, उत्प्रेरक पुनम देवी, गीता देवी, सोनू कुमार, सामुदायिक शिक्षक पुष्पा देवी, शिवानी कुमारी, निकहत प्रवीण, कुसुम देवी, रीता देवी, और सुनीता देवी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

लधु उधोग मंत्री ने गया के लोगों को किया आभार प्रकट

गया। गया सांसद जीतन राम मांझी मंत्री बनने पर गया स्टेशन पर हम के नेता ने जोरदार स्वागत किया गया ।वही गया के अतिथि भवन में कार्यकर्ता ने फुल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया है। सांसद के बाद लधु उधौग एवं सूक्ष्म लधु मंत्री बनाया गया है ।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय सदस्य इंद्रेश के बयान पर बिहार मे सियासत तेज हो गई है ।आज दिल्ली से गया आए केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने मिडिया से कहा की सबका अपना अपना नजरिया है रोक कहा दिया है हमको भी काम करने का मोका मिला है ।गया शहर होने वाला बिहार को पहला मुख्यमंत्री का सोभाग्य मिला था ।इसी तरह गया शहर को पहला केबिनेट मंत्री बनने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो विभाग दिया है तो कहा है कि हमने आपको विजन दिया है ।इस विभाग की समिक्षा किया तो पता चला की यह बहुत बढा विभाग है और इसको बेहतर करके मुझे दिखाना है इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हैं गया के विकास ज्यादा से ज्यादा हो लोगों को सरकार की योजना का लाभ मिले इसके लिए मेरा पुरा प्रयास करते रहेंगे ।तिन सो से उपर नंबर चला जा गया है ।दो बार से देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जो काम किया है उससे भी बढ़कर इस बार काम करने का प्रतिज्ञा लिया गया है ।2029 तक भारत की अर्थव्यवस्था देश के तीसरे पायदान पर आ चुकी है। इसमें कही रुकावट की बात नही है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार अल्पमत की नही बहुमत की सरकार है कुछ विपक्षी लोग अलग अलग कयास लगा रहे हैं ।जिनके पास कोई काम बचा नही है वही यह लोगों के बिच भ्रम पैदा कर रहे हैं ।जिसकी जैसी भावना रहती है प्रभु मूरत देखी तिन तैसी,देश की जनता हमलोगो को काम करने के लिए बहुमत दिया है।

केंद्र सरकार कि महत्वकांक्षी पीएम विश्वकर्मा योजना का प्रशिक्षण जिला में होना सुविधाजनक : गोपाल पटवा

प्रात : किरण संवाददाता

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के चयनित लाभार्थियों को जांच उपरांत प्रशिक्षण के लिए गया जिला में नहीं बल्कि नवादा जिला में बगैर मैसेज , पत्राचार के दूरभाष पर बुलाया गया। नवादा जाने पर एक दर्जन प्रशिक्षण लेने गए चयनित लाभार्थियों को बैरन वापस लौटना पड़ा। दूरभाष पर सूचना देकर बुलाने के बावजूद सूची से नाम कट गया है ऐसी जानकारी दी गई और भविष्य में उन्हें प्रशिक्षण से वंचित होने के बाद बताई गई।

प्रधानमंत्री विश्वकर्म योजना के क्रियान्वयन में दूसरे जिलों में भेज कर प्रशिक्षण दिलाने के कुप्रबंधन को लेकर गोपाल प्रसाद पटवा अध्यक्ष बिहार प्रदेश बुनकर कल्याण संघ ने जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक सुश्री वंदना जी को दूरभाष पर जानकारी दी। जन शिक्षण संस्थान नवादा के प्रबंधक पर गैर-इरादतन लाभार्थियों को परेशान करने को लेकर अभिलंब अग्रेतर आवश्यक कार्रवाई की मांग की। बताते चलें कि मानपुर शहरी क्षेत्र गया नगर निगम क्षेत्र और प्रखंड के ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में पी.एम. विश्वकर्म योजना के लिए आवेदन किया गया था जिसकी जांच भी हो चुका है उनको प्रमाण पत्र भी आ चुका है।

चयनित लाभुक प्रशिक्षण के इंतजार में बैठे हुए हैं ताकि प्रशिक्षण प्राप्त कर आगे की कार्रवाई हो और वह योजना का लाभ प्राप्त कर सकें। जन शिक्षण संस्थान नवादा के प्रबंधक के रवैए से लाभार्थियों में आक्रोश है और इसको लेकर के गोपाल प्रसाद पटवा ने जिला प्रशासन और एमएसएमई मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री श्री जीतन राम मांझी से हस्तक्षेप करते हुए लाभार्थियों के परेशानी से निजात दिलाते हुए प्रखंड स्तर अथवा गया जिले में ही अभिलंब प्रशिक्षण का व्यवस्था करते हुए लाभ दिलाने की मांग की है। पीएम विश्वकर्मा योजना में चयनित लाभार्थियों का प्रशिक्षण गया जिला से बाहर कराने का प्रबंधन समझ से परे हैं।

रक्त की क्रांति अलख जगाने वाले एवं रक्त वाहन लाने वाले हैं अनंत धीश अमन

प्रात : किरण संवाददाता

गया। गया मगध की धरती मे रक्त क्रांति कि अलख जगाने वाले रक्त के लिए लोगों को जागरुक करने वाले आगे से नही पिछे रहते हुए भी रक्त दान कि अलख जगाने वाले अनंत धीश अमन है। अनंत धीश अमन के पहल पर बिहार सरकार ने गया जिला को ब्लड बैक वाहन उपलब्ध करवाई गयी,जो पुरी पहल अनंत धीश अमन को जाती है।आज रक्तदान दिवस पर अनंत धीश अमन ने कहा कि रक्तदान महादान है मानवता का भाव इसमे निहित है इससे यह प्रेरित होता है की हम मनुष्य के अंदर संवेदना है ।किसी की जीवन बचाकर रक्तदान करने वाले को क्या संतुष्टि मिलती है यह दुसरा नही समझ सकता है यह एक क्रांति अलख जगाने वाले ही समझ सकता है। अनंत धीश अमन पिछले कई वर्षो से रक्तदान करते आ रहे हैं और लोगों के अंदर रक्तदान करने के लिए जागरुकता का काम करते आ रहे हैं।

शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। सदर प्रखंड स्थित जम्होर थाना के प्रांगण में मुस्लिम भाइयों का महान पर्व बकरीद के निमित शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई ।बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी नितिन कुमार ने किया ।थाना प्रभारी ने पर्व मनाने वाले धर्मावलंबियों से अपील किया कि शांतिपूर्ण माहौल में पर्व को मनाए। सौहाद्रपूर्ण एवं भाईचारे के साथ आपस में मिल जुल कर पर्व मनाने की कृपा करें। जम्होर थाना क्षेत्र शुरू से सामाजिक सौहाद्र का प्रतीक रहा है। इसकी निरंतरता को कायम रखा जाए। अफवाहों से दूर रहें एवं किसी तरह की कोई सूचना प्राप्त हो तो उसे तुरंत पुलिस को दें। यह भी कहा कि विभिन्न जगहों पर दंडाधिकारी एवं पर्याप्त आरक्षी बल की तैनाती रहेगी। बैठक में विधायक प्रतिनिधि सह मुखिया प्रतिनिधि प्रदीप कुमार सिंह, सरपंच पप्पू ज्वाला सिंह,डॉ नेहाल अहमद,मुर्शीद आलम, सोहेल अहमद,जितेंद्र कुमार गुप्ता सहित अन्य उपस्थित थे।

विनोद कुमार मिश्र के सातवीं पुण्यतिथि पर काव्य संध्या का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद के सर्वोदय नगर में प्रख्यात कवि एवं लेखक विनय मामूली बुद्धि के आवास पर उनके पिता समाजसेवी विनोद कुमार मिश्र की 7 वीं पुण्यतिथि पर काव्य संध्या का आयोजन किया गया। जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन औरंगाबाद के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित समकालीन जवाबदेही पत्रिका के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा, पूर्व उप प्रमुख मनीष पाठक सहित उपस्थित सभी कवियों ने दीप प्रज्वलित कर उन्हें पुष्पांजलि एवं श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम का संचालन कवि अनिल कुमार अनल ने किया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में संबोधन के क्रम में अध्यक्ष एवं मुख्य अतिथि ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विनोद मिश्र जी सत्य निष्ठा के प्रतीक व्यक्ति थे।

वे हमेशा लोगों को सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते थे ।उनकी कथनी और करनी में एकरुपता थी ।दूसरे सत्र में काव्य संध्या का प्रारंभ कवि नागेंद्र केसरी ने गणेश वंदना के साथ किया ।अनुज बेचैन ने वर्तमान समाज में घटित घटनाओं को प्रेरित काव्य पाठ किया ।तो वहीं मीडिया प्रभारी सुरेश विद्यार्थी ने विनोद मिश्रा थे सत्य प्रेरणा के अनुयाई, कभी नहीं झुके चाहे कितनी विपदा आई काव्य पाठ किया ।अधिवक्ता योगेश मिश्रा ने भगवान श्री राम को संपोषित काव्य पाठ किया ।शिक्षक एवं मगही के प्रख्यात कवि डॉ हेरम्ब मिश्रा ने काव्य पाठ्य के क्रम में उन्हें श्रद्धांजलि दी और सत्यनारायण कथा पर विशिष्ट काव्य प्रस्तुति दी ।जनार्दन मिश्र जलज ने चिलचिलाती धूप है लू का असर है,जाना है प्रियतम संग मुश्किल सफर है काव्य पाठ किया तो महामंत्री धनंजय जयपुरी ने पिता को समर्पित काव्य पाठ करते हुए कहा कि हे पिताश्री बिन तुम्हारे जिंदगी बेकार है,क्या करूं कैसे जीऊं सुना सब संसार है ।विनय मामूली बुद्धि ने अपने पिता को समर्पित सारगर्भित काव्य पाठ किया और पिता की विशेषता का बखान किया। विनोद कुमार मिश्र के सगे संबंधी विकास कुमार मिश्रा,बंसल कुमार मिश्र,वेदांत दत्त,विमला देवी, रेणु पाठक वंदना मिश्रा,श्रीधर पाठक ने भी उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वे एक कर्तव्य परायण व्यक्ति के रूप में जाने जाते थे।

सोभाग्य गया के लोगों का पहला मुख्यमंत्री फिर केबिनेट मंत्री मिला : जीतन राम मांझी

गया। गया सांसद जीतन राम मांझी मंत्री बनने पर गया स्टेशन पर हम के नेता ने जोरदार स्वागत किया गया ।वही गया के अतिथि भवन में कार्यकर्ता ने फुल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया है। सांसद के बाद लधु उधौग एवं सूक्ष्म लधु मंत्री बनाया गया है ।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय सदस्य इंद्रेश के बयान पर बिहार मे सियासत तेज हो गई है ।आज दिल्ली से गया आए केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने मिडिया से कहा की सबका अपना अपना नजरिया है रोक कहा दिया है हमको भी काम करने का मोका मिला है ।गया शहर होने वाला बिहार को पहला मुख्यमंत्री का सोभाग्य मिला था ।इसी तरह गया शहर को पहला केबिनेट मंत्री बनने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो विभाग दिया है तो कहा है कि हमने आपको विजन दिया है ।इस विभाग की समिक्षा किया तो पता चला की यह बहुत बढा विभाग है और इसको बेहतर करके मुझे दिखाना है इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हैं गया के विकास ज्यादा से ज्यादा हो लोगों को सरकार की योजना का लाभ मिले इसके लिए मेरा पुरा प्रयास करते रहेंगे ।तिन सो से उपर नंबर चला जा गया है ।दो बार से देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जो काम किया है उससे भी बढ़कर इस बार काम करने का प्रतिज्ञा लिया गया है ।2029 तक भारत की अर्थव्यवस्था देश के तीसरे पायदान पर आ चुकी है। इसमें कही रुकावट की बात नही है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार अल्पमत की नही बहुमत की सरकार है कुछ विपक्षी लोग अलग अलग कयास लगा रहे हैं ।जिनके पास कोई काम बचा नही है वही यह लोगों के बिच भ्रम पैदा कर रहे हैं ।जिसकी जैसी भावना रहती है प्रभु मूरत देखी तिन तैसी,देश की जनता हमलोगो को काम करने के लिए बहुमत दिया है।

पुलिस अपना काम करेगी, अपराधी बक्शे नही जाएंगे : पार्टी प्रवक्ता

प्रात : किरण संवाददाता

गया ।हम पार्टी के द्वारा द्वारा टेकारी में हुए कांड की जांच के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल गई और विस्तृत रूप से घटना की जानकारी ली जिससे प्रतीत होता है कि कुछ लोग जानबूझकर इस घटना को जातीय रंग देना चाहते हैं और सामाजिक सौहार्द को दूषित करने का प्रयास कर रहे हैं।

पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता ई .नंदलाल मांझी के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल अस्पताल में संजय मांझी व उनके परिजनों से मिला और उसके बेहतर इलाज के लिए अस्पताल अधीक्षक से मुलाकात किया। साथ ही पीड़ित को हम पार्टी की ओर से आर्थिक सहायता की गई है। मालूम हो कि चिरौली गांव के रहने वाले संजय मांझी को बगल के ही बाली पांडे पिंटू पांडे,टिंकू पांडे और अन्य ने धारदार हथियार से हमला कर दिया जिससे दोनों हाथ काट गया है । पूरी तरीके से एक हाथ काट दिया । इस घटना के पीछे भूमि विवाद उभर कर सामने आ रहा है।

साथ ही पार्टी के प्रवक्ता ने कहा कि इस तरह के कांड को कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है समाज के सबसे अंतिम पायदान पर रहने वाले गरीब मांझी मुसहर भुइया परिवार को अगर इस तरह का अत्याचार किया जाएगा तो ये नाकाबिले बर्दाश्त है । सभ्य समाज में इस तरह की घटना माफ नही किया जा सकता ।हम लोगों ने इसके लिए संबंधित पुलिस पदाधिकारी से बात किया है और कांड में शामिल सभी व्यक्तियों की गिरफ्तार सुनिश्चित की गई है इस तरह के कृत में शामिल सभी लोगों को कठोर से कठोर सजा मिलनी चाहिए साथ ही उनके आश्रित को सरकारी मुआवजा व सरकारी प्रावधान के अनुसार उचित सहायता की जाएगी पार्टी इसके लिए तत्पर है। इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता शिक्षा सेवक संघ के जिला अध्यक्ष सुरेश राम मांझी पवन कुमार मांझी पंकज मांझी पार्टी पंकज मांझी प्रखड उपाध्यक्ष कंचन मांझी अरविंद शर्मा संजय मांझी सावित्री देवी निरंजन मांझी सहित दर्जनों कार्यकर्ता शामिल रहे वह उचित न्याय की मांग की है।

जिलाधिकारी ने हिट वेब में जनता की समस्या सुनी

गया ।जिला पदाधिकारी के जनता दरबार हीट वेब, लू के कारण स्थगित रहने के बावजूद भी समाहरणालय परिसर में में आये हुए लगभग 150 से अधिक व्यक्तियों को आये देख, डीएम डॉ० त्यागराजन एसएम ने उपस्थित व्यक्तियों के मामले को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को जांच यथाशीघ्र कराते हुए जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

आवेदकों के कई मामलों में जिला पदाधिकारी द्वारा जिले के वरीय पदाधिकारी यथा उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी संबंधित प्रखंड के नामित जिला स्तरीय पदाधिकारी आदि द्वारा मामले को जांच करने का भी जिम्मा दिया गया है। प्रधानमंत्री आवास , मुख्यमंत्री आवास योजना से संबंधित आए मामलों को जिला पदाधिकारी ने उप विकास आयुक्त को संबंधित आवेदनों को यथाशीघ्र जांच करते हुए पात्रता रखने वाले व्यक्तियों को प्रधानमंत्री,मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ देने हेतु अग्रेतर कार्य करने का निर्देश दिया गया है ।कई व्यक्तियों ने भूमि विवाद, आपसी बटवारा, अतिक्रमण, जमीन संबंधी दिक्कते आदि से संबंधित आवेदन दिए हैं। उन सभी आवेदन के आलोक में जिला पदाधिकारी ने संबंधित अंचलाधिकारी तथा थानाध्यक्ष एवं अनुमंडल पदाधिकारी तथा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के अध्यक्षता में थाना स्तर एवं अनुमंडल स्तर पर हर शनिवार को आयोजित होने वाले जनता दरबार में दोनों पक्षों के व्यक्तियों को बुलाकर संबधित मामलों को प्राथमिकता देते हुए निराकरण कराने का निर्देश दिए हैं। जमीन से संबंधित अत्यधिक मामले को देखते हुए जिला पदाधिकारी ने आए आवेदनों को सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता को निर्देश दिया कि अच्छे तरीके से आए आवेदनों को जांच करते हुए संबंधित अधिकारियों द्वारा नियमानुसार उचित कार्रवाई करने हेतु आदेशित करें। इसके साथ ही प्राप्त कई आवेदनों के विरुद्ध वरीय पदाधिकारी नामित कर जांच हेतु निर्देशित किया है। साथ ही जांच पदाधिकारी को निर्देश दिया है कि प्राप्त आवेदन को अधिकतम 7 दिनों में जांच करते हुए दोषी कर्मी, पदाधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई हेतु प्रेषित करे।

जनता दरबार में कई व्यक्ति परिमार्जन के संबंध में आवेदन दिए जिसपर जिला पदाधिकारी ने संबंधित अंचलाधिकारी एवं राजस्व पदाधिकारी को सख्त निर्देश दिया कि परिमार्जन हेतु लंबित आवेदनों को तेजी से निष्पादन करें। जनता दरबार में जमीन से संबंधित आये मामलों में डीएम ने सभी अंचलाधिकारी को कहा कि ये आम जनता ज्यादातर गाँव के ही होते हैं और किसान होते है, इन्हें सरकारी कागजी प्रक्रिया के बारे में हर तरह से मदद करे। जरूरत पड़े तो ग्रामीणों की जो उनकी समस्या है, उसके आलोक में उन्हें आवेदन लिखवाने में मदद करे, किसी को बेवजह दौड़ना न पड़े इसका पूरा ख्याल रखें। जनता दरबार कुछ शिकायतें अवैध नरसिंग होंम संचालन के संबंध में आने पर डीएम ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया है कि मजिस्ट्रेट फोर्स के साथ स्वास्थ्य विभाग की टीम संयुक्त रूप से छापेमारी करते हुए सील करे एव प्रार्थमिकी भी दर्ज करे। हाल के दिनों में बिना निबंधन वाले प्राइवेट नर्सिंग होंम में कई मरीजो के साथ गलत इलाज की मामला पाया गया है, उन सभी संबंधित नर्सिंग होम को तुरंत सील करवाने को कहा है। बाराचट्टी से आये आवेदक ने बताया कि 1 साल से दाखिल खारिज लंबित है, डीएम ने अपर समाहर्ता राजस्व को निर्देश दिया कि मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करे।

वजीरगंज के करजरा पंचायत निवासी ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मिलने वाली राशि किसी दुशरे व्यक्ति के बैंक खाते में जाने के कारण अब तक मकान नही बना पाया हैं। डीएम ने निदेशक डीआरडीए को निर्देश दिया है कि उक्त मामले की विस्तार से जांच करते हुए राशि वसूल करें एव सही लाभुक को राशि उपलब्ध करवाए।

भाईचारे व शांतिपूर्ण माहौल में मनाए बकरीद : प्रखंड विकास पदाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

घैलाढ़ (मधेपुरा)। परमानंदपुर थाना परिसर में गुरुवार को बकरीद पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता वीडियो अशोक कुमार, सीओ वंदना कुमारी व थाना अध्यक्ष रंजन कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से की गई। वीडियो अशोक कुमार ने कहा कि हर पर्व हमें शांति का संदेश देता है उन्होंने लोगों से आपसी भाईचारा व सौहार्दपूर्ण वातावरण के साथ बकरीद पर्व मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी तरह के अफवाह पर ध्यान नहीं देना है अफवाह की जानकारी मिलने पर तुरंत इसकी सूचना प्रशासन को दे, ताकि उस पर कठोर कार्यवाही की जाएगी। वही सीओ बंदना कुमारी ने कहा कि परमानंदपुर थाना क्षेत्र के सभी संवेदनशील जगहों पर बकरीद पर्व को लेकर पुलिस की तैनाती की जाएगी। वहीं थाना अध्यक्ष रंजन कुमार ने कहा कि जनप्रतिनिधि एवं समाज सेवियों से सभ्य समाज निर्माण करने की दिशा में नशेड़ियों को पकड़ने में मदद करने की अपील किए। वही सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट करने वाले पर पुलिस की करी नजर रहेगी। अफवाह और हुड़दुंग मचाने वाले व्यक्ति किसी भी सूरत में बक्से नहीं जाएंगे। मौके पर मुखिया राजीव रंजन, मनीष कुमार, अशोक यादव, त्रिभुवन यादव, पंचायत समिति प्रतिनिधि सिकंदर यादव, वार्ड सदस्य चंद्रकिशोर यादव व अन्य लोग उपस्थित थे।

बलयाडीह पंचायत के नारगंजो में चापाकल की मरम्मत : कार्तिक कुसुम की पहल

जमुई। एबीवीपी के छात्र नेता कार्तिक कुसुम की पहल पर बलयाडीह पंचायत के नरगंजो गांव, वार्ड नं 12 के आदिवासी टोला में वर्षो से खराब पड़े चापाकल की मरम्मत की गई। भीषण गर्मी के कारण पेयजल की भारी कमी से जूझ रहे ग्रामीणों के लिए यह एक बड़ी राहत लेकर आया है। कार्तिक कुसुम ने पीएचईडी विभाग के एसडीओ से संपर्क कर चापाकल को ठीक करवाने का आग्रह किया। एसडीओ की तत्परता और कार्तिक कुसुम की मेहनत से चापाकल को ठीक किया गया, जिससे ग्रामीणों को पेयजल की सुविधा मिल सकी। चापाकल से पानी निकलने पर गांव में खुशी की लहर दौड़ गई और ग्रामीणों ने कार्तिक कुसुम और पीएचईडी विभाग का आभार व्यक्त किया। ग्रामीण मनोहर सोरेन ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, "हम वर्षो से पेयजल की समस्या से परेशान थे। इस चिलचिलाती गर्मी में पानी की भारी कमी हो गई थी। कार्तिक जी की इस पहल से हमें बड़ी राहत मिली है।" कार्तिक कुसुम ने इस अवसर पर कहा, "समुदाय की समस्याओं को हल करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह सिर्फ एक शुरूआत है, हम आगे भी ऐसे प्रयास जारी रखेंगे।" इस पहल ने दशार्या कि सामुदायिक समस्याओं को सुलझाने में सही इरादे और मेहनत से कोई भी चुनौती पार की जा सकती है। ग्रामीणों ने आशा व्यक्त की कि कार्तिक कुसुम भविष्य में भी समाजसेवा के कार्यों में सक्रिय रहेंगे।

डायरेक्टर नागराज मंजुले के साथ काम करना मेरी विश लिस्ट में था: सई ताम्हणकर

मराठी और बॉलीवुड एक्ट्रेस सई ताम्हणकर इन दिनों विजय वर्मा स्टारर मटका किंग को लेकर काफी चर्चाओं में है। इसे नागराज मंजुले डायरेक्ट कर रहे हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि नागराज के साथ काम करना उनकी विश लिस्ट में था, जिसके चलते वह काफी एक्साइटेड हैं। सई ने कहा, नागराज मंजुले के साथ काम करना मेरी विश लिस्ट में था। मैंने कई इंटरव्यू और सोशल मीडिया पर इस बारे में भी कई बार बात की है। मैं उनके साथ काम करने के लिए बहुत एक्साइटेड और नर्वस हूं। सई ने कहा, यह अमेजन प्राइम की एक वेब सीरीज है, जिसमें विजय भी शामिल हैं। मुझे इसमें उनके जैसे बेहतरीन एक्टर के साथ काम करने का मौका मिलेगा। अभी, मैं अपने किरदार के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन कुल मिलाकर यह मेरी जिंदगी का सबसे रोमांचक किरदार होगा। मटका किंग में कृतिका कामरा, गुलशन ग्रोवर और सिद्धार्थ जाधव जैसे कलाकार अहम रोल में हैं। मटका किंग की कहानी 1960 के दशक की है, जिसमें एक कपास व्यापारी मटका नामक एक नया जुआ खेल शुरू करता है। यह खेल शहर में तूफान मचा देता है। यह खेल पहले सिर्फ अमीरों और अभिजात वर्ग के लिए आरक्षित था, लेकिन अब हर वर्ग के लोग जुड़ जाते हैं। रॉय कपूर फिल्म्स के बैनर तले सिद्धार्थ रॉय कपूर और नागराज मंजुले के साथ गार्गी कुलकर्णी, आशीष आर्यन और अश्विनी सिदवानी द्वारा निर्मित इस सीरीज का निर्देशन नागराज ने किया है और मंजुले के साथ अभय कोरानने ने इसे लिखा है। फिलहाल यह फिल्म प्रोडक्शन स्टेज में है और इसे प्राइम वीडियो पर रिलीज किया जाएगा। उन्होंने कई अवॉर्ड्स अपने नाम किए। वह कबड्डी प्लेयर रह चुकी हैं। वह दुनियादारी, सौ शशि देवधर, पोस्टकार्ड और क्लासमेट्स जैसी शानदार फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। उन्होंने हंटर, लव सोनिया, गजनी, वेक अप इंडिया, मिमी, इंडिया लॉकडाउन, तेंदुलकर आउट और हाल ही में भक्षक जैसी हिंदी फिल्मों में भी काम किया हैं।

गोलीबारी के मामले में सलमान खान ने दर्ज कराया बयान

सलमान खान के घर गोलीबारी मामले में मुंबई पुलिस ने बुधवार को एक्टर और उनके भाई अरबाज खान का स्टेटमेंट दर्द किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक क्राइम ब्रांच टीम के 4 सदस्य सलमान के घर गैलेक्सी अपार्टमेंट में पूछताछ करने गए थे। उन्होंने वहाँ 4 घंटे तक सलमान का स्टेटमेंट रिकॉर्ड किया और वहीं अरबाज का स्टेटमेंट 2 घंटे में रिकॉर्ड किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक स्टेटमेंट रिकॉर्ड के दौरान सलमान ने बताया कि जब गोली चली थी तब वह क्या कर रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक सलमान उस दिन घर पर थे। वह देर रात घर आए थे इसलिए थक कर सो गए थे तो जब गोली चली तब वह सो रहे थे। गोलियों की आवाज सुनने के बाद वह उठे। वहीं अरबाज ने बताया कि जब यह हादसा हुआ तब वह अपने जुहू वाले घर पर थे। उन्होंने बताया कि उन्हें सलमान को मिल रही धमकियों के बारे में पता था। हिन्दुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अरबाज ने कहा कि यह तीसरा इन्सिडेंट था। इससे पहले किसी ने उनके घर के बाहर धमकी भरा नोट छोड़ा था और पनवेल वाले फार्म हाउस में रैकी भी की थी। गोलीबारी वाला तीसरा इन्सिडेंट था और पुलिस को इसे सीरियसली लेना चाहिए था। क्राइम ब्रांच की रिपोर्ट के मुताबिक गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के ऑर्डर पर यह गोलीबारी हुई थी। बिश्नोई ने पहले भी सलमान को धमकी दी थी। फिलहाल बिश्नोई साबरमती जेल में है। उसका कहना है कि वह सलमान को काला हिरण मामले को लेकर टारगेट कर रहा है। बता दें कि इस केस में इसी महीने मुंबई पुलिस ने 5 लोगों को गिरफ्तार किया है।

चंदू चैंपियन की रिलीज के मौके पर दर्शकों को मिला तोहफा, सिर्फ 150 रुपये में देखें फिल्म

कार्तिक आर्यन की फिल्म चंदू चैंपियन कल 14 जून को रिलीज होने जा रही है। रिलीज के दिन अभिनेता ने फैंस को खास तोहफा दिया है। यह फिल्म दर्शक सिर्फ 150 रुपये में देख सकेंगे। कार्तिक ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह जानकारी साझा की है। कार्तिक आर्यन ने आज अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। इसके साथ उन्होंने जानकारी दी है कि फिल्म की रिलीज के दिन दर्शक सिर्फ 150 रुपये में इस फिल्म की टिकट बुक कर सकते हैं। इसके साथ कैप्शन लिखा है, इतने साल की हमारी मेहनत कल आपके सामने। देखिए भारत के चैंपियन की कहानी!! अफनी टिकट मात्र 150 रुपये में बुक करें। सिर्फ इस शुक्रवार। अभिनेता से यह गिफ्ट मिलने पर एक तरफ कुछ दर्शक खुशी से झूम उठे हैं और कार्तिक का शुक्रिया अदा कर रहे हैं। वहीं कुछ यूजर्स हैरानी जता रहे हैं। साथ ही सवाल पूछ रहे हैं कि टिकट की कीमत इतनी कम क्यों रखी है? कुछ यूजर्स यह एलान करते दिख रहे हैं कि यह फिल्म तो ब्लॉकबस्टर जाने वाली है।

राष्ट्रीय स्प्रिंटिंग प्रतियोगिता के लिए चुने गए गुरमीत चौधरी

एक्टर ने जाहिर की अपनी खुशी

गुरमीत चौधरी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के सबसे फिट और स्टार्ट एक्टर्स में से एक हैं। साथ ही वह अपनी दमदार एक्टिंग के लिए खूब जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने सीरी कमांडर करण सक्सेना के टीज़र के लिए खूब तारीफें बटोरी। अब गुरमीत को राष्ट्रीय स्प्रिंटिंग प्रतियोगिता के लिए चुना गया है और इसे लेकर एक्टर बेहद खुश हैं। गुरमीत ने फैंस के साथ अपनी खुशी शेयर करते हुए कहा, मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मैं राष्ट्रीय स्प्रिंटिंग प्रतियोगिता के लिए चुना गया हूं! कमांडर करण सक्सेना की तैयारी के दौरान, मैंने बहुत मेहनत की, मैंने न दिन देखा न रात मैंने अपनी ट्रेनिंग जारी रखी। अब टीज़र ऑन एयर देखकर मुझे खुद पर गर्व है। यह सब कड़ी मेहनत, समर्पण और निरंतरता के बारे में है। कमांडर शब्द में ही कुछ जादू है। र भी, मैं नेशनल्स के लिए जा रहा हूँ - विश लक ! जय हिंद। गुरमीत ने कहा, आपके टूट समर्थन और विश्वास ने ही इस यात्रा को भव बनाया है। मैं आगे जो कुछ भी होने वाला है सके लिए वास्तव में आभारी और उत्साहित हूं! गुरमीत ने पने कोच सदाशिवजी, डिज्नी प्लस हॉटस्टार और कमांडर रण सक्सेना की पूरी टीम को उन पर भरोसा जताने के लिए धन्यवाद या।

गिप्पी ग्रेवाल के म्यूजिक वीडियो रिवॉल्वर में नजर आएंगी तेजस्वी प्रकाश

पंजाबी सुपरस्टार सिंगर और एक्टर गिप्पी ग्रेवाल जल्द ही एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश के साथ न म्यूजिक वीडियो में नजर आएंगे। दरअसल, गिप्पी ने गुरुवार को तेजस्वी प्रकाश के साथ शानद तस्वीरें शेयर कीं और बताया कि उनका नया म्यूजिक वीडियो रिवॉल्वर जल्द ही रिलीज हो वाला है। गिप्पी ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर कीं। तस्वीरों में वह शर्ट, ब्लेजर और पैंट साथ येलो कलर के आउटफिट में नजर आ रहे हैं। उन्होंने ब्लैक शूज पहने हैं। वहीं बि बॉस 15की विनर तेजस्वी प्रकाश ने ऑरेंज कलर की स्लीवलेस बॉडीकॉन ड्रेस पहनी ह हैं। वहीं बैकग्राउंड में बड़े अक्षरों नें जी जी लिखा हुआ है इस पोस्ट को शेयर करते हुए गिप्पी ने कैप्शन में लिखा, रिवॉल्वर वीडियो जल्द ही आ रहा है... तेजस्वी को पिछली बार नागिन 6 में बतौर लीड एक्ट्रेस देखा गया था। वह जस गिल के दूर होवा गे, यासर देसाई के रुला देती है और कुलविंदर बिल्ला के कलाकार जै सॉन्ग वीडियो में भी दिखाई दी। वहीं गिप्पी ने कैरी ऑन जट्टा 3, हनीमून, मौजा ही मौज लखनऊ सेंट्रल और मंजे बिस्तरे जैसी फिल्मों में काम किया है। हाल ही में उनकी शिंदा शिं नो पापा रिलीज हुई। इस फिल्म में उनके साथ एक्ट्रेस हिना खान नजर आईं, वहीं उनके बेटे रोल में शिंदा ग्रेवाल दिखे। फिल्म का निर्देशन अमरप्रीत छाबड़ा ने किया। इस फिल्म की बात क तो कहानी बाप-बेटे के रिश्ते पर आधारित है। कनाडा में रह रहे गिप्पी अपने शरारती बेटे शिंदा क डिसिप्लिन सिखाने के लिए भारत ले जाने का प्लान बना रहे हैं। पिता के इस प्लान का बेटे को पता चलता तो दोनों के बीच झगड़ा शुरू हो जाता है

औरों में कहां दम था के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में 52 की तब्बू का जलवा

अजय देवगन के साथ दिए जबरदस्त पोज

अजय देवगन और तब्बू एक बार फिर से औरों में कहां दम था फिल्म में स्क्रीन शेयर करने जा रहे हैं। हाल ही में फिल्ममेकर्स ने इसका ट्रेलर रिलीज किया है, जिसे देखने के बाद लोग फिल्म देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं, ट्रेलर लॉन्च के दौरान अजय और तब्बू की जबरदस्त केमिस्ट्री देखने को मिली, जहां से उनकी तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि 52 साल की तब्बू ग्रीन सूट में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। इसके साथ उन्होंने मैचिंग दुपट्टा कैरी किया है। न्यूड मेकअप, मैचिंग झूमकों और खुले बालों से एक्ट्रेस ने अपने लुक को कंप्लीट किया है। वहीं, अजय देवगन इस दौरान ब्लू शर्ट और पैंट में काफी हैंडसम लग रहे हैं। कैमरे के सामने दोनों एक साथ पोज दे रहे हैं और जबरदस्त केमिस्ट्री बनाते नजर आ रहे हैं। वहीं, फिल्म की बात करें तो नीरज पांडे के डायरेक्शन में बनी औरों में कहां दम था 5 जुलाई को पर्दे पर रिलीज हो रही है। फिल्म में अजय देवगन-तब्बू के अलावा जिमी शेरगिल, सई मांजरेकर और शांतनु माहेश्वरी जैसे स्टार्स भी नजर आएंगे।

केआरके ने बसपा प्रमुख मायावती पर की आपत्तिजनक टिप्पणी

फेमस क्रिटिक और एक्टर केआरके यानि कमाल आर खान अक्सर अपने विवादित बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं। इस पर केआरके ने बसपा प्रमुख मायावती पर आपत्तिजनक टिप्पणी की, जिसके कारण उनके खिलाफ सहारनपुर में मामला दर्ज किया गया है। इंद्रपुर गांव में रहने वाले बसपा नेता सुशील कुमार ने एक्टर के खिलाफ पुलिस में केस दर्ज कराया है।

सहारनपुर से बसपा कैंडिडेट और केआरके के भाई माजिद अली को मायावती ने निष्कासित कर दिया है। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन ने बताया कि कमाल आर खान उर्फ केआरके के खिलाफ बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की जिला इकाई के अध्यक्ष सुशील कुमार ने देवबंद थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। अभिनेता जिले के फुलास अकबरपुर क्षेत्र से ताल्लुक रखते हैं। पुलिस के मुताबिक, केआरके ने एक्स पर पोस्ट साझा कर बसपा प्रमुख मायावती पर टिप्पणी की थी। एक्टर के भाई माजिद अली ने कहा है कि उनका केआरके से पिछले 15 वर्ष से कोई लेना देना नहीं है। माजिद अली ने बसपा के टिकट पर सहारनपुर से लोकसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन वे असफल रहे।

तरस गाने पर सिनेमाघरों में लोगों को नाचते देखना बहुत खास अनुभव: शरवरी

बॉलीवुड स्टार शरवरी को हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का उभरता सितारा है। उन्होंने अपनी हालिया रिलीज मुंज्या के साथ एक बड़ी हिट दी है और उनकी अगली बड़ी परियोजनाओं में निखिल आडवाणी द्वारा निर्देशित वेदा और आदित्य चोपड़ा की वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट है जिसमे आलिया भट्ट भी शामिल हैं। मुंज्या शरवरी के करियर की दूसरी फिल्म है और उन्होंने अपने डांस ट्रैक तरस के साथ एक बड़ा चार्टबस्टर भी दिया है जो वर्तमान में सभी चार्ट में शीर्ष पर चल रहा है। शरवरी ने अपने शानदार डांसिंग स्किल्स से डांस ट्रैक को बेहतरीन बना दिया है। ऐसा लगता है कि तरस ही वह गाना है जिस पर इस समय हर कोई नाच रहा है! सिनेमाघरों में लोगों के इस गाने पर नाचने के वीडियो सामने आये हैं, जो इस गाने की वायरलिटी और दर्शकों के बीच शरवरी की बढ़ती लोकप्रियता का सबूत है। शरवरी कहती हैं, सिनेमाघरों में लोगों को 'तरस' पर नाचते देखना अविश्वसनीय रूप से सुखद अनुभव है। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि एक हिट गाना फिल्म और कलाकार से कहीं बढ़कर होता है, और हर किसी के लिए कुछ ऐसा बन जाता है जिसे वे हमेशा के लिए एन्जॉय कर सकें और संजो सकें। लोगों को रील बनाते और सिनेमाघरों में तरस पर डांस करते देखना अवास्तविक लगता है। मैं सभी के प्यार और प्रशंसा के लिए गहराई से प्रभावित और आभारी हूँ।

संक्षिप्त समाचार

फ्लिपकार्ट की किया सबसे बड़े ब्यूटी फेस्टिवल का आयोजन

मुंबई, एजेंसी। भारत के स्वदेशी ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने बहुप्रतीक्षित ग्लैम अप फेस्ट 2024 के दूसरे एडिशन का आयोजन जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर, मुंबई में किया जाएगा। यह भारत के सबसे बड़े ब्यूटी इवेंट आयोजनों में से एक है,जिसमें 3500 से अधिक ब्यूटी एवं लाइफस्टाइल इंफ्लुएंसर्स के अलावा 70 से ज्यादा टॉप ब्रैंड्स विभिन्न कंज्यूमर कैटेगरीज़ की भागीदारी होगी। ग्लैम अप फेस्ट कई लाइफस्टाइल इंफ्लुएंसर्स को अभूतपूर्व तथा इमर्सिव प्लेटफार्म मुहैया कराएगा और ये इंफ्लुएंसर्स सोशल मीडिया के जरिए अपने फौलोअर्स के लिए ब्यूटी और लाइफस्टाइल प्रोडक्ट्स की विस्तृत रेंज को इंटरेक्टिव फीचर्स के साथ प्रस्तुत करेंगे। इस साल फ्लिपकार्ट के ग्लैम अप फेस्ट एक ही छत के नीचे कई लोकल और इंटरनेशनल ब्रैंड्स को ला रहा है और इनका जश्न मनाने के लिए कई हस्तियां तापसी पन्नू, सिद्धांत चतुर्वेदी, रोहित सर्राफ, अदा शर्मा और पश्मिना रोशन आदि भी एकजुट हो रही हैं। ये हस्तियां तथा इंफ्लुएंसर्स फ्लिपकार्ट की एआर तथा वीआर क्षमताओं का लाभ उठाते हुए कई इनोवेटिव टूल्स जैसे वर्चुअल ट्राई-ऑन, वीडियो कॉमर्स, स्किन एनेलाइज़र्स और अन्य समेत इमर्सिव ब्रैंड बूथ्स के साथ एंगेजमेंट बढ़ाएंगे। साथ ही, प्रोडक्ट्स को देखने एवं बेहतर शॉपिंग अनुभव भी मिलेंगे। वेन्यू पर को-क्यूरेटेड एक्सपीरिएंशियल ब्रैंड ज़ोन्स के लिए लॉरियाल, लैक्मे, मेबिलिन, शुगर कॉस्मेटिक्स, मामाअर्थ, रीबॉक, रेवलॉन, न्यूट्रोजेना तथा सेटाफिल ने पहल की है जहां नए लॉन्च, डील्स, और सिग्नेचर कलेक्शंस होंगे। 14 जून कोइस एक-दिवसीय ब्यूटी फेस्ट में कई उल्लेखनीय ब्रैंड लॉन्च, इंटरेक्टिव एक्टिविटीज़, ब्यूटी डेमोन्स्ट्रेशंस, प्रोडक्ट ट्रायल्स और समर्पित फोटो तथा वीडियो स्टेशंस भी होंगे। इस आयोजन में फ्लिपकार्ट लीडरशिप की ओर से मंजरी सिंघल, हैड ऑफ बिजनेस, एफएमसीजी तथा जनरल मर्चेंडाइज़, फ्लिपकार्ट, हेमंत बदरी, हैड ऑफ सप्लाई चेन एवं एसवीपी, कस्टमर एक्सपीरियेंस तथा री-कॉमर्स और जयेंद्रन वेणुगोपाल, चीफ प्रोडक्ट एंड टैक्नोलॉजी ऑफिसर, फ्लिपकार्ट की भी भागीदारी रहेगी जो टैक्नोलॉजी इनोवेशंस, ब्यूटी एवं पर्सनल केयर इंडस्ट्री के बारे में अपने विचारों से अवगत कराएंगे।

जी5 ने अपनी अगली डायरेक्ट-टू-डिजिटल फिल्म, रौतू का राज का ट्रेलर जारी किया

मुंबई, एजेंसी। जी5,भारत का सबसे बड़ा घरेलू वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म और बहुभाषी कहानीकार, अपनी अगली डायरेक्ट-टू-डिजिटल फ़िल्म, रौतू का राज की घोषणा करने के लिए उत्साहित है। ज़ी स्टूडियोज़ और फट फिश रिकॉर्ड्स द्वारा निर्मित और आनंद सुरपुर द्वारा निर्देशित, रौतू का राज़ में नवाजुद्दीन सिद्दीकी मुख्य भूमिका में इंस्पेक्टर दीपक नेगी के रूप में नजर आएंगे। मिस्ट्री थ्रिलर में राजेश कुमार, अतुल तिवारी और नारायणी शास्त्री भी सहायक भूमिकाओं में हैं और यह उत्तराखंड के रौतू की बेली के सुरम्य गाँव में बनाई गई है। पिछले साल 54वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में इस फ़िल्म का भव्य प्रीमियर हुआ था, जहाँ इसका गर्मजोशी से स्वागत किया गया था और अब यह 28 जून को अपने ओटीटी प्रीमियर के लिए तैयार है।

जीपीईएस सोलर का आईपीओ ओपन

कीमत 100 रुपये से भी कम, ग्रे मार्केट में दबदबा

नई दिल्ली, एजेंसी। सोलर इंवर्टर और सोलर पैनल बनाने वाली कंपनी जीपीईएस सोलर का आईपीओ आज से खुल रहा है। इस आईपीओ का साइज 30.79 करोड़ रुपये का है। कंपनी का आईपीओ पूरी तरह से फ्रेश इश्यू पर आधारित है। इस इश्यू के जरिए कंपनी 32.76 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी।

कंपनी का इश्यू 14 जून यानी आज से 19 जून तक खुला रहेगा। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 90 रुपये से 94 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। हालांकि, लॉट साइज 1200 शेयरों का बनाया गया है। जिस वजह से कंपनी के आईपीओ पर दांव लगाने वाले निवेशकों को कम से कम 1,12,800 रुपये खर्च करने होंगे। जीपीईएस सोलर की तरफ से शेयरों का अलॉटमेंट 20 जून को किया जाएगा। वहीं, एनएसई एसएमई में कंपनी

की लिस्टिंग 24 जून को संभव है। ग्रे मार्केट में जीपीईएस सोलर ने धूम मचाया हुआ है। कंपनी आज 130 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रही है। यानी निवेशकों को पहले दिन ही 138 प्रतिशत का फायदा हो सकता है। अगर यही ट्रेंड जीपीईएस सोलर की लिस्टिंग तक रहा तो कंपनी शेयर बाजारों में 224 रुपये पर डेब्यू कर सकती है। यानी निवेशकों का पैसा पहले दिन ही दोगुना हो सकता है। बता दें, 13 जून को जीपीईएस सोलर का जीएमपी 125 रुपये था। यानी तब से अबतक कंपनी के जीएमपी में इजाफा हुआ है।

एंकर निवेशकों से कंपनी ने जुटाए 8.30 करोड़ रुपये

जीपीईएस सोलर का आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 13 जून 2024 को खुला था। कंपनी ने आईपीओ के जरिए 8.30 करोड़ रुपये जुटाए थे। आईपीओ के पूरे हिस्से में कम से कम 35 प्रतिशत रिटेल निवेशकों के लिए रिजर्व है। वहीं, क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत आरक्षित है।

बुंदेलखंड में बसने वाली औद्योगिक टाउनशिप नोएडा से भी होगी बड़ी, पूरे यूपी की बदलेगी तस्वीर

लखनऊ एजेंसी। झांसी के पास आकार लेने वाले बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) शहर के मास्टर प्लान का जिम्मा अंतरराष्ट्रीय कंपनी सुर्बाना जुराग को सौंपा गया है। वहीं अमेरिकी कंपनी सीबीआरई कंसल्टेंट के तौर पर बीडा को विकसित करने में सहयोग करेगी। सुर्बाना जुराग कंपनी ने सिंगापुर का मास्टर प्लान तैयार किया है, जबकि अमेरिकी कंपनी सीबीआरई ने हाईटेक स्पेस सिटी, मलेशिया और महाराष्ट्र स्थित शेन्ड्रा-बिडकिन इंडस्ट्रियल पार्क पर काम किया है। बीडा शहर न केवल बुंदेलखंड का कायाकल्प करेगा बल्कि कानपुर तक औद्योगिक विकास में अहम भूमिका निभाएगा। 47 साल बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ये पहल पर बुंदेलखंड सहित पूरे प्रदेश को नोएडा से बड़ी औद्योगिक टाउनशिप मिलेगी। नोएडा की तर्ज पर झांसी के 33 गांवों की 35300 एकड़ जमीन को अर्जित कर आधुनिक और निवेश सिटी के रूप में बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा बीडा शहर का निर्माण किया जा रहा है। इसके अंतर्गत शहर का मास्टर प्लान बनाने के लिए सिंगापुर की जुर्बाना जुराग ने न केवल सिंगापुर का मास्टर प्लान तैयार किया है, बल्कि चीन के सुझा इंडस्ट्रियल एरिया किंगाली, जी-4 सिटी शहरों को भी आकार दिया है। काम पूरा होने के बाद बीडा नोएडा से भी बड़ा शहर होगा।

11 महीने में तैयार होगा मास्टर प्लान

दोनों कंपनियों को 11 महीने के अंदर बीडा सिटी का मास्टर प्लान तैयार करने का समय दिया गया है। इसके बाद वेयरहाउसिंग, लॉजिस्टिक्स, खाद्य प्रसंस्करण, मैन्यूफैक्चरिंग, सेमी कंडक्टर, वैकल्पिक ऊर्जा, ई-वाहन संयंत्र, आटोमोबाइल और डिफेंस सेक्टर में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के निवेशकों को भूखंड आवंटित करने की शुरुआत होगी। अभी तक बीडा द्वारा 4100 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जा चुका है।

देशों में नए घरों की सप्लाई के मुकाबले बिक्री ज्यादा, इसलिए प्रॉपर्टी की कीमतों में आया इतना बड़ा उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में प्रॉपर्टी की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। पिछले दो साल में भारत के शीर्ष 7 शहरों में प्रॉपर्टी की कीमत में 13 प्रतिशत की सीएजीआर (कंपाउंडेड एनुअल ग्रोथ रेट) से इजाफा हुआ है। रियल एस्टेट कंसल्टेंट फर्म एनारॉक की रिपोर्ट में बताया गया कि पिछले दो वर्षों में 8.25 लाख नए घर लॉन्च हुए हैं। वहीं, इस दौरान 8.72 लाख घरों की बिक्री हुई है। इसलिए प्रॉपर्टी की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि 2013 के बाद से ही प्रॉपर्टी के दाम बढ़ रहे हैं। पिछले दो

वर्षों में 13 प्रतिशत के सीएजीआर से बढ़े हैं। वहीं, वित्त वर्ष 2023-24 में महंगाई 1.3 प्रतिशत गिरकर 5.4 प्रतिशत रह गई है। यह दिखाता है कि रियल एस्टेट महंगाई को आउटपरफॉर्म कर रहा है। कंसल्टेंट फर्म का कहना है कि महंगाई के दौर में अपनी वेल्थ को बनाने और बढ़ाने के लिए रियल एस्टेट एक अच्छे निवेश के माध्यम के रूप में उभरा है। जनसंख्या बढ़ने के साथ शहरीकरण भी तेजी से बढ़ रहा है। इस कारण आने वाले समय में भी प्रॉपर्टी की कीमतों में बढ़त जारी रह सकती है।

आईआईटी मद्रास ने खेल में उत्कृष्टता के आधार पर यूजी प्रोग्राम में प्रवेश देने की शुरुआत की

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) ने शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 से 'खेल में उत्कृष्टता के आधार पर प्रवेश' (एसईए) देने की शुरुआत की है । संस्थान के प्रत्येक अंडरग्रैजुएट प्रोग्राम में अब भारतीय नागरिकों के लिए दो सुपरन्युमरी सीटें होंगी । इनमें एक खास कर छात्राओं के लिए होगी। आईआईटी मद्रास देश का पहला आईआईटी है जिसने अंडर ग्रैजुएट प्रोग्राम में विशिष्ट खिलाड़ियों को प्रवेश देने की शुरुआत की है।अधिक जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध है। संस्थान ने खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली छात्रों को मान्यता और पुरस्कार देने के लक्ष्य से यह पहल की है ।इससे योग्य छात्र खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखते हुए उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित होंगे। एसईए के माध्यम से प्रवेश के इच्छुक उम्मीदवारों को भी जेईई (एडवांस्ड) क्वालीफाई करना होगा । हालांकि यह संयुक्त सीट आवंटन प्राधिकरण (जोसा) पोर्टल नहीं, बल्कि एक अलग पोर्टल के माध्यम से होगा जिसे आईआईटी मद्रास ने 11 जून 2024 को लॉन्च किया।

फॉगसी ने विस्तृत टीकाकरण शेड्यूल पेश किया

मुंबई, एजेंसी। फेडरेशन ऑफ ऑब्सटेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसायटीज़ ऑफ इंडिया (फॉगसी) ने हाल ही में महिलाओं के लिए एक विस्तृत टीकाकरण शेड्यूल पेश किया है, जिसमें व्यस्क महिलाओं और नई माँओं को लगाए जाने वाले आवश्यक टीकों की विस्तृत सूची और टीकाकरण की अनुशंसित आवृत्ति दी गई है। फॉगसी और एमएसडी फार्मा ने भारत में महिला टीकाकरण की जागरुकता बढ़ाने और टीकों द्वारा महिलाओं की बीमारियों को रोकने में मदद करने के लिए गठबंधन किया है। अभिनेत्री और महिला स्वास्थ्य की समर्थक, काजल अग्रवाल ने हाल ही में मुंबई में आयोजित एक समारोह में टीकाकरण शेड्यूल का अनावरण किया। इस अवसर पर उनके साथ डॉ. जयदीप टांक, प्रेसिडेंट, फॉगसी; डॉ. माधुरी पटेल, सेक्रेटरी जनरल, फॉगसी; प्रो. डॉ. हृषिकेश पाई, फॉगसी के पिछले प्रेसिडेंट और एफआईजीओ (एशिया - ओशिनिया) के वर्तमान ट्रस्टी; डॉ. रेशमा पाई, फॉगसी की पूर्व प्रेसिडेंट; डॉ. नंदिता पलशेतकर, फॉगसी की पूर्व प्रेसिडेंट और आईएसएआर (इंडियन सोसाइटी ऑफ आर्टिफिशियल रिप्रोडक्शन) की पिछली प्रेसिडेंट और डॉ. प्रिया गणेशकुमार, फॉगसी ऑन्कोलॉजी कमिटी की चेयरपर्सन मौजूद

थीं, जो फॉगसी के लिए इस परियोजना का नेतृत्व कर रही हैं। इस लॉन्च के बाद वक्ताओं ने 'महिलाओं में टीकाकरण और टीके द्वारा बीमारियों को रोकने के महत्व' (इंपॉर्टेंस ऑफ इम्युनाईज़ेशन एंड वैक्सीन प्रिवेंटेबल डिज़ीज़ेज़ इन वीमैन) पर एक पैनल वार्ता भी की। इस रिपोर्ट में सामने आया कि महिलाएं पुरुषों के मुकाबले खराब सेहत में 25 प्रतिशत ज्यादा समय बिताती हैं। टीकाकरण से इस स्थिति में परिवर्तन लाया जा सकता है और महिलाओं को टीका लगाकर उन्हें बीमारियों से बचाया जा सकता है, जिससे उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा। फॉगसी के प्रेसिडेंट, डॉ. जयदीप टांक ने कहा, ''महिलाओं के लिए फॉगसी का अपडेटेड टीकाकरण शेड्यूल उनके निवारक स्वास्थ्य की ओर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस विस्तृत संसाधन से महिलाओं और डॉक्टरों को स्पष्ट होगा कि उन्हें क्या करना है, जिससे टीकाकरण के बारे में जागरुकता बढ़ेगी।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट, सोना 50 रुपये तो चांदी की कीमत 550 रुपये लुढ़की

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कमजोर रुझान के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोने की कीमत 50 रुपये की कमी के साथ 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज का कहना है कि स्थानीय बाजार में गुरुवार को सोने की पुरानी कीमतें 50 रुपये फिसल गई। बुधवार को सोने की कीमत 72,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। चांदी का हाल भी कमोबेश कुछ ऐसा ही है। चांदी भी 550 रुपये टूटकर 90,950 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। बता दें, पिछले सत्र में चांदी की कीमत 91,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा 'दिल्ली के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने का हाजिर भाव 50 रुपये की कमी के साथ 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। वैश्विक बाजारों में कॉमेक्स पर सोने का हाजिर भाव दो डॉलर की कमी के साथ 2,313 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस हो गया है।

एक महीने में 14 करोड़ से ज्यादा शेयर खरीदे, म्यूचुअल फंड्स का सुजलॉन एनर्जी पर बड़ा दांव

नई दिल्ली, एजेंसी। म्यूचुअल फंड्स ने पिछले महीने मई में विंड एंड सोलर एनर्जी कंपनी सुजलॉन एनर्जी पर जमकर दांव लगाया है। म्यूचुअल फंड्स ने मई में सुजलॉन एनर्जी के 14.21 करोड़ शेयर खरीदे हैं। 31 मई 2024 के आखिर तक म्यूचुअल फंड्स के पास सुजलॉन एनर्जी के टोटल 45.03 करोड़ शेयर हो गए हैं। 30 अप्रैल 2024 के आखिर में म्यूचुअल फंड्स के पास सुजलॉन एनर्जी के 30.81 करोड़ शेयर थे। इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट में यह बात नुवामा की रिपोर्ट के हवाले से कही गई है। सुजलॉन एनर्जी के शेयर शुक्रवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 50.25 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं। सुजलॉन एनर्जी के शेयर एक्सिस म्यूचुअल फंड के लिए टॉप न्यू एंट्री थे। वहीं, एचएसबीसी म्यूचुअल फंड ने सुजलॉन एनर्जी के करीब 2.55 करोड़ शेयर खरीदे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये शेयर 121 करोड़ रुपये की अनुमानित कीमत पर खरीदे गए हैं। पिछले महीने मई में सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में 15 पर्सेंट का उछाल आया है। वहीं, इस साल अब तक सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में 31 पर्सेंट के करीब तेजी आई है। बीएसई पर उपलब्ध शेयरहोल्डिंग डेटा के मुताबिक, 31 मार्च 2024 तक म्यूचुअल फंड्स की सुजलॉन एनर्जी में 1.86 पर्सेंट हिस्सेदारी थी। म्यूचुअल फंड्स के पास 25.26 करोड़ से ज्यादा शेयर थे। जून तिमाही के शेयरहोल्डिंग डेटा जुलाई में डिक्लेयर होंगे। म्यूचुअल फंड्स ने अप्रैल और मई इन 2 महीनों में सुजलॉन एनर्जी के करीब 20 करोड़ शेयर खरीदे हैं। सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में पिछले एक साल में 249 पर्सेंट का उछाल आया है।

एलन मस्क की लगी लॉटरी, अमेरिका के सबसे बड़े पे पैकेज के साथ मिली नंबर वन रईस की कुर्सी

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी टेस्ला के सीईओ एलन मस्क के लिए गुरुवार का दिन दोहरी खुशियां लेकर आया। टेस्ला के निवेशकों ने मस्क के लिए 56 अरब डॉलर के पे पैकेज को मंजूरी दे दी है। यह अमेरिका के कॉरपोरेट इतिहास का सबसे बड़ा पे पैकेज है। इसके साथ ही मस्क दुनिया के अमीरों की लिस्ट में फिर से नंबर वन हो गए हैं। उनकी नेटवर्थ में 3.70 अरब डॉलर की तेजी आई और वह दो स्थान की छलांग लगाते हुए दुनिया के सबसे बड़े रईस बन गए हैं। उनकी नेटवर्थ अब 207 अरब डॉलर पहुंच गई है। हालांकि इस साल उनकी नेटवर्थ में 22.5 अरब डॉलर की गिरावट आई है। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे और पेशे से इंजीनियर मस्क कई कंपनियां चलाते हैं। इनमें टेस्ला के अलावा माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स और स्पेसएक्स भी शामिल हैं।

मस्क ने फ्रांस के बर्नार्ड अरनॉल्ट और ऐमजॉन के जेफ बेजोस को पछाड़कर नंबर वन की कुर्सी हासिल की है। बेजोस 206 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ अब अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं जबकि अरनॉल्ट 204 अरब डॉलर के साथ तीसरे नंबर पर खिसक गए हैं। बेजोस की नेटवर्थ इस साल 29.6 अरब डॉलर बढ़ी है जबकि अरनॉल्ट की नेटवर्थ में 3.31 अरब डॉलर की गिरावट आई है। फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म के सीईओ मार्क जकरबर्ग 179 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 51 अरब डॉलर की तेजी आई है। लैरी पेज 156 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ पांचवें नंबर पर हैं। पेज की नेटवर्थ इस साल 29.6 अरब डॉलर बढ़ी है।

अंबानी-अडानी की नेटवर्थ

माइक्रोसॉफ्ट के फाउंडर बिल गेट्स 156 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ छठे नंबर पर हैं। स्टीव बाल्मर (152 अरब डॉलर) सातवें, लैरी एलिसन (152 अरब डॉलर) आठवें, सर्गेई ब्रिन (146 अरब डॉलर) नौवें और वॉरेन बफे (134 अरब डॉलर) दसवें नंबर पर हैं। माइकल डेल 114 अरब डॉलर के साथ 11वें और एनवीडिया के फाउंडर जेंसन हुआंग 114 अरब डॉलर के साथ 12वें नंबर पर आ गए हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी दो स्थान फिसलकर अब 13वें नंबर पर खिसक गए हैं। उनकी नेटवर्थ 112 अरब डॉलर है और वह एशिया के सबसे बड़े रईस हैं।

बीएसई की सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 431.67 लाख करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी। बीएसई सेंसेक्स बृहस्पतिवार को सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। इससे बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का सामूहिक बाजार पूंजीकरण (एमकैप) भी 431.67 लाख करोड़ रुपए के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गया। लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 538.89 अंक या 0.70 अंक चढ़कर 77,145.46 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। बाद में यह 204.33 अंक या 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 76,810.90 अंक के नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। इससे बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 4,31,67,541.81 करोड़ रुपए (5.17 लाख करोड़ डॉलर) के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया।

भारत तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा

रेटिंग एजेंसी मूडीज ने यह बात कही

भारत पिछले साल की जारी रफ्तार बनाए रखेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी आगे भी जारी रहने वाली है। रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भी भारत की अर्थव्यवस्था का लोहा माना है। रेटिंग एजेंसी मूडीज ने गुरुवार को कहा कि भारत वर्ष 2024 में एशिया-प्रशांत क्षेत्र की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। यह पिछले साल की घरेलू स्तर पर जारी रफ्तार को बनाए रखेगा। मूडीज रेटिंग्स ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिए दूसरी छमाही के साख परिदृश्य पर जारी

अपनी रिपोर्ट में कहा कि इंडोनेशिया, फिलिपीन और भारत 2024 की पहली छमाही में वृद्धि के मामले में सबसे आगे रहेंगे। ये देश बढ़ते निर्यात, स्थानीय मांग एवं बुनियादी ढांचे पर सरकारी व्यय के दम पर कोविड-पूर्व वृद्धि आंकड़ों से बेहतर प्रदर्शन करना जारी रखेंगे।

जारी रहेगी तूफानी रफ्तार

रेटिंग एजेंसी ने कहा, ''भारत घरेलू स्तर पर जारी रफ्तार को पिछले साल की तरह बरकरार रखते हुए क्षेत्र की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। हम आम चुनाव के बाद नीतियों में निरंतरता और ढांचागत विकास एवं निजी क्षेत्र के निवेश को प्रोत्साहन पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने की उम्मीद करते हैं।'' मूडीज ने कहा कि मजबूत कॉरपोरेट ऋण पैमाने और आकर्षक मूल्यांकन के कारण भारत और आसियान देशों की अर्थव्यवस्थाओं में मजबूत पोर्टफोलियो प्रवाह की संभावना है।

रेटिंग एजेंसी ने पिछले महीने अनुमान लगाया था कि भारत चुनाव के बाद की नीतिगत निरंतरता के दम पर इस साल 6.8 प्रतिशत की दर से वृद्धि करेगा और वर्ष 2025 में इसकी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहेगी। भारत का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वर्ष 2023 में 7.7 प्रतिशत बढ़ा था। 2022 में आर्थिक वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रही थी।

महाराष्ट्र में 3000 करोड़ रुपये निवेश करेगी मर्सिडीज बेंज

मुंबई एजेंसी। मंनी की कार विनिर्माता कंपनी मर्सिडीज बेंज महाराष्ट्र में 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री उदय सामंत ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री उदय सामंत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म मंच 'एक्स' पर लिखा कि जर्मनी की यात्रा के दौरान उन्होंने मर्सिडीज बेंज के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान अधिकारियों से राज्य में निवेश अवसरों पर चर्चा की गई। सामंत ने कहा 'मर्सिडीज बेंज इस साल महाराष्ट्र में 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इससे राज्य में रोजगार के अवसर पैदा करने में मदद मिलेगी।' उद्योग मंत्री उदय सामंत ने आगे कहा कि इस निवेश से विधानसभा चुनावों में शिवसेना-भाजपा-राकांपा सरकार को मजबूती मिल सकती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा है कि महाराष्ट्र को गुजरात और अन्य राज्यों के मुकाबले बड़ी औद्योगिक परियोजनाएं गंवानी पड़ रही हैं।

अरे फर्जी किंग है, उसका रिकॉर्ड तो मुझसे भी घटिया है...

पाकिस्तानी खिलाड़ी ने बाबर आजम को धो डाला

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर अहमद शेहजाद इन दिनों टीम के कप्तान बाबर आजम की जमकर आलोचना की है। पाकिस्तान टी20 वर्ल्ड कप 2024 से लगभग बाहर होने वाला है और इसी दौरान शेहजाद ने एक पाकिस्तानी टॉक शो हारना मना है में बाबर पर फिर से हमला बोला। इस बार शो में शेहजाद और बाबर के टी20 वर्ल्ड कप के आंकड़ों की तुलना दिखाई गई, जिसमें शेहजाद का प्रदर्शन बेहतर रहा। शेहजाद ने बाबर को नकली किंग कहा और ये भी आरोप लगाया कि बाबर अपने दोस्तों को टीम में जगह दिलाने के लिए युवा खिलाड़ियों को टिकने नहीं देते।

अहमद शहजाद ने बाबर को जमकर लताड़ा

पाकिस्तान टीम के मौजूदा कप्तान बाबर आजम ने अब तक 22 टी20 वर्ल्ड कप मैचों में 517 रन बनाए हैं, लेकिन उनका स्ट्राइक रेट सिर्फ 112 का रहा है। वहीं, शेहजाद ने सिर्फ 9 मैचों में 126 के स्ट्राइक रेट से 250 रन बनाए हैं, यहां तक कि उन्होंने एक शतक भी लगाया है। शेहजाद गुस्से से बोले, मुझे लगता है मैं इन आंकड़ों से भी बेहतर प्रदर्शन कर सकता था. लेकिन तुम्हारे (बाबर के) आंकड़े तो मुझसे भी खराब हैं। शेहजाद ने ये भी कहा, तुमने टी20 वर्ल्ड कप में पावरप्ले में 205 गेंदों का सामना किया है, लेकिन तुम एक भी छक्का नहीं लगा पाए। उन्होंने आगे आलोचना करते हुए कहा, तुमने घरेलू क्रिकेट की पूरी व्यवस्था खराब कर दी। तुमने टीम में अपने दोस्तों को बिठाने के लिए घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों की जगह छीन ली।

बार-बार ऐसे ही जलील होता है पाकिस्तान, हार के बाद बनाता है घटिया बहाना

खासकर, शेहजाद ने 22 साल के बल्लेबाज सईम आयुब के करियर को बर्बाद करने के लिए बाबर को जिम्मेदार ठहराया। शेहजाद ने कहा, सईम आयुब को आगे बढ़ाना तुम्हारी जिम्मेदारी थी, लेकिन अब इतनी कम उम्र में ही उसका करियर खत्म हो गया है। सिर्फ 25 मैच खेलने के बाद लोग सईम की आलोचना कर रहे हैं बता दें कि पाकिस्तान को अगला मैच आयरलैंड के खिलाफ जीतना जरूरी है। वहीं अगर अमेरिका अपना आखिरी ग्रुप स्टेज मैच आयरलैंड के खिलाफ जीत गई तो पाकिस्तान का खेल खत्म हो जाएगा।

टी20 विश्व कप: 2024

कनाडा के खिलाफ कोहली की फॉर्म पर रहेंगी नजरें

लॉडरहिल (अमेरिका), एजेंसी। भारत टी20 विश्व कप के अपने अंतिम ग्रुप ए मैच में शनिवार को यहां जब कनाडा से भिड़ेगा तो स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के पिछले कुछ मैचों में कम स्कोर उसके लिए चिंता की बात होंगे। टीम को साथ ही उम्मीद होगी कि मुकाबले में बारिश का खलल नहीं पड़ेगा क्योंकि फ्लोरिडा के कई हिस्सों में लगातार बारिश हो रही है। तीन मैच में तीन जीत के साथ भारत पहले ही सुपर आठ चरण में जगह बना चुका है जिसके सभी मुकाबले वेस्टइंडीज में होंगे।

आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू की ओर से 150 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 700 से अधिक रन बनाने के बाद कोहली टी20 विश्व कप में आए थे लेकिन शुरुआती मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रहे। वह अब अब तीन मैच में 1.66 के औसत से पांच ही रन बना पाए हैं जिसमें अमेरिका के खिलाफ 'गोल्डन डक (पहली गेंद पर खाता खोले बिना आउट होना) भी शामिल है। उम्मीद है कि वह एक बार फिर आईसीसी प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करेंगे जो 13 साल बाद भारत के लिए एक और आईसीसी खिताब जीतने का उनका संभवत- आखिरी मौका है। भारतीय टीम न्यूयॉर्क से 1850 किमी की यात्रा करके फ्लोरिडा पहुंची है और उम्मीद है कि शहर बदलने के साथ कोहली को भाग्य भी बदलेगा। ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम की पिच से गेंदबाजों को शायद न्यूयॉर्क जितनी मदद नहीं मिले जहां की पिच पर असमान उछाल था और धीमा आउटफील्ड के कारण क्रिकेट से अधिक मैदान और पिच की चर्चा हो रही थी। कोहली के ऊपर से हालांकि इस तथ्य से दबाव कुछ कम होगा कि उनके खराब प्रदर्शन का असर टीम के प्रदर्शन पर नहीं पड़ा है। कप्तान रोहित शर्मा के साथ पारी का आगाज कर रहे कोहली के जल्दी आउट होने से टीम को अच्छी शुरुआत नहीं मिल रही और बाद में आने वाले बल्लेबाजों पर दबाव बन रहा है।

संभावित प्लेइंग 11

भारत: विराट कोहली, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव

कनाडा: आरोन जॉनसन, नवनीत धालीवाल, परगट सिंह, रविंदरपाल सिंह, निकोलस किरटन, साद बिन जफर, श्रेयस मोव्वा, डिलन हेइलिगर, कलीम सना, जेरेमी गॉर्डन, जुनैद सिद्दीकी

कौन सहवाग?, मुल्तान के सुल्तान ने शाकिब की आलोचना की तो बांग्लादेश के ऑलराउंडर ने इस तरह दिया जवाब

किंग्सटाउन, एजेंसी। सहवाग ने दावा किया था कि शाकिब को बहुत पहले ही टी20 प्रारूप से संन्यास ले लेना चाहिए था। उन्होंने तो यहां तक कहा कि खेल के सबसे छोटे प्रारूप में उनके आंकड़े हाल में शर्मनाक रहे हैं। इस पर शाकिब का जवाब सामने आया है। टी20 विश्व कप में अपनी फॉर्म को लेकर हो रही आलोचनाओं के बीच बांग्लादेश के स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने गुरुवार को नीदरलैंड के खिलाफ मैच विजयी पारी खेलकर अपने आलोचकों का मुंह बंद कर दिया। अनुभवी ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 13वां अर्धशतक लगाया और बांग्लादेश को टी20 विश्व कप सुपर 8 क्वालिफिकेशन के करीब पहुंचने में मदद की। शाकिब

46 गेंदों में नौ चौकों की मदद से 64 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले भारत के पूर्व बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने बांग्लादेश की टीम में शाकिब के स्थान पर सवाल उठाए थे।

सहवाग और शाकिब आमने-सामने

सहवाग ने दावा किया था कि शाकिब को बहुत पहले ही टी20 प्रारूप से संन्यास ले लेना चाहिए था। उन्होंने तो यहां तक कहा कि खेल के सबसे छोटे प्रारूप में उनके आंकड़े हाल में शर्मनाक रहे हैं। उन्होंने कहा, पिछले विश्व कप के दौरान मुझे लगा था कि शाकिब को टी20 प्रारूप के लिए नहीं चुना जाना चाहिए। रिटायरमेंट का समय बहुत पहले आ गया था। आप इतने सीनियर खिलाड़ी हैं, आप इस टीम के कप्तान थे। आपको वास्तव में अपने हाल के नंबरों पर शर्म आनी चाहिए। आपको आगे आना चाहिए और खुद कहना चाहिए कि अब बहुत हो गया, मैं इस प्रारूप से संन्यास ले रहा हूं। हालांकि, शाकिब ने नीदरलैंड के खिलाफ मैच के बाद सहवाग पर एक शब्द की प्रतिक्रिया के साथ पलटवार किया। सहवाग की टिप्पणी पर उनके विचार साझा करने के लिए कहे जाने पर, 37 वर्षीय ने भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज को कौन कहकर संबोधित किया। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। शाकिब को नीदरलैंड के खिलाफ मैच के लिए प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया।

फुटबॉल फैंस के लिए बुरी खबर, लियोनल मेसी लेंगे संन्यास? खुद किया बड़ा एलान

नईदिल्ली, एजेंसी। फुटबॉल फैंस के लिए बुरी खबर है. अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनल मेसी ने कहा कि वह पेरिस ओलंपिक में अर्जेंटीना की टीम का हिस्सा नहीं होंगे. दरअसल, ऐसा माना जा रहा है कि लियोनल मेसी की उम्र और व्यस्त शेड्यूल की वजह से पेरिस ओलंपिक में खेलना मुश्किल है. इसके अलावा पिछले कोपा अमेरिका गेम्स में अर्जेंटीना ने टाइटल जीता था. इस बार कोपा में अर्जेंटीना डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर उतरेगी, लेकिन लियोनल मेसी का ना होना अर्जेंटीना के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है. कोपा अमेरिका टूर्नामेंट का आयोजन 20 जून से 14 जुलाई के बीच संयुक्त राज्य अमेरिका में होना है.

मैं अब ऐसी उम्र में नहीं हूं कि हर चीज में हिस्सा बन सकूं...- लियोनल मेसी ने कहा कि मैंने अर्जेंटीना के अंडर-23 कोच माशचेरानो से बात की, इसके बाद हम दोनों ने हालात को समझा. अभी ओलंपिक के बारे में सोचना मुश्किल है क्योंकि हम कोपा अमेरिका में हैं, यह दो-तीन महीने लगातार क्लब से दूर रहने जैसा होगा।

चेस

18 साल की दिव्या विश्व जूनियर चेस चैंपियन बनीं, पूरे टूर्नामेंट में अपराजेय रहीं, 10 अंक हासिल किए

गांधीनगर, एजेंसी। अंडर-19 राष्ट्रीय चैंपियन और फिडे मास्टर 14 वर्षीय शुभि गुप्ता ने टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन से हैरान करते हुए चौथा स्थान हासिल किया। उन्होंने कुल 8 अंक अर्जित किए। उनकी ईएलओ रेटिंग महज 1943 की है।

18 वर्षीय अंतरराष्ट्रीय मास्टर और महिला ग्रैंड मास्टर दिव्या देशमुख ने अंडर-20 विश्व जूनियर चैंपियन बनने का गौरव हासिल कर लिया है। नागपुर की दिव्या ने 11 दौर में 10 अंक हासिल किए। वह पूरे टूर्नामेंट में अपराजेय रहीं। उन्होंने 11 मैच में नौ जीत हासिल की और उनके दो मुकाबले ड्रॉ रहे। उन्होंने बृहस्पतिवार को 11वें दौर में बुल्गारिया की बेलोस्लावा क्रास्तेवा को सफेद मोहरों से खेलते हुए पराजित किया। 2456 की ईएलओ रेटिंग रखने वाली दिव्या एशियाई जूनियर चैंपियन भी हैं और यह लगातार उनकी दूसरी खिताबी जीत है। इससे पहले उन्होंने बीते माह शारजाह चैलेंजर्स का खिताब जीता था। आर्मेनिया की मरियम मकर्चयन 9.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि अजरबैजान की अयान अल्लाहवारदिएवा 8.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। 10वें दौर में दिव्या ने अपनी ही साथी साची जैन को सिर्फ 26 चालों में हराकर अपने खिताब की उम्मीदों को मजबूत कर लिया था। अंडर-19 राष्ट्रीय चैंपियन और फिडे मास्टर 14 वर्षीय शुभि गुप्ता ने टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन से हैरान करते हुए चौथा स्थान हासिल किया। उन्होंने कुल 8 अंक अर्जित किए।

टी20 विश्व कप के सुपर-8 में पहुंचा अफगानिस्तान, न्यूजीलैंड हुआ बाहर

टरूबा (त्रिनिदाद), एजेंसी। टी20 विश्व कप के सुपर-8 में अफगानिस्तान ने क्वालीफाई कर लिया है।अफगानिस्तान ने शुक्रवार को ब्रायन लारा क्रिकेट स्टेडियम में पापुआ न्यू गिनी को सात विकेट से हराकर टूर्नामेंट में जीत की हैट्रिक भी लगाई। अफगानिस्तान की यह जीत न्यूज़ीलैंड के लिए बड़ा झटका है। सुपर-8 में पहुंचने का कीवी टीम का इरादा पूरा नहीं हो पाया। न्यूजीलैंड ग्रुप-सी में दो मैचों में दो हार के साथ सबसे नीचे है। अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज ने ग्रुप में तीनों मुकाबले जीत लिए। वहीं, न्यूजीलैंड को लगातार हार मिली और टीम टूर्नामेंट की रेस से बाहर हो गई है। इस मुकाबले की बात करें तो टॉस जीतकर अफगानिस्तान ने पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ गेंदबाजी करने का फैसला किया। पापुआ न्यू गिनी 19.5 ओवर में 95 रन पर ऑल आउट हो गई जिसमें विकेटकीपर बल्लेबाज किपलिन डोरिगा ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 27 रन बनाए। जवाब में गुलबदीन की 49 रन की पारी के दम पर अफगानिस्तान ने 15.1 ओवर में 3 विकेट खोकर 96 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। हालांकि, 96 रनों का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की शुरुआत खराब रही। टीम ने पहले तीन ओवरों में ही सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान का विकेट खो दिया और पावरप्ले 39/2 पर समाप्त हुआ।

इंग्लैंड का दमदार कमबैक, ओमान को हराकर नेट रनरेट में भारी बढ़त हासिल की

नॉर्थ साउंड (एंटीगा), एजेंसी। टी20 विश्व कप 2024 में इंग्लैंड ने शानदार वापसी की है। गुरुवार रात सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में इंग्लिश टीम ने ओमान पर 8 विकेट से शानदार जीत दर्ज की और टीम सुपर-8 की दौर में बनी हुई है। इंग्लैंड ने ओमान को 47 रन पर ढेर कर दिया और 3.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। यह टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में चौथा सबसे कम टीम स्कोर रहा।

इस जीत की मदद से इंग्लैंड ने ग्रुप बी में नेट रन रेट में भारी बढ़त हासिल कर ली। पहले गेंदबाजी करने का फैसला करने के बाद इंग्लैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण ने ओमान की बैटिंग लाइन अप को तहस-नहस कर दिया। मार्क वुड और जोफ्रा आर्चर ने तीन-तीन विकेट लिए। स्पिनर आदिल राशिद ने अपने चार ओवर में 11 रन देकर चार विकेट लिए, जबकि जोफ्रा आर्चर और मार्क वुड ने 12 रन देकर तीन-तीन विकेट लिए।

नीदरलैंड को हराकर सुपर 8 की दहलीज पर बांग्लादेश

किंग्सटाउन (सेंट विंसेंट), एजेंसी। शाकिब अल हसन की नाबाद अर्धशतकीय पारी की बदौलत बांग्लादेश ने गुरुवार को टी20 विश्व कप के ग्रुप डी मुकाबले में नीदरलैंड को 25 रन से हराकर सुपर 8 चरण के क्वालीफिकेशन की दहलीज पर कदम रख दिया है। इस जीत के साथ बांग्लादेश अगले दौर में प्रवेश करने के बिल्कुल करीब पहुंच गई है। हालांकि नीदरलैंड के लिए भी उम्मीदें अभी समाप्त नहीं हुई हैं, लेकिन इस मैच के नतीजे ने श्रीलंका को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया है। बांग्लादेश की इस जीत के दो बड़े हीरो रहे। शाकिब अल हसन का बल्ला सबसे अहम मौके पर बोला। बांग्लादेश ने पावरप्ले में ही दो विकेट गंवा दिए थे, लेकिन शाकिब अंत तक डटे रहे और उनकी 64 रनों की नाबाद पारी की बदौलत बांग्लादेश की टीम ने 20 ओवर में 159 का स्कोर खड़ा कर लिया। बांग्लादेश ने लक्ष्य का बचाव किया, जिसमें रिशाद हुसैन ने (3-33) और तस्कीन अहमद ने (2-30) शानदार गेंदबाजी की। नीदरलैंड की टीम 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 132 रन ही बना सकी। बांग्लादेश के खाते में अब ग्रुप-डी में तीन मैचों में चार अंक हैं और उसका अंतिम मैच नेपाल से है।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025

टीम इंडिया नहीं जाएगी पाकिस्तान!

नईदिल्ली, एजेंसी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन पाकिस्तान में होना है. लेकिन क्या भारतीय टीम पाकिस्तान जाएगी? दरअसल, बीसीसीआई कई बार दोहरा चुकी है कि आईसीसी चैंपियंस के लिए सुरक्षा संबंधी कारणों से टीम इंडिया पाकिस्तान जाएगी. अगर आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत पाकिस्तान नहीं जाएगा तो क्या विकल्प हैं? इस पर बीसीसीआई का कहना है कि यह टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल पर खेला जाए, ताकि भारतीय टीम को पाकिस्तान जाने की जरूरत नहीं पड़े.

युवा मिडफील्डर मनीषा ने कहा

भारतीय हॉकी टीम को रिप्रेजेंट करना बेहद खास

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड की मनीषा चौहान ने 25 साल की उम्र में सीनियर महिला हॉकी टीम के लिए अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू करने का अपना सपना पूरा किया। इस स्टार मिडफील्डर ने एफआईएच प्रो लीग 2023/24 के यूरोप चरण के दौरान अर्जेंटीना के खिलाफ अपना पहला मैच खेला था।

अपने करियर के इस सबसे स्पेशल मोमेंट को याद कर मनीषा ने कहा, ये हर खिलाड़ी का सपना होता है कि वो अपने देश के लिए खेले। जब से मैंने हॉकी थामी तब से मैंने देश के लिए खेलने का सपना देखना

शुरू कर दिया। जब मैं भारतीय जर्सी पहनकर मैदान पर उतरी, तो यह मेरे लिए बेहद खास क्षण था। कोचिंग और सहयोगी स्टाफ ने मुझ पर भरोसा जताया और अब यह मेरा फर्ज कि मैं उन्हें सही साबित करूं। मनीषा ने कहा, हरेंद्र सर ने मुझे खुद पर भरोसा करने और अपना नेचुरल गेम खेलने के लिए कहा। उन्होंने मुझे यह भी बताया कि मुझे किन क्षेत्रों में काम करने की जरूरत है और मैं अपने गेम को कैसे बेहतर बना सकती हूं। टीम के हर सदस्य ने मेरा समर्थन किया, मेरी मदद की और मुझे बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

मनीषा की हॉकी में रुचि तब शुरू हुई जब वह 5वीं कक्षा में थी। अपने सफर को याद करते हुए उन्होंने कहा, मुझे हमेशा से ही हॉकी में रुचि थी।

कनाडा के खिलाफ मैच के बाद भारत लौट सकते हैं शुभमन, आवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के रिजर्व खिलाड़ी शुभमन गिल और आवेश खान कनाडा के खिलाफ मैच के बाद मौजूदा टी20 विश्व कप से टीम का साथ छोड़ भारत लौट आएंगे। टीम इंडिया में बैकअप के तौर पर दोनों खिलाड़ी टीम के बाकी सदस्यों के साथ फ्लोरिडा गए। गिल और आवेश उन चार सदस्यीय रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल थे। वहीं, दो और अन्य रिजर्व खिलाड़ी खलील अहमद और रिंकू सिंह टीम के साथ बने रहेंगे। रिपोर्ट के

अनुसार, गिल और आवेश दोनों खिलाड़ियों का साथ टीम इंडिया के साथ केवल यएस लेग तक ही था।

रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ग्रुप चरण में लगातार तीन मैच जीतकर टूर्नामेंट के सुपर आठ चरण में पहुंच गई। यूएस लेग के अपने आखिरी मैच में भारत शनिवार को फ्लोरिडा के फोर्ट लॉडरडेल में कनाडा से भिड़ेगा। भारत ने आयरलैंड, पाकिस्तान और यूएसए को हराकर अब तक टूर्नामेंट में ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया है। फ्लोरिडा में खराब मौसम की स्थिति भारत की जीत की लय में खलल डाल सकती है।

घुड़सवार श्रुति वोरा ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अनुभवी घड़सवार श्रुति वोरा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की। श्रुति थ्री स्टार ग्रां प्री प्रतियोगिता जीतने वाली पहली भारतीय राइडर (घुड़सवार) बन गई हैं। भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। कोलकाता की रहने वाली श्रुति ने ड्रेसेज विश्व चैंपियनशिप (2022) और एशियाई खेलों (2010, 2014) में भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

श्रुति ने सात से नौ जून तक स्लोवेनिया के लिपिका में आयोजित सीडीआई-3 प्रतियोगिता में 67.761 अंक हासिल किए। भारतीय खिलाड़ी मोलदोवा की तातियाना एंटोनेंको (आचेन) से आगे रहीं जिन्होंने 66.522 अंक हासिल किए। ऑस्ट्रिया की जूलियन जेरिच (क्वार्टर गर्ल) ने 66.087 अंकों के साथ शीर्ष तीन में जगह बनाई। श्रुति ने ग्रां प्री स्पेशल में भी सराहनीय प्रदर्शन किया जो इसी स्थान पर एक साथ आयोजित की गई। वह 66.085 अंकों के साथ एंटोनेंको के बाद दूसरे स्थान पर रहीं।

संक्षिप्त समाचार

रिकांगपिओः जिला में काशंग व सांगला कंडे में ग्लेशियर के पिघलने से बनीं कृत्रिम झीलें

किन्नौर, एजेंसी। जिला किन्नौर के काशंग व सांगला कंडे में ग्लेशियर के पिघलने से कृत्रिम झील बनने की सूचना मिली है। यह जानकारी डीसी किन्नौर डा. अमित कुमार शर्मा ने मीडिया को दी। उन्होंने बताया कि जिला किन्नौर में मानसूनी आफत से किस प्रकार से जानमाल के नुक्सान से बचा जा सके, उसे लेकर किन्नौर प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं तथा जिला किन्नौर में भूस्खलन, बाढ़ और ग्लेशियर पिघलने से बनने वाली कृत्रिम झीलें सबसे बड़ा खतरा हैं। उन्होंने बताया कि किन्नौर जिले के सांगला कंडे और काशंग कंडे में ग्लेशियर पिघलने से 2 कृत्रिम झीलें बनने की जानकारी मिली है और शीघ्र ही एनआरएससी और सी टाइप के माध्यम से एक्सपिटिशन भी किया जाएगा कि यदि भविष्य में ये कृत्रिम झीलें टूटती हैं तो इससे सांगला वैली और काशंग कंडे के आसपास आने वाले क्षेत्रों को नुक्सान होगा या नहीं। उन्होंने यह भी बताया कि किन्नौर जिले में आपदाओं से निपटने के लिए 14 जून को मॉकड्रिल भी आयोजित की जाएगी तथा इस मॉकड्रिल में आईटीबीपी, पुलिस व होमगार्ड सहित अन्य विभाग भाग लेंगे। विदित रहे कि इससे पूर्व भी वर्ष 2000 तथा 2005 में तिब्बत के पारछू में बनी कृत्रिम झील के टूटने से सतलुज नदी में आई बाढ़ से नदी का जल स्तर बढ़ गया था, जिससे जिला किन्नौर सहित रामपुर में भी भारी तबाही हुई थी और यदि भविष्य में सांगला व काशंग कंडे में बनी कृत्रिम झीलें भी टूटती हैं तो भारी तबाही हो सकती है, ऐसे में किन्नौर प्रशासन ने प्राइमरी स्तर पर ही इन कृत्रिम झीलों की मॉनीटरिंग शुरू कर दी है, ताकि इन घटनाओं को टाला जा सके या नुक्सान के आंकड़े को कम से कम किया जा सके।

28 जुलाई से शुरू होगा अंतर्राष्ट्रीय मिंजर मेला, राज्यपाल करेंगे शुभारंभ

चम्बा, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय मिंजर मेला इस बार 28 जुलाई से 4 अगस्त तक मनाया जाएगा। मेले के सफल आयोजन को लेकर रविवार को विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया की अध्यक्षता में बैठक की गई। बैठक के दौरान मिंजर मेला कमेटी के सरकारी व गैर-सरकारी सदस्यों से सुझाव लिए गए। इसे पूर्व डीसी चम्बा मुकेश रेप्सवाल ने अंतर्राष्ट्रीय मिंजर मेले के लिए तैयार की गई रूपरेखा के बारे में मंथन किया। मेले के शुभारंभ पर राज्यपाल और समापन समारोह में मुख्यमंत्री को आमंत्रित किया जाएगा। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों, निमंत्रण कार्ड बनाने, थीम विषय का चयन, खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन, मेले के दौरान साफ-सफाई व्यवस्था को सुनिश्चित बनाने पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान सदर विधायक नीरज नैयर ने बताया कि चम्बा में कार्यरत जल विद्युत प्रोजैक्ट से मिंजर के आयोजन को लेकर राशि बढ़ाने की मांग की गई, ताकि मेले के दौरान जो भी बजट की कमी होती है उसे पूरा किया जा सके। डीसी चम्बा ने बताया कि पिछले वर्ष 3 करोड़ 62 लाख रुपए खर्च किए गए थे।

अजित गुट ने ठुकराया मोदी सरकार में स्वतंत्र प्रभार, विधायकों के संपर्क में शरद पवार

नई रार के आसार?

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय मंत्रिमंडल में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) ने मंत्री पद ठुकरा कर एक बार फिर महाराष्ट्र की राजनीति में भावी समीकरणों को लेकर अटकलों का दौर शुरू कर दिया है। मंत्रिमंडल में अजीत गुट से प्रफुल्ल पटेल को स्वतंत्र प्रभार का मंत्री बनाने का ऑफर था। लेकिन, उन्होंने ऑफर यह कहते हुए ठुकरा दिया कि वे पहले कैबिनेट मंत्री रहे हैं और स्वतंत्र प्रभार स्वीकार करना उनके लिए डिमोशन होगा।

माना जा रहा है कि उचित महत्व नहीं मिलने से राजग सहयोगी अजित पवार की पार्टी राकांपा नाराज है। हालांकि, प्रफुल्ल ने राजग में किसी तरह के मतभेद से इनकार किया है। राकांपा नेता पटेल ने कहा कि उनको भाजपा ने राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) का ऑफर दिया था, उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया। मैं पहले कैबिनेट मंत्री रह चुका हूं, इसलिए अब अपना पद गिराना नहीं चाहता। ये उनका डिमोशन होगा। प्रफुल्ल यूपीए सरकार में नागरिक उड्डयन मंत्री रह चुके हैं।

उन्होंने कहा कि आज हमारे पास एक लोकसभा और एक राज्यसभा सांसद हैं, लेकिन अगले 2-3 महीनों में हमारे पास राज्यसभा में कुल 3 सदस्य होंगे। संसद में सांसदों की संख्या 4 होगी, इसलिए हमने कहा कि हमें एक (कैबिनेट मंत्रालय) सीट दी जानी चाहिए।

अजित पवार ने भी यही मांग दोहराई। अजित पवार ने कहा कि हमें राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार के बारे में सूचना मिली, लेकिन प्रफुल्ल खुद कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। हमें खुशी है कि उन्होंने हमें सूचना दी, लेकिन उनके लिए यह पद लेना थोड़ा कठिन था। मतभेद की, जो अटकलें लगाई जा रही हैं वह गलत है।

इसके पहले खबर आई थी कि राकांपा में कैबिनेट मंत्री के पद को लेकर घमासान शुरू हो गया है। सामने आया था कि पार्टी के खाते में एक मंत्री पद गया है, जिसे लेकर दो वरिष्ठ नेताओं प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे के बीच मतभेद शुरू हो गया है। दोनों ही नेताओं ने राकांपा को मिल रहे कैबिनेट मंत्री के पद पर दावा ठोंका है। दोनों में से कोई भी अपनी दावेदारी छोड़ने को तैयार नहीं है। हालांकि, बाद में राकांपा ने इसे गलत बताया। फिलहाल इस घटनाक्रम ने एक बार फिर कई तरह की अटकलों को जन्म दे दिया है।

शरद गुट के संपर्क में कई नेता: लोकसभा चुनाव के बाद से महाराष्ट्र में कई तरह की हलचल चल रही है। राकांपा शरद पवार गुट की ताकत बढ़ने के बाद अजित गुट के कई नेता उनके संपर्क में बताए जाते हैं। सीनियर पवार काफी सक्रिय हैं और माना का रहा है कि इसका असर आने वाले दिनों में देखने को मिलेगा। अजित पवार गुट लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद से बैकफुट पर है। पवार परिवार में भी कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं। इसी तरह शिवसेना के दोनों धड़ों को लेकर भी अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि महाराष्ट्र में इसी साल चुनाव है और उसके पहले कई नए सियासी समीकरण राज्य की राजनीति में देखने को मिल सकते हैं।

पंकजा मुंडे हारीं तो जिंदा नहीं बचूंगा, ऐसा कहने वाले ट्रक चालक की हादसे में मौत

बीड, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी की नेता पंकजा मुंडे की बीड लोकसभा सीट से हारने की स्थिति में जीवित नहीं रहने का दावा करने वाले 38 वर्षीय ट्रक चालक की शुक्रवार रात को बस की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस इसे आत्महत्या का मामला होने का संदेह जता रही है। किंगांव पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि घटना रात करीब नौ बजे बोरगांव पटी के पास अहमदपुर-अंधोरी सड़क पर हुई। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान लातूर जिले में स्थित अहमदपुर के येस्टार निवासी सचिन कोंडीबा मुंडे (38) के रूप में हुई है। उन्होंने कहा, बस चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि यह एक दुर्घटना थी या आत्महत्या का मामला था। यह तब हुआ जब यल्दरवाड़ी नाइट हॉल्ट बस बोरगांवपटी में रुकी। सचिन बस के पीछे खड़ा था और जब बस पीछे जाने लगी तब तभी वह उसकी चपेट में आ गया। किनगांव पुलिस थाना के सहायक निरीक्षक भाऊसाहेब खंडारे ने बताया कि जांच के तहत महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम की बस को जब्त कर लिया गया है। मृतक अविवाहित था और अपने माता-पिता और भाई के साथ रहता था। उसने एक वीडियो जारी करके दावा किया था कि अगर पंकजा मुंडे चुनाव हार गई तो सचिन जिंदा नहीं रहेगा। उस समय यह वीडियो वायरल हो गया था।

जम्मू-कश्मीर आतंकी हमले में राजस्थान के 5 लोग लापता, सीएम ने दिल्ली से संपर्क साधा

जयपुर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में रविवार को पर्यटकों के बस पर हुए आतंकी हमले में 10 तीर्थ यात्रियों की मौत हो गई थी। इस बस में सवार राजस्थान के चौमूं (जयपुर) के एक बच्चा सहित 5 लोग लापता हैं। यहां से 5 यात्री तीर्थयात्रा पर गए थे। एक यात्री घायल है। सीएम भजनलाल शर्मा ने लापता लोगों के बारे में केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधिकारियों से बात की है।उल्लेखनीय है कि श्रीनगर जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस रविवार को आर्तकियों की गोलीबारी के बाद खाई में गिर गई। इससे 10 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई और 33 घायल हो गए। इस घटना में राजधानी जयपुर के चौमूं इलाके के पांच लोग बताए जा रहे है। बताया जा रहा है कि चौमूं के पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से फोन पर बातचीत की है। जिसके बाद सीएमओ से जम्मू-कश्मीर व गृह मंत्रालय से संपर्क साधा जा रहा है। साथ ही पूर्व विधायक ने परिजनों को ढाढ़स बंधाया है।

जयपुर के चौमू के रहने वाले है: इस घटना में राजस्थान के चौमूं इलाके के 5 लोग लापता बताए जा रहा है। जिनमें राजेंद्र सैनी, ममता, पवन, पूजा सैनी, लिवांश के नाम की पहचान हुई है। ये सभी पांच लोग अपने परिवार के साथ वैष्णो माता के दर्शन के लिए गए थे। हालांकि उनकी बात पवन नाम के शख्स से हो चुकी है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा को घटना की जानकारी मिलने पर उन्होंने मुख्यमंत्री से बातचीत की है। जिसके बाद मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रशासन को इस मामले सक्रिय रहने के निर्देश दिए है। एसएसपी मोहित शर्मा के मुताबिक बस शिवखोड़ी मंदिर से कटरा लौट रही थी।

विदेशी पक्षियों और जीवों की तस्करी का पर्दाफाश, स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत का संदेह

बुलन्दशहर, एजेंसी। बुलन्दशहर में विदेशी पक्षियों और जीवों की तस्करी का काला खेल उजागर हुआ है। मध्य प्रदेश फारेस्ट टीम ने सोमवार को सुबह चांदपुर रोड स्थित एक ठिकाने पर छापा मारकर इस अवैध धंधे का भंडाफोड़ किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश फारेस्ट टीम ने बुलन्दशहर सिटी कोतवाली क्षेत्र के चांदपुर रोड पर छापा मारा। इस दौरान 11 प्रजातियों के 50 से अधिक जीव, जिनमें विदेशी केकड़े, बिच्छू, सांप, चील, ड्रेगन, कलरफुल बर्ड्स और पैरट शामिल थे, बरामद किए गए। इस अवैध धंधे को स्थानीय फारेस्ट विभाग की मिलीभगत से संचालित किया जा रहा था। बिना रजिस्ट्रेशन के विदेशी पक्षियों और जीवों की खरीद-बिक्री की जा रही थी। छापेमारी के दौरान जीवों की देखभाल करने वाले एक कर्मचारी को हिरासत में लिया गया है। यह ऑपरेशन तीन घंटे से अधिक समय तक चला, जिसमें मध्य प्रदेश फारेस्ट विभाग को बड़ी सफलता मिली है।

घटनास्थल और छापेमारी की जानकारी: मध्य प्रदेश फारेस्ट टीम ने बुलन्दशहर के चांदपुर रोड पर चल रहे इस अवैध धंधे को पकड़ने के लिए गुप्त सूचना के आधार पर कार्यवाही की। टीम ने मौके पर पहुंचकर विदेशी जीवों की तस्करी में संलिप्त व्यापारियों को रंगे हाथ पकड़ा। बरामद किए गए जीवों में ड्रेगन, सांप, बिच्छू और कई रंग-बिरंगे पक्षी शामिल थे।

स्थानीय प्रशासन ने नहीं दी कोई प्रतिक्रिया:: स्थानीय प्रशासन ने इस कार्यवाही पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन स्थानीय लोगों ने इस अवैध धंधे के खिलाफ आवाज उठाई है। लोगों का कहना है कि इस प्रकार की तस्करी से न केवल वन्य जीवों को खतरा है, बल्कि यह पर्यावरण और स्थानीय पारिस्थितिकी को भी प्रभावित कर रही है। मध्य प्रदेश फारेस्ट टीम ने इस सफलता के बाद स्थानीय फारेस्ट विभाग और अन्य संबंधित अधिकारियों के खिलाफ जांच शुरू करने का संकेत दिया है।

हैती के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री गैरी कोलिने की बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में हुए भर्ती

पोर्ट-औ-प्रिंस, एजेंसी। हैती के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री गैरी कोनिले शनिवार देर रात देश की राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस के एक अस्पताल में भर्ती हुए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि कोनिले को अस्पताल में भर्ती क्यों होना पड़ा। कोनिले को हाल में संकटग्रस्त कैरेबियाई देश का नेता चुनने वाली सत्ता हस्तांतरण राष्ट्रपति परिषद के सदस्य लुईस गेराल्ड गिल्स ने बताया कि वह अस्पताल जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके पास इसके अलावा और कोई जानकारी नहीं है। कोनिले को एक जटिल चयन प्रक्रिया के बाद 28 मई को प्रधानमंत्री चुना गया था। कोनिले जनवरी 2023 से लातिन अमेरिका और कैरेबियाई देशों के लिए यूनिसेफ (संयुक्त राष्ट्र बाल कोष) के क्षेत्रीय निदेशक के तौर पर सेवारत थे और देश से बाहर रहकर काम कर रहे थे। वह एक जून को हैती आए। इससे पहले वह अक्टूबर 2011 से मई 2012 तक हैती के प्रधानमंत्री थे।

फ्रांस में राष्ट्रपति मैक्रों ने संसद भंग की:यूरोपीय संघ चुनाव में हार को देखते हुए फैसला लिया

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने चौंकाने वाला कदम उठाते हुए नेशनल एसेंबली भंग कर दिया है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने यूरोपीय संसद के चुनाव में पार्टी की बड़ी हार होते देख ये फैसला किया। एग्जिट पोल के मुताबिक मैक्रों की रिनेसां पार्टी रविवार को हुए यूरोपीय संसदीय चुनाव में मरीन ली पेन की दक्षिणपंथी पार्टी नेशनल रैली से हार रही है। एग्जिट पोल के अनुमानों के मुताबिक नेशनल रैली को 31.50 प्रतिशत वोट मिल रहे हैं जबकि रिनेसां पार्टी को सिर्फ 15.20प्रतिशत मिल रहे हैं। 14.3प्रतिशत वोट के साथ सोशलिस्ट पार्टी तीसरे नंबर पर रह सकती है। फ्रांस में चुनाव की घोषणा कर दी गई है। वोटिंग 30 जून और 7 जुलाई को होंगे। एग्जिट पोल आने के बाद नेशनल रैली के नेता जॉर्डन बार्डेला ने मैक्रों से संसद भंग करने का आह्वान किया था। एग्जिट पोल आने के कुछ घंटे बाद ही मैक्रों ने राष्ट्रीय संबोधन में संसद के भंग करने की घोषणा की। उन्होंने जनता से कहा, ये नतीजे सरकार के लिए विनाशकारी हैं। मैं इसे अनदेखा नहीं कर सकता। मैंने संसद भंग कर दी है। अब आपके पास अपना राजनीतिक भविष्य चुनने का विकल्प है। मुझे यकीन है कि आप सही फैसला लेंगे। फ्रांस की नेशनल असेंबली में 577 मेंबर होते हैं। वहां पर राष्ट्रपति पद के लिए अलग से चुनाव होता है। ऐसे में यदि यदि रिनेसां पार्टी हार जाती है तो भी मैक्रों पद पर बने रहेंगे। हालांकि मरीन लौ पेन की नेशनल रैली यदि नेशनल असेंबली में बहुमत हासिल कर लेती है, तो मैक्रों बेहद कमजोर राष्ट्रपति बन जाएंगे और उन्हें संसद में अहम फैसले लेने के लिए विपक्षी पार्टियों पर निर्भर रहना पड़ेगा।

पाकिस्तान सरकार पर उनके साथी दल पीपीपी ने लगाया गंभीर आरोप, कहा- बजट के बारे में नहीं की कोई चर्चा

इस्लामाबाद, एजेंसी। हमें नहीं पता कि पीएमएल-एन पाकिस्तान सरकार के 12 जून को वित्तीय वर्ष 2024-25 का बजट पेश करने की संभावना जताई जा रही है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने बताया कि गठबंधन सहयोगी होने के बावजूद सत्तारूढ़ पीएमएल-एन के नेतृत्व वाली सरकार ने आने वाले संघीय बजट पर उनसे परामर्श ही नहीं किया। रविवार को मीडिया रिपोर्ट में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने पीएम शहबाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज पार्टी पर बजट संबंधी चर्चा न करने का आरोप लगाया। यह भी बताया कि बजट के लिए उन्हें विश्वास में नहीं लिया गया। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के नेता सैयद खुर्शीद अहमद शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार ने न तो हमें बजट के संबंधित कुछ बताया और न ही हमें विश्वास में लिया। सैयद खुर्शीद अहमद शाह ने अपना पल्ला झाड़ते हुए कहा कि निजीकरण नीति, करों, विकास कार्यक्रमों के बारे में क्या कर रही है। पीपीपी के शाह ने कहा कि बिलावल भुट्टो के नेतृत्व वाली पीपीपी को राहत के बारे में कुछ भी पता नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि सरकार बजट बना रही है या अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का बजट थोपा जा रहा है। बता दें कि 8 फरवरी को आम चुनावों में बड़े पैमाने पर धांधली के आरोप लगाए गए। इसके बाद पीएमएल-एन और पीपीपी ने खंडित चुनावी नतीजों के बाद गहन बातचीत के बाद गठबंधन सरकार बनाई। उन्होंने अपना दुख प्रकट करते हुए बताया कि बजट में पीपीपी के प्रस्तावों को शामिल नहीं किया गया। उन्होंने कहा, लोग हमसे पूछेंगे कि हमने क्या किया है। क्या हम उन्हें बताएंगे कि हमें इसके बारे में पता ही नहीं है? शाह ने यह भी कहा कि पार्टी को बजट के बारे में लिए जाने वाले निर्णयों की राजनीतिक रूप से जांच करनी होगी।

यूरोपीय संसद चुनाव में दक्षिणपंथी पार्टियों की लहर, फ्रांस, इटली, जर्मनी में प्रचंड जीत

पेरिस, एजेंसी। यूरोपीय संघ के संसदीय चुनावों में दक्षिणपंथी पार्टियों की लहर देखने को मिली है और कई ऐसे यूरोपीय देश हैं, जहां दक्षिणपंथी पार्टियों ने जीत हासिल की है, और जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और ऑस्ट्रियाई चांसलर कार्ल नेहमर को अपमानजनक हार का सामना करना पड़ रहा है।

रविवार देर शाम यूरोपीय संसद की 705 सीटों पर चुनाव खत्म होने के बाद आए एग्जिट पोल में 27 सदस्य देशों वाले इस ब्लॉक में दक्षिणपंथी पार्टियों का बोलबाला दिखाई दे रहा है, जिसका सबसे बड़ा संकेत ये है, कि फ्रांस, जर्मनी और ऑस्ट्रिया जैसे देशों की मौजूदा सरकार पर अब खतरे के बादल मंडरा रहे हैं और सत्ता परिवर्तन प्रबल हो गया है।

यूरोपीय संसद के चुनावी नतीजों से सबसे बड़ा संकेत ये है, कि यूरोपी में सत्ता विरोधी लहर काफी तेज हो गई है। एग्जिट पोल से पता चलता है, कि 150 से ज्यादा

सीटों पर दक्षिणपंथी पार्टियों का कब्जा होने वाला है, जिससे मुख्यधारा की पार्टियों के लिए बहुमत हासिल करना मुश्किल हो जाएगा।

फ्रांस में राष्ट्रपति मैक्रों ने किया संसदीय चुनाव का ऐलान: फ्रांस में, धूर दक्षिणपंथी नेता मरीन ले पेन की नेशनल रैली पार्टी ने राष्ट्रपति मैक्रों की ध्यमार्गी पार्टी रेनेसॉ पार्टी को शिकस्त दे रही हैं, जिसके बाद राष्ट्रपति मैक्रों ने अचानक देश में संसदीय चुनाव की घोषणा कर दी है, जिसे जोखिम भरा कदम माना जा रहा है। ऐसे अनुमान हैं, कि नेशनल रैली पार्टी देश में प्रचंड जीत हासिल कर सकती है और मैक्रों की पार्टी को भारी नुकसान हो सकता है, जिसका असर उनके राष्ट्रपति कार्यकाल पर पड़ेगा, जो अभी 3 साल बाकी है। एग्जिट पोल में यूरोपीय संसदीय चुनाव में नेशनल रैली को लगभग 33 प्रतिशत वोट मिलने की संभावना है और आने वाली यूरोपीय संसद में उसके 31 सीटें जीतने का अनुमान है, जबकि मैक्रों की पार्टी को सिर्फ 15 प्रतिशत वोट ही मिलने का अनुमान है। वहीं, फ्रांस में संसदीय चुनाव होने के बाद मरीन ले पेन ने कहा है, कि हम देश को बदलने के लिए तैयार हैं, फ्रांस के हितों की रक्षा के लिए तैयार हैं, मास इमिग्रेशन को खत्म करने के लिए तैयार हैं। वहीं, राष्ट्रपति मैक्रों ने मैक्रों ने हार की गंभीरता को स्वीकार किया है। उन्होंने एक टेलीविजन संबोधन में कहा है, कि मैंने आपका संदेश, आपकी चिंताएं सुनी हैं और मैं उन्हें टाल नहीं सकता। फ्रांस को शांति और सद्भाव से काम करने के लिए स्पष्ट बहुमत की जरूरत है। मैक्रों ने कहा, अचानक चुनाव बुलाना लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वहीं, जर्मनी में, दक्षिणपंथी अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी पार्टी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया, जो अगले साल होने वाले संघीय चुनाव से पहले पार्टी की मजबूती को दर्शाता है। यूरोसेप्टिक पार्टी को 16 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिलने का अनुमान है, जो उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हो सकता है और जर्मन चांसलर स्कोल्ज़ के गठबंधन में शामिल तीनों पार्टियों की तुलना में उसके वोट प्रतिशत का हिस्सा ज्यादा है। वहीं, संघीय स्तर पर विपक्ष में रहने वाले क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन और क्रिश्चियन सोशल यूनियन के कंजर्वेटिव गठबंधन ने लगभग 30 प्रतिशत वोट के साथ एग्जिट पोल में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। रविवार को खत्म हुए यूरोपीय संसद चुनाव में जर्मनी की ग्रीन पार्टी को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है और उसे 8.5 प्रतिशत वोट गंवाने पड़े हैं और सिर्फ 12 प्रतिशत वोटों के साथ उसे संतुष्ट करना पड़ रहा है। माना जा रहा है, कि जर्मनी में अवैध प्रवासी, यूक्रेन को लगातार फंडिंग और कार्बन डायऑक्साइड उत्सर्जन कम करने नाकामी को लेकर लोगों में भारी रोष है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129